THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 187 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.10 2082 गुरुवार, 2 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

A quality product from
PAN BAHAR

विजयादशमी
की हार्दिक शुभकामनाएं

पान बहार
द हेरिटेज पान मसाला
पहचान कामयाबी की

पान मसाला चबाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है।

TOLL FREE NO.: 1800 257 2258 | www.panbahar.in
NO TOBACCO NICOTINE

पति ने लोन चुकाया इसका मतलब ये नहीं कि प्रॉपर्टी उसकी हुई

पत्नी के अधिकार पर बोला हाई कोर्ट

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान कहा है कि अगर कोई संपत्ति पति-पत्नी दोनों के नाम पर रजिस्टर्ड है और दोनों ने मिलकर खरीदी है, तो पति केवल यह कहकर उसका पूरा मालिकाना हक नहीं मांग सकता कि उसने ईएमआई चुकाई थी। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरिश वैद्यनाथन शंकर की बेंच ने इस मामले में टिप्पणी की। कोर्ट ने बताया कि ऐसी कोई संपत्ति या प्रॉपर्टी जिसे पति और पत्नी दोनों के नाम पर लिया गया है तो इस पर पति और पत्नी दोनों का ही अधिकार होगा। पति यहां पर ये नहीं कह सकता है कि उसने संपत्ति को खरीदने के लिए खुद सारी रकम दी है। कोर्ट ने साफ किया है अगर कोई पति ऐसा करता है तो ये दावा बेनामी संपत्ति कानून की धारा 4 के खिलाफ होगा। इसके तहत किसी और के नाम पर हुई संपत्ति पर असली मालिक होने का दावा करके मुकदमा करने से रोका जा सकता है। पत्नी ने हाई कोर्ट में कहा कि अधिशेष राशि का आधा हिस्सा उसका है, क्योंकि यह हिंदू कानून में महिला की निजी संपत्ति है। ऐसे पर उस संपत्ति पर उस महिला का पर पूरा हक है। याचिका के मुताबिक, इस मामले में दोनों की शादी 1999 में हुई थी। 2005 में उन्होंने मुंबई में एक घर मिलकर खरीदा। लेकिन, 2006 में वे अलग हो गए और उसी साल पति ने तलाक की अर्जी दी, जो अभी तक कोर्ट में चल रहा है। हालांकि, फ्लैट को बैंक ने बेच दिया क्योंकि लोन की रकम चुकाई नहीं गई थी। लेकिन इसके बचे हुए पैसे को जोड़ने के बाद 1.09 करोड़ रुपये एचएसबीसी बैंक को दिया गया। तलाक की प्रक्रिया चल रही थी, उसी दौरान पति ने 2012 में बैंक से 1.09 करोड़ रुपये की राशि लेने के लिए एक अर्जी दायर की।

दिल्ली हाई कोर्ट में पत्नी का तर्क?

पत्नी ने पारिवारिक न्यायालय के आदेश को दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। पत्नी ने यह तर्क दिया था कि बेचे जाने की राशि को दोनों पक्षों के बीच बराबर बांटा जाना चाहिए। दिसंबर 2017 में दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश दिया कि 50% राशि पति के पक्ष में जारी की जाए। फिर 2019 में दिल्ली हाई कोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल (आरजी) को शेष 50% राशि को यूको बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट में रखने का निर्देश दिया।

आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

पुलिस ने तहरीक-ए-हुर्रियत का मुख्यालय किया कुर्क

श्रीनगर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलगाववादी और आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बडगाम पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक-ए-हुर्रियत के मुख्यालय को रहमताबाद, हैदरपोरा में यूएपीए की धारा 25 के तहत जब्त कर लिया है। जब्त की गई संपत्ति में 1 कनाल 1 मरला जमीन पर स्थित तीन मंजिला इमारत शामिल है (खसरा नंबर 946, खतौनी नंबर 306), जो इस प्रतिबंधित संगठन के कार्यालय के रूप में इस्तेमाल हो रही थी। यह कार्रवाई बडगाम पुलिस स्टेशन में यूएपीए के तहत दर्ज एफआईआर नंबर 08/2024 के तहत की गई है। साक्ष्यों और सक्षम प्राधिकरण की मंजूरी के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत इस संपत्ति को जब्त किया गया।

पुलिस ने बंद की राज्य के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख पर हमले की जांच

आरोपों को बताया 'झूठा'

नागपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस ने पिछले साल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता अनिल देशमुख पर कथित तौर पर पत्थर से हमला करने के मामले की जांच बंद कर दी है। पुलिस ने कोर्ट में 'बी सारांश' रिपोर्ट दाखिल कर इसे झूठा मामला बताया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। नागपुर ग्रामीण पुलिस ने इस रिपोर्ट को काटोल की कोर्ट में पिछले हफ्ते जमा किया, क्योंकि फोरेंसिक जांच और पूछताछ में शिकायत में किए गए दावे सही साबित नहीं हुए। पुलिस ने अदालत से शिकायतकर्ता के खिलाफ भी मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है।

देशमुख के निजी सहायक ने दर्ज कराया था मामला

अनिल देशमुख के निजी सहायक उज्ज्वल भोयर ने यह शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र के

पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर पत्थरों से हमला होने का आरोप लगाया था। यह घटना 18 नवंबर 2024 की बताई गई, जब देशमुख नागपुर जिले के नारखेड गांव से चुनाव प्रचार बैठक के बाद कातोल लौट रहे थे।

शिकायत में क्या कहा गया था?

शिकायत में कहा गया था कि चार अज्ञात लोगों ने उनके कार पर पत्थर फेंके। एक पत्थर उनके सिर पर लगा जिससे उन्हें चोट लगी और कार के अंदर कांच के टुकड़े मिले। उस समय अनिल देशमुख अपने बेटे सलिल देशमुख के लिए चुनाव प्रचार कर रहे थे, जो कातोल विधानसभा सीट से एनसीपी (एसपी) के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे। हालांकि, फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (आरएफएसएल) ने इस पत्थर से हमले के दावे को खारिज कर दिया। विशेषज्ञों ने बताया कि कार का मजबूत शीशा एक ही झटके से टूट नहीं सकता।

अनिल देशमुख की चोट कांच के टुकड़ों से लगी चोट से मेल नहीं खाती और विंडशील्ड के दरारें उस कथित घटना से मेल नहीं खातीं। खास बात यह है कि चोट में कोई कांच का टुकड़ा नहीं मिला। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और आस-पास के इलाकों की भी जांच की। लेकिन हमलावरों या किसी गवाह का कोई सबूत नहीं मिला। फोरेंसिक रिपोर्ट और अन्य प्रमाणों की कमी के चलते पुलिस ने कहा कि ये आरोप झूठे हैं।

पहला शहर जहां कोई झुग्गी-झोपड़ी नहीं, 12 साल चले अभियान के बाद 520 एकड़ कराया गया खाली

चंडीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ देश का पहला ऐसा शहर बन गया है जहां कोई स्लम यानी झुग्गी झोपड़ी नहीं है। स्थानीय प्रशासन द्वारा इस के लिए बीते 12 वर्षों से अभियान चलाया जा रहा था। बताया गया कि इस अभियान के जरिए पूरे शहर में 520 एकड़ जमीन दोबारा हासिल की। शाहपुर कॉलोनी को ध्वस्त करने के बाद चंडीगढ़ आधिकारिक तौर पर देश का पहला झुग्गी-झोपड़ी रहित शहर बना।

चंडीगढ़ को झुग्गी झोपड़ी से मुक्त करने के लिए करीब 1 दशक पहले अभियान चला। वर्ष 2014 में सबसे बड़ी कल्याण कॉलोनी को ध्वस्त किया गया और 89 एकड़ जमीन प्रशासन को वापस मिली। इसी साल अंबडेकर कॉलोनी की बसावट को हटाया गया और 65 एकड़ की जमीन हासिल की गई।

प्रतिष्ठा-सम्मान का भी हनन...

एक्टर नागार्जुन के पर्सनालिटी राइट्स की सुरक्षा पर एचसी का आदेश

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने तेलुगु एक्टर नागार्जुन के पर्सनालिटी राइट्स की सुरक्षा को लेकर अहम आदेश दिया है। कोर्ट ने नागार्जुन के नाम, उनकी आवाज, इमेज, उनके व्यक्तित्व से जुड़ी सभी चीज़ों के उनकी सहमति के बिना हो रहे व्यवसायिक इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने नागार्जुन की याचिका में पक्षकार बनाई गई विभिन्न वेबसाइट को उनके नाम, इमेज और व्यक्तित्व से जुड़ी सभी चीजों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। इस आदेश के बाद ये वेबसाइट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) डीपफेक, फेस मॉर्फिंग जैसी किसी नई तकनीकी का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। आदेश के मुताबिक, कोर्ट ने सभी वेबसाइट को 72 घंटे में याचिका में दिए गए सभी यूआरएल

लिंक को हटाने, ब्लाक करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि किसी के पर्सनालिटी राइट्स का गलत इस्तेमाल न केवल उनके आर्थिक हितों को प्रभावित करता है, बल्कि उनकी प्रतिष्ठा, सम्मान के साथ जीने के अधिकार का भी हनन करता है। नागार्जुन इंटरनमेंट इंडस्ट्री में जाना पहचाना नाम हैं। उनके चाहने वाले लोगों की बड़ी तादाद है। अगर उनके नाम, आवाज का कमर्शियल इस्तेमाल होता है तो इससे बड़ी संख्या में लोगों के बीच भ्रम की स्थिति ही बनेगी।

पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के आयोजक और जुबीन गर्ग के प्रबंधक गिरफ्तार

गुवाहाटी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गायक जुबीन गर्ग की सिंगापुर में मौत के मामले में उनके प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा और पूर्वोत्तर भारत महोत्सव (एनईआईएफ) के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंता को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि महंता को सिंगापुर से दिल्ली लौटते समय इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया, जबकि शर्मा को गुरुग्राम के एक अपार्टमेंट से पकड़ा गया।

उन्होंने बताया कि दोनों को बुधवार तड़के गुवाहाटी लाया गया। इस बीच, जुबीन की पत्नी गरिमा सैकिया गर्ग ने पत्रकारों से कहा कि उन्हें राहत है कि दोनों को असम लाया गया है, क्योंकि हम सब यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि उनके आखिरी पलों में क्या हुआ था। गरिमा ने कहा कि उन्हें जांच टीम पर पूरा भरोसा है और उम्मीद है कि अब सच्चाई जल्द सामने आएगी कि सिंगापुर में वास्तव में क्या हुआ था। असम सरकार ने जुबीन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में डूबने से मौत की जांच के लिए दस सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था।

इस दल का नेतृत्व विशेष पुलिस महानिदेशक एमपी गुप्ता कर रहे थे। एसआईटी में महंता, शर्मा, सिंगापुर असम संघ के सदस्यों और महोत्सव में शामिल होकर सिंगापुर गए अन्य लोगों को नोटिस भेजा गया था, जिसमें उन्हें हाजिर होकर बयान दर्ज कराने को कहा गया था। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पहले बताया था कि महंता और शर्मा के खिलाफ इंटरपोल के जरिए लुकआउट नोटिस जारी किया गया था और उन्हें छह अक्तूबर तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश होने के लिए कहा गया था।

अमृतसर में पकड़ी नशे की खेप

कार में मिली एक लाख से ज्यादा नशीली गोलियां, हथियार समेत आरोपी तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में पुलिस ने नशे की बड़ी खेप पकड़ी है। अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए नशीली दवाओं की बड़ी सप्लाई चेन का भंडाफोड़ करते हुए 1 लाख 8 हजार ट्रामाडोल टैबलेट्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से हथियार भी बरामद किए गए हैं। आरोपी की पहचान जोबनजीत सिंह उर्फ जोबन के तौर पर हुई है। आरोपी एक कार सवार में सवार था। पुलिस ने गाड़ी भी जब्त की है। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस ने उसके कब्जे से एक ग्लॉक पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट के तहत थाना ब्यास में एफआईआर दर्ज की गई है।

पुलिस अब मामले की गहन जांच कर रही है ताकि बरामद नशीले पदार्थों के स्रोत का पता लगाया जा सके और पूरी नेटवर्क चेन को फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंकज को उजागर किया जा सके।

पुलिस आरोपी जोबन के पुराने रिकॉर्ड भी खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी नशे की इतनी बड़ी खेप कहां से लेकर आया था और आगे कहां सप्लाई की जानी थी।

मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार क्यों बनाई

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2 अक्टूबर 2025 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) 100 साल का हो जाएगा। इस बड़े मौके पर जहां एक तरफ शताब्दी समारोह हो रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ विपक्षी नेता संघ पर सवाल भी उठा रहे हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने संघ से 100 वर्ष पूरे होने पर कुछ सवाल पूछे हैं।

इन सवालों को लेकर विरोधी संघ को लगातार घेरते रहते हैं। संजय सिंह ने इस मौके पर एक्स पर एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि 100 वर्ष पूरे होने पर आरएसएस से कुछ तीखे, कड़वे और सच्चे सवाल। 100 सालों में एक भी आरएसएस प्रमुख दलित, पिछड़ा, आदिवासी क्यों नहीं बना? जिन्ना की मुस्लिम लीग के साथ मिलकर तुम्हारे आकाओं ने सरकार क्यों बनाई? आजादी के आंदोलन में क्रांतिकारियों की मुखबिरी क्यों की? संघ के लोगों को अंग्रेजों की सेना में भर्ती क्यों कराया? भारत की आन-बान और शान तिरंगे झंडे का विरोध क्यों किया? संघ के मुख्यालय पर 52 साल तक तिरंगा क्यों नहीं फहराया? जो राष्ट्र के नहीं हुए, हम उनके नहीं।

कांग्रेस सांसद ने भी उठाए सवाल

कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने भी इस मौके पर एक पोस्ट करते हुए आरएसएस पर निशाना साधा।

अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा कि अब दिल्ली के स्कूल आरएसएस को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाकर पढ़ाएंगे? इसके आगे क्या होगा, नाथूराम गोडसे को 'देशभक्त' के तौर पर पढ़ाया जाएगा? आरएसएस इतिहास को इसलिए बदलना चाहती है क्योंकि उसका कोई इतिहास ही नहीं है। वो 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में नहीं था। अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन में हिस्सा नहीं लिया। लेकिन गांधी की हत्या के समय था। वो आगे लिखते हैं कि अगर बच्चों को आरएसएस की 'स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका' पढ़ाई गई, तो क्या उसमें इतना लिखा होगा कि पेज को जानबूझकर पेज छोड़ा गया है? यह शिक्षा नहीं है। कक्षाएं विज्ञान, ज्ञान और संवैधानिक मूल्यों के लिए होती हैं, शाखा-शैली में ब्रेनबॉश करने के लिए नहीं। पोस्ट में लिखा है कि आरएसएस को जवाब देना चाहिए कि उसने तिरंगे का विरोध क्यों किया? उसने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा क्यों नहीं लिया, गांधी की हत्या के बाद उसे बैन क्यों किया गया? हमारे बच्चों को इतिहास मिलना चाहिए, प्रचार नहीं। दिल्ली के स्कूल सच पढ़ाएं, आरएसएस का झूठ नहीं।

सपा नेता अबू आजमी को मनसे नेता ने दी धमकी, मराठी बोलने से किया था इनकार

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी की एक बयान ने महाराष्ट्र में फिर से भाषा विवाद को जन्म दे दिया है। कल्याण रोड चौड़ीकरण विवाद पर अबू आसिम ने मराठी में प्रतिक्रिया देने से मना कर दिया, जिसके बाद महाराष्ट्र में सियासी माहौल गरम हो गया। आसिम आजमी ने मराठी मीडिया की मांग पर भी सिर्फ हिंदी में ही जवाब दिया। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि मराठी की जरूरत क्या है और उत्तर प्रदेश के लोगों को मराठी भाषा कैसे समझ आएगी। सपा विधायक की प्रतिक्रिया का कड़ा विरोध जताते हुए मनसे ठाणे जिला अध्यक्ष परेश चौधरी ने कहा कि अबू आजमी महाराष्ट्र में राजनीति कर रहे हैं। अगर उन्हें मराठी बोलने में शर्म आती है तो हम मनसे स्टाइल में जवाब देंगे।

मराठी में बोलने से किया इंकार

सपा विधायक अबू आजमी ने मराठी भाषा में जवाब देने से इनकार कर दिया, जिससे विपक्षी पार्टियों उनपर जमकर निशाना साध रही हैं। उनका कहना है कि महाराष्ट्र में राजनीति करने वाले नेता को मराठी आनी चाहिए और उसका सम्मान भी करना चाहिए। दरअसल, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है जब मराठी भाषा को लेकर कोई विवाद खड़ा हुआ हो। महाराष्ट्र में भाषा विवाद का मुद्दा कुछ समय पहले उठा था, जब महाराष्ट्र सरकार ने तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को अनिवार्य कर दिया था, जिसके बाद विपक्ष ने इसका जमकर विरोध किया, और सरकार ने अपना फैसला वापस ले लिया। इसके बावजूद भी यह विवाद थमने के नाम नहीं ले रहा है।

आई लव मोहम्मद पर व्यक्त की प्रतिक्रिया

अबू आजमी ने हाल ही में आई लव मोहम्मद विवाद को लेकर कहा कि अगर कोई मुसलमान विरोध भी करता है, तो उस पर लाठीचार्ज किया जाता है। उन्होंने कहा अब यहां पर कानून का नहीं, बल्कि सरकार का राज चलता है। अबू आजमी ने कहा कि मैंने सीएम देवेंद्र फडणवीस से कहा है कि अगर किसी एक समुदाय का अपमान किया जाता है, तो उसके लिए एक कानून लाना चाहिए और अपमान करने वाले को सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि सरकार खुद चाहती है कि ऐसी चीजें हों और हिंदू-मुसलमानों के बीच झगड़ा हो।

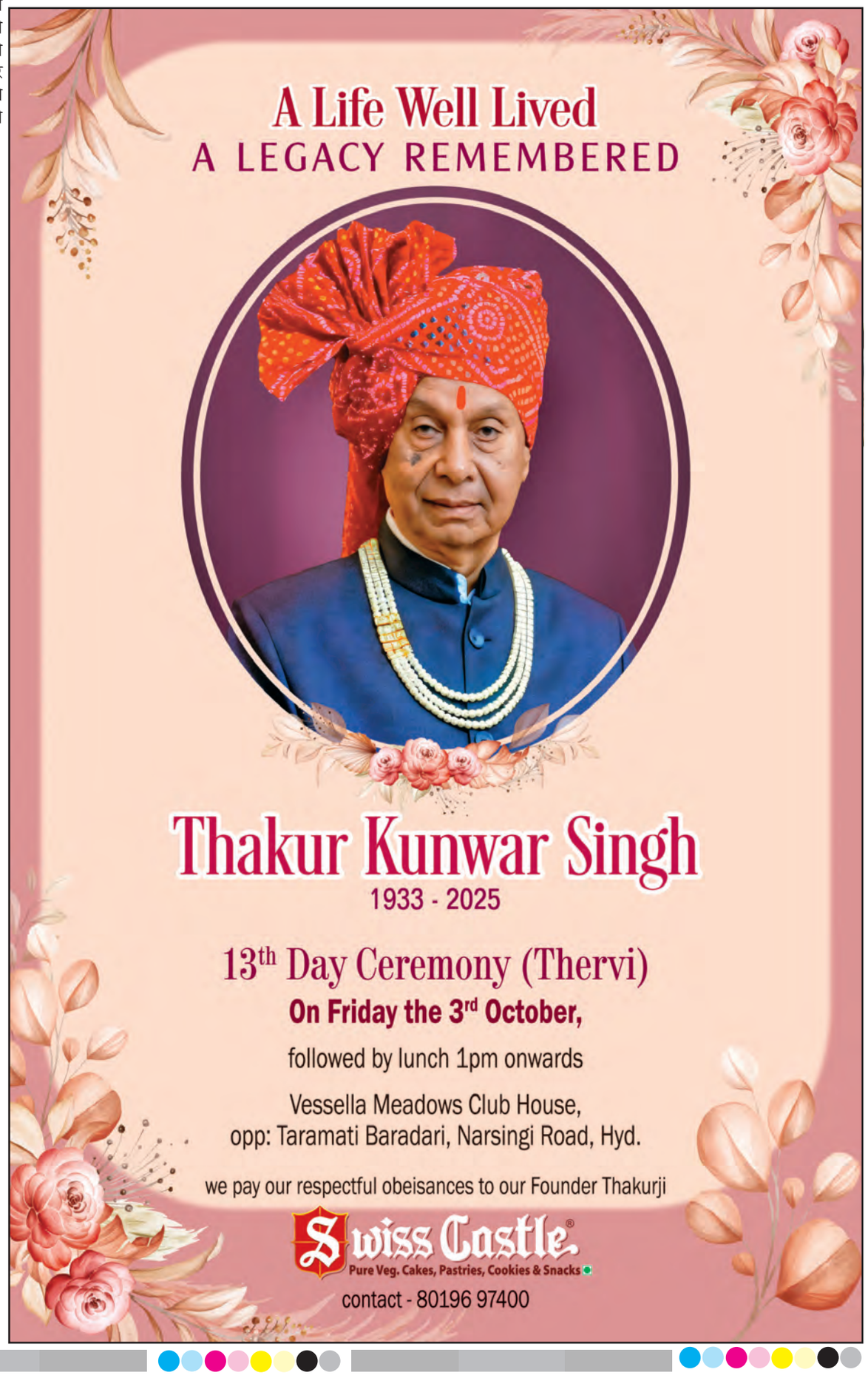

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 187 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.10 2082 गुरुवार, 2 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे बेंगलुरु के अस्पताल में भर्ती

बेंगलुरु, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे (83 साल) को मंगलवार को बेंगलुरु के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके बेटे और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने बुधवार को एक्स पर इसकी जानकारी दी। प्रियांक ने लिखा-मल्लिकार्जुन खड़गे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई है और उन्हें पहले से प्लानिंग के तहत अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर है और वे बेहतर महसूस कर रहे हैं। आपकी चिंता और शुभकामनाओं के लिए आभारी हूं। प्रियांक से पहले पार्टी सूत्रों ने बताया कि खड़गे को मंगलवार को बुखार और पैर में दर्द की शिकायत के बाद बेंगलुरु के एमएस रमैया अस्पताल ले जाया गया।

'संघ को कुचलने के प्रयास हुए'

> शताब्दी समारोह में पीएम मोदी ने गिनाईं आरएसएस की उपलब्धियां

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्र के प्रति योगदान को रेखांकित करने वाला विशेष रूप से डिजाइन एक स्मारक डाक टिकट और सिक्के को जारी किया। इस साल विजयदशमी से लेकर 2026 विजयदशमी तक संघ शताब्दी वर्ष मनाएगा। पीएम मोदी डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें संघ जैसे संगठन का शताब्दी वर्ष देखने को मिल रहा है। उन्होंने स्वयंसेवकों शुभकामनाएं दीं और संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को श्रद्धांजलि अर्पित की।

देशवासियों को दी महानवमी की शुभकामनाएं

पीएम मोदी ने समारोह के दौरान कहा, आज महानवमी है। आज देवी सिद्धिदात्री का दिन है। मैं सभी देशवासियों को नवरात्रि की बधाई देता हूं। कल विजयादशमी का महापर्व है- अन्याय पर न्याय की जीत, असत्य पर सत्य की जीत, अंधकार पर प्रकाश की जीत है। विजयदशमी भारतीय संस्कृति के इस विचार और विश्वास का कालजयी उद्घोष है। ऐसे महान पर्व पर 100 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना ये कोई संयोग नहीं था। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनरुत्थान था। जिसमें राष्ट्र चेतना, समय समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। उन्होंने बताया कि संघ की 100 वर्ष की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में आज भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के जारी किए हैं।

पीएम ने जारी किए गए सिक्के की विशेषता बताते हुए कहा, 100 रुपए के सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय चिन्ह है और दूसरी ओर सिंह के साथ वरद-मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि है। भारतीय मुद्रा पर भारत माता की तस्वीर संभवत: स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। इस सिक्के के ऊपर संघ का बोध वाक्य भी अंकित है-राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय इदं न मम।

केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 परसेंट बढ़ा

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र ने दिवाली और दशहरा से पहले केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 परसेंट की बढ़ोतरी कर दी है। यह इजाफा एक जुलाई से लागू होगा। कर्मचारियों को 3 महीने का एरियर मिलेगा। यह फैसला बुधवार को पीएम मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया। अब कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 55% से बढ़कर 58% हो जाएगा। इसका लाभ 49.2 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 68.% लाख पेंशनर्स को मिलेगा। इससे केंद्र सरकार के खजाने पर 10,084 करोड़ रुपए का भार आएगा।

6 महीने पहले 2% महंगाई भत्ता बढ़ाया था

मार्च महीने में महंगाई भत्ते में 2% की बढ़ोतरी की गई थी। तब यह % साल में सबसे कम इजाफा था। आमतौर पर महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी 3% से 4% के बीच होती है, लेकिन उस वक्त बढ़ोतरी सिर्फ 2% की गई थी।

महंगाई से निपटने के लिए दिया जाता है डीए

महंगाई बढ़ने के बावजूद सरकारी कर्मचारियों और पेंशनधारकों के जीवन स्तर को बनाए रखने के लिए महंगाई भत्ता यानी, डीए दिया जाता है। डीए की दरें ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (एआईसीपीआई) के आधार पर तय होती हैं, और यह हर 6 महीने में अपडेट होती है।

हार्दिक शुभकामनाएँ

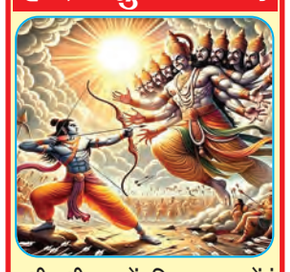

सभी सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, एजेंटों एवं शुभचिंतकों को दशहरे की हार्दिक शुभकामनाएँ।

-डॉ. गिरीश कुमार संघी
प्रधान संपादक

आवश्यक सूचना

दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में स्वतंत्र वार्ता कार्यालय में 2 अक्टूबर को अवकाश रहने के कारण हमारा अगला अंक तारिख 4 अक्टूबर को प्रकाशित होगा।

-प्रबंधक

15 युवा राष्ट्रगान के लिए खड़े नहीं हुए, पुलिस ने हिरासत में लिया

श्रीनगर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने श्रीनगर में राष्ट्रगान के दौरान खड़े न होने के आरोप में 15 युवाओं को हिरासत में लिए जाने की निंदा की। उन्होंने कहा कि कश्मीर में लोगों को जबरन यहां तक कि बंदूक की नोक पर राष्ट्रगान के लिए खड़ा किया जा रहा है।

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष मुफ्ती ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि भाजपा ने हालात ऐसे बना दिए हैं कि लोगों को राष्ट्रगान के लिए मजबूर किया जा रहा है। जब मैं स्टूडेंट थी तो हम अपनी इच्छा से राष्ट्रगान के सम्मान में खड़े होते थे। लेकिन अब यह दबाव डालकर करवाया जा रहा है। यह सरकार की विफलता है। दरअसल, मंगलवार शाम श्रीनगर के टीआरसी फुटबॉल मैदान में राष्ट्रगान बजने के दौरान बैठे रहने पर 15 युवाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया था।

महबूबा बोलीं-हमारे खेल मैदान छीने जा रहे

मुफ्ती ने मुस्लिम एजुकेशनल ट्रस्ट स्कूल के मैदान का दौरा करने के बाद कहा कि पुलिस इस जमीन पर शहीद स्मारक बनाने की योजना बना रही है, जिससे स्थानीय लोगों और युवाओं को खेल का मैदान खोना पड़ सकता है। हमारे खेल मैदान छीने जा रहे हैं। उन्होंने अपील की-'मैं डीजीपी से आग्रह करती हूं कि इस मैदान को बचाया जाए।'

वायुसेना के गुमनाम नायकों को जानते हैं आप?

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने बताया कैसे काम करते हैं लोग

दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने वायुसेना के गुमनाम नायकों का जिक्र किया। सिंह बुधवार को विंग्स ऑफ वैलोर पुस्तक के विमोचन समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। एयरफोर्स चीफ ने कहा कि जब हम विंग्स ऑफ वैलोर की बात करते हैं, तो आमतौर पर अग्रिम पंक्ति के लोगों के नाम सामने आते हैं। हालांकि, पर्दे के पीछे काम करने वालों के नाम अक्सर पहचाने नहीं जाते।

उन्होंनें कहा कि वायु सेना में, यह केवल जेट या पायलटों के बारे में नहीं है। कई अन्य लोग भी हैं, जो विमानों का रखरखाव करते हैं, वेतन का मैनेजमेंट करते हैं, रसद संभालते हैं और आवश्यक सहायता प्रदान करते हैं। आइए हम अपनी भारतीय वायु सेना के गुमनाम नायकों का उत्साहवर्धन करें। वायुसेना में जो लोग बहादुरी दिखाते हैं, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उन्हें विश्वास होता है कि जो मेरे पीछे काम कर

रहा है वो अच्छी तरह कर रहा है। अगर मैं किसी जहाज में उड़ रहा हूं तो जो लोग उन जहाज को मेंटेन कर रहे हैं उनपर मेरा विश्वास है।

पर्दे के पीछे भी होता है काम

एयरफोर्स प्रमुख ने कहा कि ज्यादातर जिनका नाम लिया जाता है वे लोग वो चेहरे होते हैं जो आगे दिखाई देते हैं। जब आप कही पर कुछ खाना खाने जाते हैं तो आप वेटर को कहते हैं कि बहुत अच्छा था या अगर आप फिल्म देखने जाते हैं तो फिल्म के हीरो और हीरोइन की तारीफ करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन जो पीछे काम हो रहा होता है, जिन लोगों का हाथ होता है उनका नाम नहीं आ पाता है। एयरफोर्स चीफ ने कहा कि यह जीवन का हिस्सा होता है।

'उन लोगों की बात नहीं करना गलत होगा'

एयर चीफ मार्शल ने कहा कि अगर कोई इवेंट अच्छा होता तो भी सामने वाले आदमी को कहा जाता है। अगर कुछ खराब भी होता है तो उसी को कहा जाता है। लेकिन एक सशस्त्र सेना में यदि मैं भारतीय वायुसेना की बात करूं तो इसमें ये सिर्फ सेना जो है तो पायलट से नहीं चलती है। वहां कई ऐसी ब्रांचेस, ट्रेड और ऑक्यूपेशन हैं जहां लोग काम करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि मैं उन लोगों की बात नहीं करूंगा तो यह ठीक नहीं होगा।

चेक बाउंस के पेंडिंग मामलों को लेकर ऐक्शन में सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। चेक बाउंस के मामलों के अदालतों में लगातार बढ़ते रहने के कारण, कुछ राज्यों में लंबित मामलों का 50% तक हिस्सा इन्हीं मामलों में है। सुप्रीम कोर्ट ने इनके शीघ्र निपटान के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनमें वाट्सएप और ईमेल के माध्यम से समन की तामील, तथा निपटान के लिए क्यूआर कोड या यूपीआई लिंक का उपयोग शामिल है। ऐसे में इस फैसले से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

राजस्थान में सबसे अधिक मामले

लंबित मामलों की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए, जस्टिस मनमोहन और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि दिसंबर तक देश भर में ऐसे 43 लाख मामले थे। इनमें राजस्थान में सबसे ज़्यादा 6.4 लाख मामले थे। उसके बाद महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बंगाल का स्थान था। 1 सितंबर को, दिल्ली में धारा 138 के तहत 6,50,283 मामले, मुंबई में 1,17,190 और कोलकाता में 2,65,985 मामले पेंडिंग थे। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि शिकायतकर्ताओं की तरफ से समन की तामील दस्ती और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की जाए। इसमें शिकायतकर्ताओं को अभियुक्त का संपर्क विवरण देना अनिवार्य होगा। जिला न्यायालयों को प्रारंभिक चरण में निपटान के लिए ऑनलाइन भुगतान सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

माफिया अतीक के बेटे अली अहमद को प्रयागराज से किया गया शिफ्ट

झांसी जेल भेजा गया

प्रयागराज, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल की हाई सिक्योरिटी बैरक में बंद माफिया अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को यहां से हटाकर झांसी जेल शिफ्ट कर दिया गया है। जेल प्रशासन के पास देर रात जेल ट्रांसफर का आदेश आया। इसके बाद अली को भारी पुलिस बल के साथ एक अक्टूबर सुबह 6 बजे झांसी जेल के लिए रवाना कर दिया गया।

नैनी जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक विजय विक्रम का कहना है कि शासन के आदेश पर बुधवार को तड़के पुलिस फोर्स पहुंची, जिसके बाद अली को उनके हवाले कर दिया गया। अली को झांसी जेल शिफ्ट किया गया है। किस वजह से अतीक अहमद के बेटे अली अहमद को झांसी जेल भेजा गया फिलहाल स्पष्ट नहीं है। जेल प्रशासन की तरफ से इसकी कोई वजह सामने नहीं रखी गई। लेकिन नैनी जेल में रहते हुए अली अहमद की गतिविधियों को लेकर कई बार सवाल उठे थे। अली से मिलने गए अधिवक्ता द्वारा कैश दिए जाने वाला मामला चर्चा में रहा था। इसके बाद प्रशासन ने जेल कर्मियों पर भी कार्यवाही की थी।

महिलाओं को कल मिलेगा बड़ा तोहफा

पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना शुरू की गई। इसके तहत एक बार फिर बड़ी राशि जारी होने जा रही है। 3 अक्टूबर को राज्य की करीब 25 लाख महिलाओं के बैंक खातों में 10,000 की पहली किस्त सीधे ट्रांसफर की जाएगी। इसके लिए पटना स्थित मुख्यमंत्री आवास में विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार स्वयं डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से यह राशि भेजेंगे। कार्यक्रम में दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित कई मंत्री भी मौजूद रहेंगे।

यह राशि महिलाओं को स्वरोजगार या छोटे व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दी जा रही है। सरकार का उद्देश्य है कि महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक सीमित न रहें बल्कि आर्थिक रूप से भी मजबूत हों। इस योजना की शुरुआत 26 सितंबर 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से की थी। उस दौरान प्रधानमंत्री ने 75 लाख महिलाओं के खातों में 10-10 हजार की राशि ट्रांसफर की थी। कार्यक्रम में कई जीविका दीदियों ने अपनी कहानियां साझा कीं। प्रधानमंत्री ने कहा था कि अगर जन-धन योजना के तहत करोड़ों महिलाओं के बैंक खाते न खोले गए होते, तो आज इतना पैसा सीधे आपके पास नहीं पहुंच पाता। पहले योजना का पैसा बीच में ही लूट लिया जाता था, लेकिन अब हर एक पैसा सीधे आपके खाते में जमा होता है।

बिहार सरकार ने अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक महिलाओं को राशि वितरण के लिए कुल 14 तिथियां निश्चित की हैं। हर शुक्रवार को यह पैसा भेजा जाएगा। सरकार ने कहा है कि यदि आवश्यकता हुई तो तिथियों में बदलाव संभव है, लेकिन लाभार्थी महिलाओं को राशि मिलना लगातार जारी रहेगा। महिला लाभार्थी जीविका स्वयं सहायता समूह या ग्राम संगठन (वीओ) के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। जो महिलाएं किसी समूह से नहीं जुड़ी हैं, वे निर्धारित तिथियों पर सीधे आवेदन जमा कर सकती हैं।

राशि सीधे डीबीटी के जरिए बैंक खाते में आएगी, बीच में कोई बिचौलिया नहीं होगा। 2020 के आंकड़ों के अनुसार बिहार में महिला मतदाताओं की संख्या करीब 3.39 करोड़ है। इनमें से लगभग 22 फीसदी महिलाओं को इस योजना का सीधा फायदा मिलेगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह योजना केवल आर्थिक सशक्तिकरण ही नहीं बल्कि महिला वोट बैंक को मजबूत करने की कवायद भी है।

भीषण सड़क हादसे में 6 की मौत

मुजफ्फरनगर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पानीपत-खटीमा हाईवे पर बुधवार सुबह करीब साढ़े छह बजे कार त्रिदेव होटल के सामने सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार छह लोगो की मौत हो गई। एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया पानीपत के गांव फरीदपुर निवासी कार सवार अस्थि विसर्जन के लिए हरिद्वार जा रहे थे। मृतकों में तीन पुरुष व तीन महिलाएं हैं। पुलिस प्रथम दृष्टया हादसे का कारण कार चालक को झपकी आना मान रही है। पानीपत के फरीदपुर निवासी पियूष पुत्र मोहिंदर अपने भाई हार्दिक, माता मोहिनी व फूफा राजेंद्र पुत्र जगन्नाथ बुआ मिमी पत्नी राजेंद्र अंजू पत्नी सुनील व कार चालक शिवा पुत्र विनोद के साथ हरिद्वार अपने पिता की अस्थि विसर्जन के लिये जा रहे थे।

जैसे ही पानीपत खटीमा राष्ट्रीय राजमार्ग पर अमीरनगर के निकट त्रिदेव होटल के सामने पहुंचे तो चालक को झपकी लगने से कार ट्रक मे जा घुसी और सात लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को बघरा सी एच सी भिजवाया जहां चिकित्सकों ने शिवा, मिमी, मोहिनी, पीयूष राजेंद्र, अंजू को मृत घोषित कर दिया। घायल हार्दिक को जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

आजम खान-राहुल गांधी पर रासुका लगना चाहिए

मंत्री रविंद्र जायसवाल ने क्यों कहा दोनों को देशद्रोही!

गाजीपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के स्टांप, न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन विभाग के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल ने गाजीपुर में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की। लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में हुई इस बैठक में उन्होंने जनपद में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। मंत्री ने अधिकारियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप मिशन शक्ति 5.0 को गति देने के निर्देश दिए, ताकि महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, संरक्षण, सम्मान और जागरूकता को बढ़ावा मिले। उन्होंने विकास कार्यों में तेजी लाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया। इस दौरान मीडिया से बातचीत में उन्होंने आजम खान समेत अन्य विपक्षियों पर सियासी हमला बोला। मीडिया से बातचीत में जायसवाल ने आजम खान की जेल से रिहाई के बाद दिए बयान पर तीखा पलटवार किया। बिना नाम लिए उन्होंने कहा कि जो अभी जेल से छूटा है, वह समाज में जहर फैलाता है। ऐसे लोगों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए, जो देश का माहौल खराब करते हैं। उन्होंने समुदायवाद और जातिवाद फैलाने वालों पर रासुका (एनएसए) लगाने की वकालत की और कहा कि समाज का माहौल खराब करने का किसी को अधिकार नहीं है।

राहुल गांधी पर रासुका लगाने की बात कही

बरेली बवाल पर बोलते हुए रविंद्र जायसवाल ने कहा कि यह योगी आदित्यनाथ की सरकार है। आतंकवाद और माहौल बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। नादान लोग भूल जाते हैं, लेकिन कड़ी कार्रवाई से उन्हें याद दिलाया जाता है। राहुल गांधी के विदेश दौरे और ऑपरेशन सिंदूर पर उनके बयान पर तंज कसते हुए रविंद्र जायसवाल बोले कि ऑपरेशन सिंदूर पर टिप्पणी करने वाला देशद्रोही है। अगर उनकी चले तो ऐसे लोगों पर भी रासुका लगे। उन्होंने गाजीपुर के वीर अब्दुल हमीद का जिक्र करते हुए कहा कि देश के सच्चे सपूतों की बात होनी चाहिए।

कुख्यात अपराधी सुरेश यादव की हावड़ा में गोली मारकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

गोपालगंज, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोपालगंज जिले के नगर थाना क्षेत्र के कुकुरभुक्का गांव निवासी कुख्यात अपराधी सुरेश यादव को पश्चिम बंगाल के हावड़ा स्थित संध्या बाजार में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस सनसनीखेज वारदात से स्थानीय अपराध जगत में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक सुरेश यादव बिहार पुलिस के लिए लंबे समय से एक बड़ा सिरदर्द बने हुए थे। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, सुरेश यादव पर ट्रिपल मर्डर, एक मुखिया हत्याकांड समेत दो दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। इन मामलों में वह लंबे समय से फरार चल रहा था और पुलिस उसे तलाश रही थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सुरेश यादव अपनी पहचान छिपाकर हावड़ा में रह रहे थे। रात वह हावड़ा के संध्या बाजार इलाके में थे, तभी अज्ञात अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और गोलियों से छलनी कर दिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। गोपालगंज पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि सुरेश यादव की हत्या पुरानी रंजिश या आपसी गैंगवार का नतीजा हो सकती है।

चूंकि अपराधी बिहार का था और उसकी हत्या पश्चिम बंगाल में हुई, इसलिए गोपालगंज पुलिस ने हावड़ा पुलिस से संपर्क साधा है और मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी मांगी है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि सुरेश यादव इतनी दूर हावड़ा में क्या कर रहे थे और वहां किन अपराधियों के साथ उनका संबंध था। साथ ही उनके आपराधिक नेटवर्क के बंगाल तक फैले होने की संभावना पर भी जांच जारी है।

गायत्री प्रजापति की सुरक्षा को लेकर पत्नी महराजी प्रजापति ने उठाई आवाज

कहा- 'मेरे पति को सुरक्षा दी जाए साजिश के तहत किया गया हमला

अमेठी, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री गायत्री प्रसाद प्रजापति की विधायक पत्नी महराजी प्रजापति में सरकार और न्यायालय से पति की सुरक्षा की मांग की है। कहा कि एक साजिश के तहत मेरे पति पर हमला किया गया है। हमें एक बोतल पानी नहीं ले जाने दिया जाता है तो कैसे जेल में चाकू और कैंची चली गई। नवरात्रि पर्व पर विधायक महराजी प्रजापति की ओर से पैतृक गांव परसावा में माता की प्रतिमा स्थापित कर पूजन अर्चन किया जाता है। प्रतिदिन विधायक परिवार की ओर से सुबह शाम आरती उतारी जाती है। मंगलवार को विधायक अपने आवास विकास कॉलोनी स्थिति घर पर पूजन अर्चन कर रही थी। इसके बाद वह सीधे पैतृक गांव में स्थिति पंडाल पर पूजन करने चली गई। इसी बीच विधायक को सूचना मिली कि पूर्व मंत्री पर हमला हुआ है। जानकारी के बाद विधायक अपने परिवार के साथ लखनऊ रवाना हो गई। पति से मिलने के बाद स्थिति देखकर वह खुद बीमार पड़ गई। परिवारीजनों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया जिसके बाद उनकी तबियत में सुधार हुआ। विधायक महराजी देवी ने कहा कि मैं जब जेल जाती हूं, मिलने तो एक बोतल पानी तक नहीं ले जाने दिया जाता है।

जेल में चाकू और कैंची चली जा रही है। मेरे पति पर हमला हुआ है। एक साजिश के तहत यह कार्य किया जा रहा है। मेरे पति निर्दोष है। उन्होंने राजनीति के तहत मेरे पति को सजा कराके आठ साल से बंद किया गया है। मेरे पति को न्याय मिले कहा कि मेरी न्यायालय और सरकार से यही मांग है कि मेरे पति को समुचित सुरक्षा प्रदान की जाए। कहा कि हम लोग उनकी सुरक्षा को लेकर भयभीत है, हमें न्याय दिया जाए।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद हाउस अरेस्ट

बरेली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में पोस्टर को लेकर हुए दंगे के बाद यूपी की सियासत गरमा गई है, बरेली मामले को लेकर आज बरेली के उच्च अधिकारियों से मिलने जा रहे कांग्रेस सांसद इमरान मसूद और सपा एमएलसी शाहनवाज खान को देर रात से ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि मेरे खिलाफ एकतरफा और धर्म को देखकर कार्रवाई की जा रही है।

बुधवार को पार्टी का एक डेलिगेशन सांसद इमरान मसूद के नेतृत्व में बरेली जाने को तैयार था, लेकिन एलआईयू की रिपोर्ट के बाद प्रशासन ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए उन्हें हाउस अरेस्ट कर लिया। देर रात से ही दोनों नेताओं के आवासों पर पुलिस बल की भारी तैनाती की गई है और हर आने-जाने वाले पर नजर रखी जा रही है और किसी भी बाहरी व्यक्ति को बिना अनुमति प्रवेश नहीं दिया जा रहा।

मंत्री जी का बेटा भी नहीं सुरक्षित, रंगदारी में 10 लाख नहीं देने पर जान से मारने की धमकी

मुजफ्फरपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता के पुत्र कृष्ण मुरारी उर्फ मुरली को कॉल कर 10 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई है। एक सप्ताह के भीतर रुपये नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई। मामले में गोबरसही निवासी मंत्री के पुत्र कृष्ण मुरारी ने सदर थाने में प्राथमिकी कराई है। इसमें एक मोबाइल नंबर धारक को आरोपित किया है। सदर थानाध्यक्ष अस्मित कुमार ने बताया कि घटना की शिकायत मिली है। मोबाइल नंबर का डिटेल निकाला जा रहा है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस को दिए आवेदन में कहा कि रात वह घर पर थे। इसी क्रम में रात करीब नौ बजकर 53 मिनट पर उनके मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आया। कॉल रिसीव करने पर उधर से 10 लाख रुपये की रंगदारी की मांग करते हुए एक सप्ताह के भीतर राशि देने को कहा।

आजम खान रिहा- इरफान सोलंकी को जमानत

सपा सांसद रुचि वीरा ने कहा- अब बनेगी हमारी सरकार

मुरादाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने इरफान सोलंकी को जमानत मिलने पर बधाई दी है। इरफान सोलंकी समाजवादी पार्टी से पूर्व विधायक रह चुके हैं। रुचि वीरा ने उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि कुछ दिन पहले आजम खान रिहा हुए थे और अब इरफान सोलंकी साहब को जमानत मिली है। यह बहुत अच्छी बात है। मुझे लगता है कि अब परेशानियों का समय खत्म हो गया है और हमारी सरकार जल्द ही सत्ता में आने वाली है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के एक नेता के बयान पर सांसद रुचि वीरा ने कहा कि बीजेपी के नेता कटु वचन बोलने वाले लोग हैं। ये हमेशा नफरत भरी बातें करते हैं। यह बहुत ही अफसोसजनक है कि एक तरफ बीजेपी संविधान की बात करती है और दूसरी तरफ उनके नेता कोर्ट के आदेश का उल्लंघन करने की बात करते हैं। कोर्ट की अवमानना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

समर्थकों ने कहा शेर आया, शेर आया

पूर्व विधायक इरफान सोलंकी करीब 33 महीने बाद महाराजगंज की जेल से बाहर आए हैं। जेल से बाहर आने के बाद समर्थकों ने उनके पक्ष में जोर-जोर से नारे लगाए। खुशी जाहिर करते हुए समर्थकों ने कहा, शेर आया शेर आया। उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि चाहने वाले और समर्थकों की वजह से ही हमारी बेगम विधायक बनीं।

23 महीने बाद जेल से बाहर आए आजम खान

समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान 23 सितंबर 2025 को करीब 23 महीने बाद जेल से बाहर आए। उनपर अंतिम मामला 2020 में रामपुर के सिविल लाइन्स पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। इसमें धोखाधड़ी और दूसरे संबंधित अपराधों के आरोप शामिल थे।

अक्टूबर 2023 में रामपुर की एक विशेष अदालत ने पूर्व सांसद आजम खान उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को 2019 में दर्ज एक मामले में दोषी ठहराया था। ये मामला अब्दुल्ला के जन्म प्रमाण पत्र में जालसाजी से जुड़ा हुआ था। अदालत ने तीनों को सात साल की सजा सुनाई। तंजीम फातिमा और अब्दुल्ला को बाद में इस मामले में जमानत मिल गई थी और वे इसमें जेल से रिहा हो गए। वहीं आजम खान कई दूसरे आपराधिक मामलों के लंबित होने के कारण जेल में ही रहे।

संजय कुमार की सीबीआई कोर्ट से जमानत खारिज, अवैध खनन से जुड़ा है मामला

गाजियाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में ब्यास नदी और सहारनपुर में यमुना नदी में अवैध खनन करने के आरोपित संजय कुमार उर्फ संजय धीमान की जमानत याचिका पर गाजियाबाद की सीबीआई कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आरोपित की जमात को खारिजर कर दिया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) हिमाचल प्रदेश के ज्ञान चंद और संजय कुमार सहित सात लोगों को आरोपी बनाया था।

ईडी ने संजय कुमार और ज्ञानचंद को 18 नवंबर 2024 को गिरफ्तार किया था। ईडी द्वारा आरोपितों की 4.9 करोड़ रुपये की संपत्ति भी कुर्क की थी। ईडी ने अवैध खनन से संबंधित हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा और ऊना जिलों के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में दर्ज छह एफआइआर के आधार पर जांच शुरू की थी। ऊना और कांगड़ा जिलों में टिपर, पोकलेन, जेसीबी और ट्रैक्टर से अवैध खनन किया जा रहा था। आरोपितों के खिलाफ बेहट पुलिस स्टेशन सहारनपुर में एक नवंबर 2024 को भी एक अन्य एफआइआर भी दर्ज हुई थी। सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम, 1984 और खान और खनिज (विनियमन और विकास) अधिनियम, 1957 (संशोधित) की धाराओं के तहत यह एफआइआर दर्ज हुई थी। ईडी ने हिमाचल प्रदेश के ब्यास नदी और सहारनपुर की यमुना नदी से संबंधित अवैध खनन मामले में अभियोजन शिकायत दायर की थी।

जांच में मिले साक्ष्य के आधार पर ईडी ने ज्ञान चंद और उसके साथी संजय कुमार उर्फ संजय धीमान को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान ईडी ने हिमाचल और सहारनपुर में खनन माफियाओं के 12 ठिकानों पर दबिश दी थी।

भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने का है आरोप

पटना, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूथ कांग्रेस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को जान से मारने की धमकी देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस ने पटना के शास्त्री नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के लीगल सेल अध्यक्ष नंद कुमार सागर ने कहा है कि केरल के एक न्यूज़ चैनल पर लाइव डिबेट के दौरान भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता पिंटू महादेव ने कथित तौर पर राहुल गांधी की छाती में गोली मारने की धमकी दी थी।

आवेदन में इस धमकी को एक गंभीर आपराधिक धमकी और हत्या के लिए उकसाना बताया गया है। इस मामले की जानकारी देते हुए बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के लीगल सेल अध्यक्ष नंद कुमार सागर ने बताया है कि यह मामला यह मामला 27 सितंबर 2025 का है, जब केरल के एक न्यूज़ चैनल पर लाइव डिबेट के दौरान भाजपा के आधिकारिक प्रवक्ता पिंटू महादेव ने कथित तौर पर राहुल गांधी की छाती में गोली मारने की धमकी दी थी। इसके बाद शास्त्री नगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

बिहार प्रदेश यूथ कांग्रेस के लीगल सेल अध्यक्ष नंद कुमार सागर ने चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि इस मामले में तुरंत कार्रवाई नहीं की गई, तो यह माना जाएगा कि इस तरह की धमकियों को शीर्ष सरकारी पदों की मौन स्वीकृति प्राप्त है। इस संबंध में कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन का कहना है कि यह धमकी शीर्ष नेतृत्व के इशारे पर दी गई है और आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह एक सोची-समझी साजिश हो सकती है।

फ्रीलांसिंग जॉब करनी है तो हो जाएं सावधान 150 की मिली कमीशन फिर युवक गंवा बैठा 8.88 लाख रुपये

लखनऊ, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में साइबर ठगों ने एक युवक को फ्रीलांसिंग जॉब का लालच देकर 8 लाख 88 हजार 500 रुपये की चपत लगा दी। टेलीग्राम के जरिए शुरू हुए इस जालसाजी के खेल में शुरुआत में छोटे-छोटे कमीशन देकर भरोसा जीता गया, फिर प्रीपेड टास्क के नाम पर मोटी रकम वसूल ली गई। अब ठग 1 लाख रुपये और मांग रहे हैं। ठगी का शिकार हुए युवक ने जानकीपुरम थाने में तहरीर देकर एफआईआर और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामला साइबर सेल को सौंप दिया है।

'हर विधानसभा में उतारेंगे गौ भक्त प्रत्याशी'

बिहार में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का बड़ा बयान

छपरा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बिहार में सनातनी राजनीति का शंखनाद कर दिया है। गौ मतदाता संकल्प यात्रा के दौरान उन्होंने घोषणा की कि बिहार की सभी विधानसभा क्षेत्रों में गौ भक्तों को चुनाव लड़ाया जाएगा और उनके लिए व्यापक स्तर पर प्रचार भी किया जाएगा। साथ ही सनातनी हिन्दुओं से अपील की गई कि वे गौ माता को राष्ट्र माता घोषित कराने के लिए मतदान करें। छपरा में गौ सेवकों और गौ रक्षकों को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि "आप जो कर रहे हैं वही धर्म है और वही अधर्म भी हो सकता है। यदि आपका वोट धर्म हो सकता है, तो अधर्म भी हो सकता है। अगर आपने गौ हत्या समर्थकों को वोट दिया तो वह अधर्म होगा।"

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि वोट की ताकत से देश में गौ हत्या पर रोक लग सकती है। अपने संबोधन में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए आठ हजार करोड़ का विमान खरीदा गया है और यह उनकी चाय बेचने की कमाई से नहीं आया, बल्कि जनता के वोट की ताकत से आया है। "हमारी ही मां (गौ माता) के हत्यारों को सत्ता दिलाकर हम खुद शर्मिंदा हैं।" शंकराचार्य ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा तभी संभव है जब गौ माता का संरक्षण होगा। गौ रक्षा सिर्फ आस्था का विषय नहीं है, बल्कि समाज और संस्कृति की आधारशिला है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बिहार की वास्तविक समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए "आई लव मोहम्मद" और "आई लव महादेव" जैसी बयानबाजी कराई जा रही है।

इससे जागरूक मतदाताओं का ध्यान भटकाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब नरेंद्र मोदी सत्ता में आने से पहले देशभर में गौ हत्या पर रोक की बातें करते थे, तो लोग उनसे उम्मीद करते थे। लेकिन बीते 12 वर्षों में गौ हत्या पर पाबंदी लगाने की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। शंकराचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री की कथनी और करनी में बड़ा अंतर साफ झलक रहा है।

विजया दशमी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक: मंत्री कोमटिरेड्डी

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने आज विजयादशमी के अवसर पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर राज्य सचिवालय स्थित अपने कक्ष में विशेष पूजा-अर्चना की। इस कार्यक्रम में आरएंडबी निगम के अध्यक्ष मल रेड्डी राम रेड्डी, सेटविन के अध्यक्ष गिरिधर रेड्डी, विशेष मुख्य सचिव विकास राज, एफडीसी की प्रबंध निदेशक चौधरी प्रियंका, आरएंडबी विभाग के वरिष्ठ अभियंता, सचिवालय कर्मचारी संघ के नेता और कर्मचारी उपस्थित थे। तेलंगाना के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए, मंत्री ने कहा कि विजयादशमी बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है।

उन्होंने देवी दुर्गा से हर घर में शांति, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इससे पहले, मंत्री ने अपने आवास स्थित कैंप कार्यालय में वाहन और शस्त्र पूजा भी की, जिसमें कर्मचारी, पुलिसकर्मी और अन्य लोग शामिल हुए।

अलाई-बलाई उत्सव 3 अक्टूबर को

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 2005 में वरिष्ठ भाजपा नेता बंडारू दत्तात्रेय द्वारा शुरू किया गया बहुप्रतीक्षित "दशहरा अलाई-बलाई उत्सव", 3 अक्टूबर, 2025 को सुबह 10:30 बजे यहां नामपल्ली में प्रदर्शनी मैदान में आयोजित किया जाएगा। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी मुख्य अतिथि होंगे। भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, मनोहरलाल खट्टर, जी. किशन रेड्डी, अर्जुन मेघवाल, जयंत चौधरी, बंदी संजय कुमार, भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता चौ. विद्यासागर राव और बंडारू दत्तात्रेय, डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क समेत केंद्रीय और राज्य मंत्री हिस्सा लेंगे। इस वर्ष का समारोह "ऑपरेशन सिंधुर" के दौरान प्रदर्शित वीरता के सम्मान में भारतीय सेना को समर्पित है। सिनेमा जगत के दिग्गजों अक्किनेनी नागार्जुन और ब्रह्मानंदम सहित अन्य उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, तेलंगाना की लोक परंपराएँ जैसे बोनालु, बथुकम्मा, गंगिरेद्दुलु, कलाकृतियों की प्रदर्शनी और तेलंगाना के व्यंजनों का विस्तृत विवरण शामिल होगा। सिनेमा और खेल जगत की हस्तियों के भी इसमें शामिल होने की उम्मीद है।

मेजर जनरल जी श्रीनिवास ने सीडीएम सिकंदराबाद के कमांडेंट का पदभार ग्रहण किया

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेजर जनरल जी श्रीनिवास ने रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय, सिकंदराबाद के कमांडेंट का पदभार ग्रहण किया।

उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल हर्ष छिब्बर, एवीएसएम, वीएसएम का स्थान लिया है, जो पदोन्नति के बाद सूचना प्रणाली महानिदेशक के पद पर नियुक्त होंगे। मेजर जनरल श्रीनिवास एक प्रतिष्ठित गनर ऑफिसर हैं और रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय तथा राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय के पूर्व छात्र हैं। अपने विशिष्ट सेवाकाल में, उन्होंने महत्वपूर्ण और निर्णायक कमान एवं स्टाफ नियुक्तियों का कार्यभार संभाला है।

कमांडेंट का पदभार ग्रहण करने से पहले, वे पश्चिमी कमान क्षेत्र में ऑपरेशनल लॉजिस्टिक्स की योजना और क्रियान्वयन के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें हाल ही में हुआ ऑपरेशन सिंदूर भी शामिल है। जनरल ऑफिसर के पास संयुक्त परिचालन योजना, रक्षा प्रबंधन और रणनीतिक नेतृत्व सहित अमूल्य परिचालन और अनुदेशात्मक अनुभव है। रक्षा प्रबंधन महाविद्यालय भविष्य के रणनीतिक नेताओं को अत्याधुनिक प्रबंधन शिक्षा प्रदान करने और संयुक्त परिचालन समझ को बढ़ावा देने तथा भारतीय सशस्त्र बलों की क्षमताओं को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस 42% पिछड़ा वर्ग आरक्षण पर गंभीर नहीं: कविता

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति प्रमुख और पूर्व सांसद कलवकुंतला कविता ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार पिछड़े वर्गों (बीसी) के लिए 42% आरक्षण लागू करने के प्रति गंभीर नहीं है।

यहाँ जागृति कार्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, कविता ने पिछड़ा वर्ग विधेयक को मंज़ूरी मिलने के बावजूद स्थानीय निकाय चुनाव कराने में हो रही देरी पर सवाल उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका बीआरएस से कोई संबंध नहीं है, लेकिन पार्टी से इस मुद्दे पर गंभीरता से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने भाजपा सांसद एटाला राजेंद्र की भी आलोचना की और उन पर चुनावों पर टिप्पणियों से अदालतों को गुमराह करने का आरोप लगाया और पिछड़े वर्गों से माफ़ी मांगने की माँग की। सांस्कृतिक मुद्दों पर, कविता ने कहा कि जागृति के बैनर तले 'चिंतमदका से लंदन' तक के लोगों ने बथुकम्मा समारोह में भाग लिया और तेलंगाना की पहचान को बढ़ावा देने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर को श्रेय दिया। उन्होंने तेलंगाना थल्ली प्रतिमा के डिज़ाइन में बदलाव के लिए रेवंत रेड्डी सरकार की आलोचना की और कहा कि स्थानीय चुनावों के लिए वर्तमान आरक्षण आवंटन भ्रामक है। उन्होंने कहा कि जाति जनगणना के आंकड़े जारी करने से स्पष्टता आएगी।

टीपीसीसी प्रमुख और मंत्री पोन्नम प्रभाकर एवं सीएम ने चुनावों के लिए रणनीति बनाई

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वर्तमान में सत्ता में काबिज कांग्रेस पार्टी जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल करने के लिए अपने प्रयासों को तेज़ कर रही है। वे चुनाव जीतने के उद्देश्य से एक रणनीतिक योजना तैयार कर रहे हैं। इस संबंध में, टीपीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ और मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने बुधवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों, जुबली हिल्स उपचुनाव और पिछड़ा वर्ग आरक्षण से संबंधित चल रहे अदालती मामलों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। मंगलवार को एक ज़ूम मीटिंग के दौरान, रेवंत रेड्डी ने मंत्रियों और डीसीसी अध्यक्षों को 5 अक्टूबर तक ज़ेडपीटीसी सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची टीपीसीसी को सौंपने का निर्देश दिया था। इसी के मद्देनजर, टीपीसीसी प्रमुख गौड़ और मंत्री प्रभाकर ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण से संबंधित उच्च न्यायालय के मामले और वर्तमान परिस्थितियों में लागू की जाने वाली रणनीतियों पर भी चर्चा की। तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के सत्ता में आने के साथ ही, राज्य में पहली बार स्थानीय निकाय चुनाव हो रहे हैं और पार्टी इन चुनावों में अपनी मज़बूत स्थिति बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। अपनी जारी पहलों के तहत, पिछड़ा वर्ग द्वारा नियोजित "बीसी गर्जना" नामक एक विरोध रैली दशहरा के बाद आयोजित की जाएगी। पिछड़ा वर्ग को पहले ही 42% आरक्षण दिए जाने के साथ, टीपीसीसी प्रमुख जल्द ही पिछड़ा वर्ग समुदाय के नेताओं के साथ एक बैठक आयोजित करेंगे।

यह पिछड़ा वर्ग के हितों के प्रति कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता को जनता तक पहुँचाने का एक अवसर प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, 8 अक्टूबर को आरक्षण पर उच्च न्यायालय के आगामी फैसले के मद्देनजर, यह बताया गया है कि कांग्रेस पार्टी पिछड़ा वर्ग समुदायों के बीच सरकार के प्रति अपने समर्थन को मज़बूत करना चाहती है।

मिशिगन में तीसरा बतुकम्मा और दशहरा उत्सव

ग्लोबल तेलंगाना एसोसिएशन के आयोजन में 1,500 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया

फार्मिंगटन, मिशिगन, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्लोबल तेलंगाना एसोसिएशन (जीटीए) के डेट्रॉइट चैप्टर ने पिछले सप्ताहांत स्टूडियो सेंटर में तीसरा बतुकम्मा और दशहरा समारोह आयोजित किया। इस कार्यक्रम में मिशिगन में रहने वाले तेलुगु समुदाय के 1,500 से अधिक सदस्यों ने हिस्सा लिया और अपनी संस्कृति व परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन किया। उत्सव स्थल रंगों और उत्साह से भर गया। महिलाएँ और युवतियाँ रेशमी साड़ियों और पारंपरिक लंगड़ा वोनियों में सजी थीं। मुख्य आकर्षण सैकड़ों बतुकम्मा फूलों के ढेर थे, जिन्हें देवी गौरी और प्रकृति माता को अर्पित किया गया। प्रतिभागी फूलों के चारों ओर गोल-गोल नृत्य कर रहे थे, और भक्ति गीतों से वातावरण गूंज रहा था।

हैदराबाद से आए सदस्य सुवर्णा नागिरेड्डी ने कहा कि जीटीए ने अमेरिका में आने वाली पीढ़ियों के लिए तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा है। सत्तर वर्षीय ईशा गंगासानी ने बताया कि बतुकम्मा केवल फूलों का मीनार नहीं, बल्कि दिलों के बीच एक सेतु है और प्रकृति की पूजा हमारी संस्कृति का मूल है। उत्सव की शुरुआत पारंपरिक 'शमी पूजा' से हुई, जिसका संचालन मंदिर के पुजारी वर प्रसाद शर्मा ने किया। विभिन्न भारतीय समुदायों के प्रमुख नेताओं ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर प्रवासी समुदाय के बीच एकता और जुड़ाव का संदेश दिया। इस समारोह की सफलता का श्रेय आयोजन समिति, स्वयंसेवकों, प्रायोजकों और उत्साही समुदाय के बीच बेहतरीन तालमेल को दिया गया।

सम्मन बनाम मुद्दायलाह बिनावर कायमी तनकीयात

न्यायालय:- अपर जिला न्यायाधीश महोदय, सोजत। बाईलास:- दिनेश कुमार गड़वाल (आर.एच.जे.एस.), (आदेश 05 नियम 1 व 5 जाब्ता दीवानी) सिविल मूल वाद एवम् विविध प्रकरण संख्या:- 15/2025, वादी / प्रार्थी तेजसिंह बनाम प्रतिवादीगण / अप्रार्थीगण किशोर शर्मा व अन्य

वादे वास्ते संविदा की विर्निदिष्ट पालना करने स्थाई निषेधाज्ञा एवम आज्ञात्मक आज्ञा बाबत एवम अस्थायी निषेधाज्ञा का प्रार्थना पत्र

मुसम्मी :- तिवादी / अप्रार्थी संख्या 1 किशोर शर्मा पुत्र श्री गंगाराम, उम्र 48 वर्ष जाति ब्राह्मण, प्रतिवादी / अप्रार्थी संख्या 2 कंचन देवी पत्नी गंगाराम उम्र 68 वर्ष, जाति ब्राह्मण, प्रतिवादी / अप्रार्थी संख्या 3 ममता देवी पुत्री गंगाराम उम्र 50 वर्ष, जाति ब्राह्मण निवासीगण गांव साण्डिया तहसील सोजत जिला पाली राजस्थान हाल 37-93/1, Mathura Nagar, Near Neredmet X Road, Sainik Puri, Malkaj Giri, Hyderabad, Telangana-500094 के विरुद्ध वादी / प्रार्थी ने वाद व प्रार्थना पत्र संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 17-10-2025 को दिन में 10.00 ए.एम. बजे दाव / प्रार्थना पत्र का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी अन्य ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुतोष हो गये और जो इस वाद / प्रार्थना पत्र में सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकेगा, जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन / जवाबदावा / जवाब प्रार्थना पत्र दाखिल करे, आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद व अस्थायी निषेधाज्ञा के प्रार्थना पत्र की सुनवाई व उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। अतः आज तारीख 23-09-2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया।

मोहर

अपर जिला न्यायाधीश महोदय, सोजत जिला पाली राजस्थान

फीस प्रतिपूर्ति बकाया से नाराज़ निजी कॉलेज

सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप, हड़ताल की तैयारी

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के निजी व्यावसायिक कॉलेज सरकार से नाराज़ हैं क्योंकि कांग्रेस सरकार ने 600 करोड़ रुपये की फीस प्रतिपूर्ति जारी करने का वादा पूरा नहीं किया। कॉलेज प्रबंधन ने चेतावनी दी है कि दशहरा अवकाश के बाद 6 अक्टूबर से वे अपने संस्थान फिर से नहीं खोलेंगे। बुधवार को हड़ताल का ऐलान भी हो सकता है। तेलंगाना उच्च संस्थान संघ महासंघ (एफएटीएचआई) ने इस मुद्दे पर आपात बैठक बुलाई है। संघ ने कहा कि यह फैसला संस्थानों, कर्मचारियों और छात्रों के हितों को देखते हुए लिया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने 16 सितंबर को घोषणा की थी कि दशहरा से पहले 600 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे, लेकिन अब तक राशि नहीं मिली। संघ ने आरोप लगाया कि धन का दुरुपयोग किया गया है, जिससे राज्य भर के सैकड़ों संस्थान गंभीर वित्तीय संकट में हैं। संघ ने बताया कि कुल बकाया करीब 10,000 करोड़ रुपये हो चुका है और पिछले चार साल से राशि न मिलने के कारण कॉलेज लगातार मुश्किलों में हैं। इससे पहले संघ ने 15 सितंबर से अनिश्चितकालीन बंद का फैसला लिया था, लेकिन सरकार के आश्वासन के बाद उसे वापस ले लिया था।

कालेश्वरम परियोजना पर सरकार का कदम, किसानों में संदेह बरकरार

दो साल बाद बैराजों के पुनर्वास के लिए जारी हुआ अभिरुचि पत्र

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) के मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला बैराजों के पुनर्वास के लिए डिज़ाइन तैयार करने हेतु अभिरुचि पत्र (ईओआई) जारी किया है। 15 अक्टूबर तक बोली लगाने की अंतिम तिथि तय की गई है। यह फैसला मेदिगड्डा बैराज के घाट अक्टूबर 2023 में ध्वस्त होने के लगभग दो साल बाद आया है। परियोजना की नहरें और पंप पिछले चार फसल सीज़न से बेकार पड़े हैं। किसान भूजल स्तर गिरने और फसलों को नुकसान झेलने से परेशान हैं। महबूबाबाद जिले के किसान मदिकंती रामुलु ने कहा कि सरकार की देरी और राजनीति ने उनकी उम्मीदें तोड़ दी हैं।

राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) ने फरवरी 2024 में अपनी रिपोर्ट में मेदिगड्डा बैराज की मरम्मत की सिफारिश की थी, लेकिन राज्य सरकार ने कार्रवाई में महीनों लगा दिए। आलोचकों का आरोप है कि यह देरी बीआरएस की परियोजना को नुकसान पहुंचाने और राजनीतिक प्रतिशोध का हिस्सा है। किसानों का मानना है कि सरकार का यह कदम स्थानीय निकाय चुनावों से पहले उन्हें शांत करने की कोशिश है। फिर भी, वे सरकार के इरादों को लेकर संदेह में हैं। सीएडी विभाग के केंद्रीय डिज़ाइन संगठन (सीडीओ) ने बताया कि 15 अक्टूबर तक सीलबंद बोलियाँ दोपहर 3 बजे तक जलसौधा स्थित कार्यालय में जमा होंगी और उसी दिन शाम 5 बजे उन्हें खोला जाएगा।

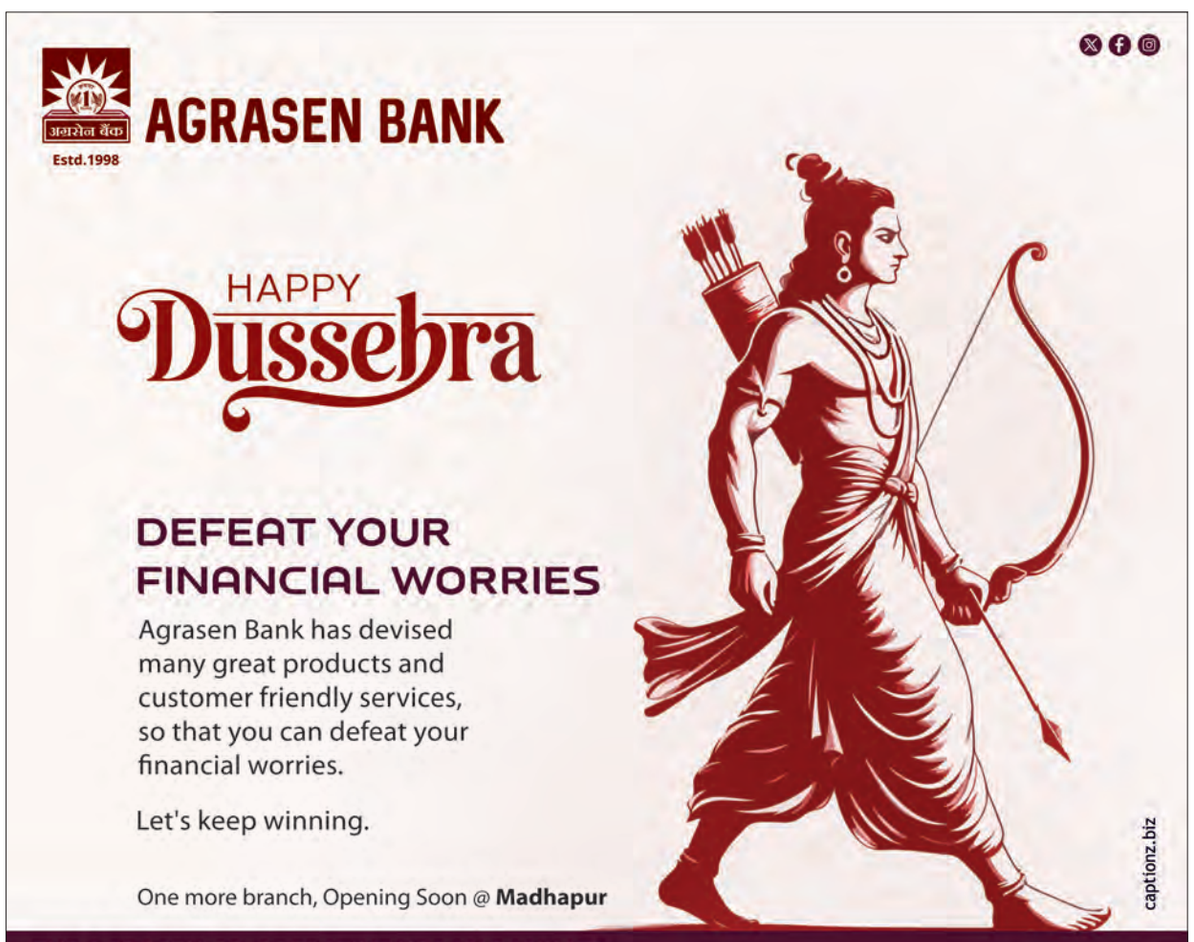

विधायक से पंगा लेने वाले भिंड कलेक्टर का 33 दिन में ट्रांसफर, समर्थकों ने जमकर फोड़े पटाखे

भिंड, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव का तबादला हो गया है। विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह से विवाद के 33 दिन बाद यह फैसला आया। अब उन्हें लोक निर्माण विभाग का अपर सचिव बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने यह आदेश जारी किया। उनके तबादले के बाद विधायक समर्थकों ने देर रात आतिशबाजी कर जश्न मनाया। दरअसल, यह विवाद 27 अगस्त को शुरू हुआ था। विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह किसानों के साथ कलेक्टर बंगले पर पहुंचे थे। वे खाद्य संकट को लेकर बात करने आए थे।

वहां कलेक्टर और विधायक के बीच जमकर हंगामा हुआ। विवाद के दौरान भिंड विधायक ने कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को 'चोर' कहा। उन्होंने कलेक्टर को मारने के लिए मुक्का भी तान दिया था। वहीं, कलेक्टर ने भी अचानक कहा था, 'जिले में अवैध रेत नहीं चलने दूंगा।' इसके बाद दोनों के बीच विवाद और गहरा गया। यह मामला मीडिया की सुर्खियां बना।

बीजेपी आलाकमान ने विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह को भोपाल बुलाया था। हालांकि, विधायक को भोपाल बुलाने के बाद भी कलेक्टर और विधायक के बीच तल्खी बनी रही। वे अक्सर सरकारी कार्यक्रमों में साथ दिखते थे, लेकिन उनके बीच की कड़वाहट साफ नजर आती थी। मंगलवार रात को सामान्य प्रशासन मंत्रालय ने आईएएस अफसरों के तबादलों की लिस्ट जारी की। इस लिस्ट में भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव का नाम भी था। उन्हें भिंड से हटाकर प्रदेश में एक बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। अब वे लोक निर्माण विभाग के अपर सचिव होंगे। इधर, कलेक्टर के तबादले की खबर सुनते ही विधायक समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई।

तमिलनाडु सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंची

पुराने शिक्षकों पर टीईटी लागू करने के आदेश को चुनौती

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल की है। राज्य ने 1 सितंबर को आए उस आदेश पर सवाल उठाया है, जिसमें अदालत ने कहा था कि जिन शिक्षकों की सेवा में पांच साल से अधिक शेष है, उन्हें दो साल के भीतर टीईटी पास करना अनिवार्य होगा।

पुराने शिक्षकों पर भी लागू कर दिया गया आदेश

तमिलनाडु सरकार का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस शर्त को गलत तरीके से उन शिक्षकों पर भी लागू कर दिया है, जिन्हें 2010 से पहले नियुक्त किया गया था। सरकार ने दलील दी कि आरटीई अधिनियम की धारा 23(1) केवल भविष्य की नियुक्तियों से जुड़ी है। वहीं धारा 23(2) प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी होने पर केंद्र सरकार को अस्थायी छूट देने का अधिकार देती है। इसलिए पांच साल में योग्यता हासिल करने की बाध्यता केवल उन्हीं पर लागू होनी चाहिए जिन्हें छूट की अवधि में नियुक्त किया गया हो, न कि उन पर जो पहले ही वैध रूप से नियुक्त हो चुके हैं।

शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा असर

राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि वर्तमान में तमिलनाडु में कुल 4,49,850 सरकारी शिक्षक कार्यरत हैं। इनमें से 3,90,458 शिक्षक टीईटी योग्य नहीं हैं। अगर इनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं तो लाखों बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी। सरकार का कहना है कि यह न केवल शिक्षा का अधिकार (टीईटी) का उल्लंघन होगा बल्कि पूरी राज्य की शिक्षा व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी।

याचिका में क्या कहा गया है?

तमिलनाडु ने याचिका में कहा है कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना एक वैध उद्देश्य है, लेकिन पहले से नियुक्त पुराने शिक्षकों पर टीईटी की शर्त लागू करना "स्पष्ट रूप से अनुपातहीन" कदम है। राज्य ने सुझाव दिया है कि इसके बजाय इन-सर्विस ट्रेनिंग, रिफ्रेशर कोर्स और ब्रिजिंग प्रोग्राम जैसे विकल्प अपनाए जाएं। इससे शिक्षकों की आजीविका और बच्चों की पढ़ाई दोनों सुरक्षित रहेंगे।

सुप्रीम कोर्ट से क्या है मांग?

याचिका में राज्य ने स्पष्ट करने की मांग की है कि पांच साल की टीईटी अनिवार्यता केवल 1 अप्रैल 2010 के बाद नियुक्त हुए शिक्षकों पर लागू होनी चाहिए। तमिलनाडु सरकार का तर्क है कि पुराने शिक्षकों को इस दायरे में लाना न्यायसंगत नहीं है और इससे शिक्षा व्यवस्था गहरे संकट में पड़ जाएगी।

हाइवे के पास बने होटल में घुसी कार सामने आया सीसीटीवी वीडियो

खेड़ा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में खेड़ा के पास हाईवे के किनारे बने एक होटल में अचानक कार घुस गई। कार के घुसने से होटल में बैठे लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। सभी लोगों ने कार को चारों तरफ से घेर लिया। हालांकि, कार बेहद धीमी गति से होटल के अंदर आई थी। इस वजह से कोई खास नुकसान नहीं हुआ। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है

कि कार होटल के प्रवेश द्वार से पूरी गति से सीधे ऊपर की ओर जाती है। यह घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाईवे पर स्थित इस होटल में दुर्घटना का कारण बनने वाली कार की पहचान खेड़ा सिविल अस्पताल के एक डॉक्टर के कार की हुई। घटनास्थल पर कोई हताहत नहीं हुआ और होटल को कोई नुकसान नहीं हुआ, इसलिए अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर इस होटल में सभी लोग बैठे होते और यह कार अंदर घुस जाती, तो जान-माल का कितना नुकसान हो सकता था।

गुजरात के राजकोट जिले में पांच महीने पहले कार चालक की लापरवाही से बड़ा हादसा हुआ था। यहां दो कार की भिड़त के बाद आग लग गई थी, जिसमें तीन लोगों की झुलसकर मौत हो गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया था कि कार में आठ लोग सवार थे। अधिकारी ने बताया कि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जबकि तीन वर्षीय एक बच्ची लापता हो गई थी। अजी धाम पुलिस थाने के अधिकारी के अनुसार यह घटना राजकोट को भावनगर से जोड़ने वाले स्टेट हाइवे पर स्थित सरधार गांव के पास हुई थी। भिड़ंत में शामिल दोनों कारें आग लगने से क्षतिग्रस्त हो गईं थी।

जीई एयरोस्पेस ने एचएएल को सौंपी इंजन की चौथी यूनिट

एलसीए मार्क-1 ए लड़ाकू विमानों में होगा इस्तेमाल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) एयरोस्पेस ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को जीई-एफ404-आईएन20 इंजन की चौथी यूनिट सौंप दी है। यह आपूर्ति 2021 में किए गए ऑर्डर के तहत की गई है। यह इंजन लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) मार्क 1ए में इस्तेमाल किया जाएगा, जिन्हें आने वाले समय में भारतीय वायुसेना में शामिल किया जाना है। जीई कंपनी को इस सौदे के तहत कुल 99 जीई-404 इंजन भारत को सौंपने हैं, जिसकी डिलीवरी चरणबद्ध तरीके से की जा रही है। तेजस मार्क-1ए को वायुसेना के पुराने मिग-21 लड़ाकू विमान की जगह लाने की योजना है। तेजस एक सिंगल-इंजन, मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है, जो हवाई रक्षा, समुद्री गश्त और हमले को अंजाम देने में सक्षम है। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास 31 स्क्वाड्रन हैं, जबकि अधिकृत संख्या 42 है। भारतीय वायुसेना के पुराने मिग-21 लड़ाकू विमान अब पूरी तरह से सेवा से बाहर किए जा चुके हैं। उनकी जगह भारतीय तकनीक से बने तेजस विमानों को शामिल किया जाएगा। इससे देश की रक्षा तैयारियों में मजबूती आएगी और दुश्मन देशों को स्पष्ट संदेश जाएगा कि भारत अब पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

इस परियोजना से देशभर की छोटी और मझली रक्षा कंपनियों (एसएमई) को भी बड़ा कारोबार मिलेगा। भारत पहले से ही अपना स्वदेशी फाइटर जेट इंजन विकसित करने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए भारत की साझेदारी फ्रांस की कंपनी सफरान से की जा रही है। लक्ष्य है कि आने वाले समय में भारत को किसी विदेशी कंपनी पर निर्भर न रहना पड़े।

बच्चों में विटामिन और जिंक की कमी, 24.5 फीसदी की उम्र के साथ नहीं बढ़ रही लंबाई

चंडीगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के बच्चों में जिंक और विटामिन की कमी है। इस वजह से उम्र के साथ उनकी लंबाई नहीं बढ़ रही है, जो चिंताजनक है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार पांच साल के तहत 24.5 फीसदी बच्चों की आयु के साथ लंबाई नहीं बढ़ रही है, जिस कारण बौनापन एक बढ़ी समस्या बन गई है। इसी तरह 10.6% बच्चों का वजन भी लंबाई के साथ नहीं बढ़ रहा है।

पिछले कुछ समय से कुपोषण की समस्या गंभीर रूप धारण करती जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार एक से चार साल तक के बच्चों के सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए। 17.2% बच्चों में विटामिन ए और 52.1% बच्चों में विटामिन डी की कमी पाई गई है। इसी तरह 21% बच्चों में जिंक की कमी भी सामने आई है। इसी तरह कम आयरन भी एक बड़ी समस्या है, जो बच्चों के विकास में बाधा बन रहा है। इस कारण बच्चों की लंबाई और वजन उम्र के साथ नहीं बढ़ पा रहा है। उम्र के हिसाब से कम वजन वाले बच्चे, उम्र के हिसाब से मानक वजन वाले बच्चों की तुलना में विभिन्न संक्रमणों के प्रति संवेदनशील होते हैं। इसी तरह आयु के साथ कम वजन की समस्या भी बच्चों में आम है, जिसका 16.9% बच्चे शिकार हैं।

प्रदेश में कम वजन ही समस्या बच्चों में ज्यादा हैं, जबकि अधिक वजन की समस्या इतनी नहीं है। सिर्फ 4.1 बच्चों में ही लंबाई के साथ अधिक वजन की समस्या है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार 1 साल के लड़के का वजन लगभग 9.6 किलो और लड़की का 8.9 किलो होना चाहिए। 2 साल के बच्चों के लिए लड़कों का वजन 12.3 किलो और लड़कियों का 11.8 किलो हो सकता है। 3साल के बच्चों में लड़कों का वजन 14.6 किलो और लड़कियों का 14.1 किलो तक होना चाहिए।

पश्चिम बंगाल के तीन युवकों को आजीवन कारावास

जिहादी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप

राजकोट, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजकोट की एक अदालत ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के तीन युवकों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इन पर सरकार के खिलाफ साजिश करने और जिहादी प्रचार के जरिए युवाओं को रेडिकलाइज (करने का आरोप लगाया गया था। आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ-साथ कोर्ट ने हर एक आरोपी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाने का भी आदेश दिया। आजीवन कारावास की सजा पाए गए आरोपियों की पहचान अमन सिराज मलिक (23), अब्दुल शकूर अली शेख (20), और शफनवाज अबू शाहिद (23) के रूप में हुई है, जिन्हें कोर्ट ने दोषी ठहराया। आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ-साथ कोर्ट ने हर एक आरोपी पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाने का भी आदेश दिया। गुजरात के एटीएस ने आरोपी को जुलाई 2023 में गिरफ्तार किया था।

एटीएस को सूचना मिली थी कि वे राजकोट के सोनी बाजार स्थित एक नकली आभूषण कारखाने में कारीगर के रूप में काम करते थे और एक स्थानीय मस्जिद से जिहादी और राष्ट्र-विरोधी दुष्प्रचार कर रहे थे। एटीएस ने बताया कि ये आरोपी बांग्लादेश के अलकायदा के हैंडलर के संपर्क में भी थे। ये सभी आरोपी उन लोगों के इशारों पर काम करते थे। खुफिया जानकारी के आधार पर, एटीएस ने उनमें से दो को राजकोट रेलवे स्टेशन से और तीसरे आरोपी को एक रिहायशी इमारत से गिरफ्तार किया था। एटीएस के अनुसार, आरोपियों के पास से एक देसी पिस्तौल, कारतूस और आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद एटीएस ने बताया था कि ये आरोपी बांग्लादेश वाले अपने हैंडलर से बात एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप का इस्तेमाल करके करते थे। इसके जरिए बांग्लादेश में बैठा हैंडलर उन्हें काम करने के निर्देश देता था।

एटीएस ने कहा था कि बांग्लादेशी हैंडलर ने आरोपियों को 'जिहाद' और 'हिजरत' के लिए प्रेरित किया और उन्हें दूसरे लोगों को भी इस विचारधारा में शामिल होने के लिए कहा था। राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के साथ-साथ अपराधों में भी शामिल था।

कौन हैं ये 47 लाख मतदाता? बिहार की वोटर लिस्ट पर कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के बाद मंगलवार को वोटर लिस्ट जारी की है, जिसमें कुल 7.42 करोड़ मतदाता शामिल हैं। इस मतदाता सूची से लगभग 47 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए हैं। मतदाता सूची में काटे गए नामों को लेकर सियासी बबाल मच गया है। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी ने सोशल मीडिया के जरिए आयोग से सवाल किया।

उन्होंने कहा कि बिहार की अंतिम मतदाता सूची से हटाए गए 47 लाख मतदाता कौन हैं? कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची से हटाए गए 47 लाख नामों का ब्रेकअप देना चाहिए। उन्होंने कहा कि आयोग को बताना चाहिए कि इस सूची में शामिल कितने लोग मृत हैं और कितने लोग दूसरे राज्यों में चले गए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि चुनाव आयोग को अपनी विश्वसनीयता दोबारा हासिल करने के लिए यह करना जरूरी है। बिहार की मतदाता सूची चुनाव आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। हाल ही में पब्लिश हुई इस मतदाता सूची में राज्य में लगभग 7.42 करोड़ मतदाता हैं,

जिसमें 47 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं और लगभग 21 लाख योग्य नामों को जोड़ा भी गया है। इसमें नए वोटर्स भी शामिल हैं। चुनाव आयोग ने यह प्रक्रिया 24 जून को शुरू की थी और 30 सितंबर तक चली, जिसके बाद आयोग ने इसे अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। विपक्षी दलों ने हटाए गए नामों को लेकर चुनाव आयोग की तीखी आलोचना की है।

करूर भगदड़- सरकार ने हादसे के वीडियो जारी किए

डिप्रेशन में गए विजय की पार्टी के कार्यकर्ता ने फंदे से लटक कर जान दी

चेन्नई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने 27 सितंबर को एक्टर विजय की रैली से जुड़े वीडियो जारी किए हैं। सरकार का दावा है कि रैली के दौरान नियमों का उल्लंघन किया गया। रैली में अनुमान से दोगुनी भीड़ पहुंची, जिससे भारी अव्यवस्था और परेशानियां हुईं। करूर में एक्टर विजय की रैली में मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी। 51 लोग अब भी आईसीयू में हैं। इधर, भगदड़ के बाद डिप्रेशन में गए टीवीके के कार्यकर्ता अयप्पन ने फंदे से लटक कर जान दे दी है। विल्लुपुरम जिले के टीवीके पदाधिकारी ने आत्महत्या कर ली। अय्यप्पन के पास से सुसाइड नोट भी मिला है। 51 साल के अय्यपन ने लिखा, जब विजय करूर आए थे, तब पर्याप्त पुलिस नहीं थी। विजय के प्रशंसकों ने अच्छा काम किया। यह हादसा सेंथिल बालाजी की वजह से हुआ। पुलिस भी इसमें शामिल है। उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार करके जेल भेजा जाना चाहिए।

भगदड़ के 2 दिन बाद एक्टर विजय थलपति ने मंगलवार को एक वीडियो जारी किया। इसमें विजय ने कहा, क्या सीएम स्टालिन बदला लेने की कोशिश कर रहे हैं।

हमने कुछ गलत नहीं किया। अगर बदला लेना है तो मेरे पास आओ। मैं घर में मिलूंगा या ऑफिस में। मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मैं सीएम से अपील करता हूं कि कृपया मेरी पार्टी के पदाधिकारियों को नुकसान न पहुंचाएं। विजय ने कहा, जल्द ही, हर सच्चाई सामने आ जाएगी। मुझे इस घटना पर खेद है।

हम राजनीतिक यात्रा पर हैं। इस पर हम मजबूती और हिम्मत से आगे बढ़ेंगे। तमिलनाडु पुलिस ने करूर भगदड़ केस में अब तक 3 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें टीवीके के जिला सचिव वीपी माथिय्यालगन और पदाधिकारी पौनराज और एक यूट्यूबर शामिल है। कोर्ट ने पौनराज और माथिय्यालगन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पौनराज पर भगदड़ केस के मुख्य आरोपी माथिय्यालगन को शरण देने का आरोप है। यूट्यूबर और पत्रकार फेलिक्स गेराल्ड को 30 सितंबर को अरेस्ट किया गया। गेराल्ड पर अफवाहें फैलाने का आरोप है।

3 दिन के नवजात को ले गए जंगल मरने के लिए छोड़ा और भाग गए

छिंदवाड़ा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में दंपति ने नौकरी बचाने की खातिर अपने ही तीन दिन के मासूम बच्चे को मार डालने की कोशिश की। उसे जंगल लेकर गए। फिर पत्थर के नीचे दबा दिया। मगर वो कहावत तो आपने सुनी ही होगी- जाको राखे साईंयां, मार सके ना कोय। यहां ये कहावत चरितार्थ होते दिखी। गांव वालों की नजर बच्चे पर पड़ी और उन्होंने उसकी जान बचा ली।

पुलिस ने आरोपी कपल पर कार्रवाई की है। जांच में सामने आया कि दंपति ने सरकारी नौकरी बचाने के लिए अपने तीन दिन के मासूम को मरने के लिए जंगल में छोड़ दिया। यह आरोपी दंपति की चौथी संतान थी। मासूम की किलकारी सुनकर राहगीरों ने उसे बचा लिया। फिर गंभीर हालत में बच्चे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उसका उपचार जारी है। मामला धनोरा चौकी अंतर्गत ग्राम नांदनवाड़ी का है।

पुलिस ने आरोपी पिता बबलू डांडोलिया और मां राजकुमारी डांडोलिया, निवासी ग्राम सिधौली थाना तामिया को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही आगे की कार्रवाई की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी पिता बबलू डांडोलिया, नांदनवाड़ी प्राथमिक शाला में वर्ग-3 शिक्षक के पद पर पदस्थ है। पहले से उसकी दो बेटियां और एक बेटा है। हाल ही में चौथी संतान के रूप में बेटा हुआ था। नौकरी जाने का डर बताते हुए आरोपी ने बच्चे को बोझ मानकर जंगल में पत्थरों के नीचे दबा दिया और पत्नी के साथ भाग गया।

राजस्थान में 'उड़ने वाली लोमड़ी' का आतंक?

इंसान के कद जितने पंखों वाले विशालकाय चमगादड़ की सच्चाई

भीलवाड़ा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शाहपुरा क्षेत्र के सुरली कल्याणपुरा गांव में शाम को ग्रामीणों ने एक विशालकाय चमगादड़ देखा। इसे उड़न लोमड़ या उड़ने वाली लोमड़ी के रूप में भी जाना जाता है। इसका चेहरा लोमड़ी जैसा था। इस चमगादड़ के पंखों की लंबाई सामान्य इंसान के कद तक यानी पंखों की चौड़ाई लगभग 5-6 फीट और लंबाई 3 फीट के करीब थी। ग्रामीणों ने इसका वीडियो बनाया और कई तस्वीरें खींचीं। आसपास के लोगों में उत्सुकता और कौतूहल का माहौल देखा गया। ग्रामीणों की सूचना पर जल्द ही भीलवाड़ा वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और चमगादड़ का निरीक्षण किया। डीएफओ गौरव गर्ग ने बताया कि यह चमगादड़ भारतीय उपमहाद्वीप में पाया जाता है और यह मनुष्यों के लिए खतरनाक नहीं है। हालांकि, इसकी बड़ी आंखें, नुकीले दांत, तीखे कान और पंखों जैसे पंजे देखकर एक बार चौंकना स्वाभाविक है। यही वजह रही कि इस चमगादड़ को लेकर लोगों में भारी कौतूहल देखने को मिला। डीएफओ गौरव गर्ग के अनुसार, यह चमगादड़ फ्लाइंग फॉक्स कहलाता है। इसका वजन डेढ़ से 2 किलोग्राम के बीच होता है। जब यह उड़ता है, तो दोनों पंख फैलकर दो-दो फीट की लंबाई में दिखाई देते हैं, जिससे यह नजारा कभी-कभी डरावना लग सकता है। चमगादड़ मुख्य रूप से रात में सक्रिय होते हैं और फूलों का रस तथा फल खाते हैं।

इससे किसानों की फसल में परागण की प्रक्रिया में मदद मिलती है। वन विभाग ने ग्रामीणों और आम जनता से अपील की है कि इस विशालकाय चमगादड़ से डरने की जरूरत नहीं है। यह हिंसक प्राणी नहीं है और मानव जीवन के लिए कोई खतरा नहीं पैदा करता। यदि चमगादड़ किसी बीमारी से प्रभावित हो जाए, तब ही वायरस फैलने की संभावना होती है, लेकिन सामान्य परिस्थितियों में यह सुरक्षित और पर्यावरण के लिए लाभकारी प्राणी है।

दिल्ली के फ्लाइओवर पर हुई दर्दनाक घटना में पुलिस खाली हाथ, तीन जिंदगियां छीनने वाले कब होंगे गिरफ्तार?

नईदिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाहरी दिल्ली में मुकुंदपुर हिट-एंड-रन मामले में 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ खाली है। इस मामले में आरोपी कार चालकों व कारों का पुलिस पता नहीं लगा सकी है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हैं। ऐसे में घटनास्थल से लेकर करीब पांच किलोमीटर तक पुलिस सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। अभी तक कोई खास कामयाबी नहीं मिल सकी है। वहीं, घटनास्थल के आसपास रेत व पत्थर के टुकड़े भी मिले हैं। पुलिस को शक है कि पहले बाइक का पहिया पत्थर या रेत पर गया हो, फिर संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिरे हों, जिसके बाद उनके ऊपर से कोई वाहन गुजरा हो।

13 गाय और 24 बछड़े हुए गायब, तो जम्मू-कश्मीर के पूर्व मेयर पर दर्ज हुआ मुकदमा

जम्मू, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगर निगम के पूर्व महापौर और वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्र मोहन गुप्ता समेत 10 लोगों के खिलाफ जम्मू कश्मीर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। गुप्ता समेत सभी पर आरोप है कि इन सभी ने 13 गायों और 24 बछड़ों को गायब कराया है, साथ ही ये भी आरोप है कि गौशाला के धन का भी इन्होंने दुरुपयोग किया है। इन मामलों को लेकर पुलिस ने सोमवार को बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बीएनएस धाराओं के तहत किसी भी जानवर को मारने, जहर देने, अपंग बनाने या बेकार करने जैसे आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी और शरारत से संबंधित मामलों में मुकदमा दर्ज किया हैं। पुलिस द्वारा दर्ज किए गए मामले को गुप्ता ने सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि यह मामला राजनीति से प्रेरित है तथा उनकी छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा है। यह मामला जम्मू की प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (मुंसिफ) रेखा शर्मा के निर्देश पर हरे कृष्ण गौशाला चैरिटेबल ट्रस्ट के महासचिव रोहित बाली की शिकायत पर दर्ज किया गया है।

गौशाला में चल रही अवैध गतिविधियों की मिली थी रिपोर्ट

शिकायतकर्ता ने इस मामले को लेकर बताया कि हरे कृष्ण गौशाला चैरिटेबल ट्रस्ट के महासचिव के तौर पर वह 25 गायों और 24 बछड़ों की खरीद समेत इसके कामकाज का प्रबंधन करते रहे थे। उन्होंने बताया कि बाद में उपायुक्त के आदेश पर गौशाला को प्रशासन ने अपने नियंत्रण में ले लिया। उन्होंने दावा किया कि इसके बाद उन्हें गौशाला में चल रही अवैध गतिविधियों की रिपोर्ट मिली, जिनमें कथित तौर पर गुप्ता और कुछ अन्य लोग शामिल थे। जिनमें गायों और उनके बछड़ों का गायब होना भी शामिल था। बाली ने दावा किया कि इसके बाद उन्होंने 19 मार्च 2024 को जम्मू खास के तहसीलदार से संपर्क कर मामले की जांच की मांग की। उनकी शिकायत के बाद तहसीलदार ने गौशाला का दौरा किया और 23 मार्च, 2024 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट में पूर्व महापौर समेत अन्य लोगों द्वारा गौशाला के प्रबंधन में किए जा रहे धन के कथित गबन और हस्तक्षेप का मामला उजागर हुआ। इस मामले को लेकर तहसीलदार ने जम्मू के मुख्य पशुपालन अधिकारी से भी गायों की स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है।

अधिकारी ने 6 जुलाई 2024 की अपनी रिपोर्ट में बताया कि 13 गायें और 24 बछड़े गायब पाए गए। इसके बाद शिकायतकर्ता ने दावा किया कि वह बख्शी नगर पुलिस थाने में शिकायत लेकर गया, लेकिन एसएचओ ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके बाद शिकायतकर्ता ने अदालत का रुख किया, जिसके बाद एसएचओ को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया गया।

एनआईए का बड़ा खुलासा, राजनीतिक संगठन बनाकर कर रहे थे नक्सलियों की मदद

सरकार के खिलाफ प्रदर्शन का मुख्य काम

रायपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में माओवादी गतिविधियों बढ़ाने के लिए काम करने वालों को लेकर एनआईए ने बड़ा खुलासा किया है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) की आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने से जुड़े एक मामले में चार और आरोपियों के खिलाफ पूरक आरोपपत्र दायर किया है। इनमें से तीन आरोपी-सुनीता पोटाम, शंकर मुचाकी और दशरथ उर्फ दसरू मोडियाम-भाकपा (माओवादी) के लिए काम करते थे। इन्होंने एक मूलवासी बचाओ मंच (एमबीएम) के पदाधिकारी थे और इस संगठन की आड़ में नक्सलियों की मदद कर रहे थे।

एनआईए ने बताया कि इन तीन को पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपपत्र में नामजद चौथा आरोपी मल्लेश कुंजम, एक सशस्त्र माओवादी कैडर है और अब भी फरार है। छत्तीसगढ़

सरकार ने पिछले साल अक्टूबर में छत्तीसगढ़ विशेष जन सुरक्षा अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के तहत एमबीएम पर प्रतिबंध लगा दिया था। आरोपपत्र में नामज़द सभी चार आरोपी माओवादियों के लिए धन संग्रह, भंडारण और वितरण जैसी गतिविधियों में शामिल थे।

संगठन ने इसका इस्तेमाल लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार और राज्य में चल रही विकास गतिविधियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए किया। बयान में कहा गया है कि इस अवैध धन को एमबीएम जैसे मुखौटा संगठनों के माध्यम से प्रसारित किया जा रहा था। इस मामले में अब तक कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि फरार मल्लेश सहित सात आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है।

एनआईए का यह मामला 2023 में छत्तीसगढ़ में बीजापुर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से उत्पन्न हुआ है। मई, 2023 में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिला पुलिस ने एमबीएम के दो मददगारों गजेंद्र माडवी और लक्ष्मण कुंजाम को गिरफ्तार किया था और उनके पास से छह लाख रुपये जब्त किए थे जो दो हजार रुपये के बंद हो चुके नोटों में थे। बयान में कहा गया है कि वे भाकपा (माओवादी) नेताओं के कहने पर विभिन्न बैंक खातों में धनराशि जमा करने जा रहे थे, तभी उन्हें पकड़ लिया गया।

बाद में, बीजापुर पुलिस ने नवंबर 2023 में दोनों आरोपियों, गजेंद्र माडवी और लक्ष्मण कुंजाम के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया। एनआईए ने पिछले साल फरवरी में मामले की तफ्तीश अपने हाथ में ली थी। उसने इस साल अगस्त में पहला पूरक आरोपपत्र दायर किया। गजेंद्र और लक्ष्मण के खिलाफ नए आरोपपत्र दायर किए गए हैं और एक अन्य गिरफ्तार आरोपी रघु मिडियामी पर भी उस आरोपपत्र में आरोप लगाए गए।

झारखंड जीएसटी धोखाधड़ी सिंडिकेट पर ईडी का शिकंजा

15 .41 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां जब्त

रांची, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रांची क्षेत्रीय कार्यालय ने बड़े पैमाने पर हुए जीएसटी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) धोखाधड़ी मामले में अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 29 सितंबर 2025 को कोलकाता और हावड़ा में 15.41 करोड़ मूल्य की 10 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। इस कार्रवाई के साथ, इस मामले में कुल कुर्की की गई संपत्ति का मूल्य अब बढ़कर लगभग 20.70 करोड़ हो गया है। ईडी के अनुसार, जब्त की गई ये संपत्तियां जीएसटी धोखाधड़ी सिंडिकेट के मुख्य आरोपी अमित गुप्ता और उसके सहयोगियों से जुड़ी हुई हैं। ईडी ने यह जांच जीएसटी खुफिया महानिदेशालय, जमशेदपुर द्वारा दर्ज शिकायतों के आधार पर शुरू की थी। यह आपराधिक गिरोह शिव कुमार देवड़ा, और अमित अग्रवाल उर्फ विक्की भालोटिया की ओर से चलाया जा रहा था।

बिजली गिरने से 4 की मौत

गरियाबंद में 2 महिला, रायगढ़ में 2 युवकों की गई जान, पेड़ के नीचे खड़े थे, 28 जिलों में अलर्ट

रायपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई है। गरियाबंद जिले में 2 महिलाओं और रायगढ़ जिले में 2 युवकों ने दम तोड़ दिया। गरियाबंद जिले के देवभोग थाना क्षेत्र के डोहल गांव में हादसा हुआ। डीलेश्वरी दुर्गा (43) और सूरजो बाई (60) की मौके पर मौत हो गई।

दोपहर लगभग ढाई बजे अचानक मौसम बदला और बादल गरजने लगा। बारिश से बचने तीन महिलाएं बरगद पेड़ के नीचे आ गईं। इस दौरान एक के सीने में तो दूसरे के सिर पर बिजली गिरी। वहीं गर्भवती महिला के पांव में करंट का आभास हुआ। गर्भवती महिला का इलाज जारी है।

रायगढ़ के छाल क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से दो युवकों की मौत हो गई। मृतक आकाश किडो (19) और आकाश लिकन केरकेट्टा (19), गंजाईपाली मांझापार के निवासी थे। दोनों युवक मंगलवार को बकरी चराने जंगल की ओर गए थे। इस दौरान मौसम बिगड़ने लगा और बारिश शुरू हो गई। बचाव के लिए वे महुआ के एक पेड़ के नीचे खड़े हो गए, तभी बिजली गिर गई और दोनों उसकी चपेट में आ गए।

इस हादसे में तीन बकरियों की भी मौके पर ही मौत हो गई। देर शाम तक जब दोनों युवक घर नहीं लौटे, तब परिजन और ग्रामीण उन्हें खोजने निकले। इसके बाद घटना की जानकारी छाल पुलिस को दी गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है और आगे की कार्रवाई जारी है।

बता दें कि मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों तक तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। बंगाल में बन रहे लो प्रेशर एरिया के कारण प्रदेश में वर्षा की तीव्रता बढ़ सकती है। दशहरे पर भी बारिश की संभावना बनी हुई है।

आज दुर्ग, रायपुर, महासमुंद और बलौदाबाजार को छोड़कर राज्य के बाकी सभी जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं 28 जिलों में आज गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और आंधी चलने की चेतावनी दी गई है।

बीते 24 घंटों के दौरान राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा नारायणपुर में 20 मिमी दर्ज की गई।

रायपुर में मंगलवार सुबह से तेज धूप और उमस ने लोगों को परेशान किया। हालांकि, दोपहर बाद बादल छाने लगे और कुछ इलाकों में तेज बारिश देखने को मिली। इसके बाद देर रात गरज-चमक के साथ कई इलाकों में फिर बारिश हुई।

प्रदेश में अब तक 1167.4 मिमी औसत बारिश हुई है। बेमेतरा जिले में अब तक 524.5 मिमी पानी बरसा है, जो सामान्य से 50% कम है। अन्य जिलों जैसे बस्तर, राजनांदगांव, रायगढ़ में वर्षा सामान्य के आसपास हुई है। जबकि बलरामपुर में 1520.9 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य से 52% ज्यादा है।

झारखंड में बदल रहा मौसम का मिजाज

4 अक्टूबर तक रोजाना बारिश, दशहरा में भी भीगेंगे लोग, बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम

रांची, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में अक्टूबर की शुरुआत बारिश के साथ होने वाली है। अंडमान सागर में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन से बंगाल की खाड़ी के मध्य हिस्से में 1 अक्टूबर को निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। मौसम विभाग का कहना है कि यह सिस्टम धीरे-धीरे मजबूत होकर 2 अक्टूबर को पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम खाड़ी तक पहुंचेगा।

इसके बाद यह गहराते हुए डिप्रेशन का रूप ले सकता है। अनुमान है कि 3 अक्टूबर को यह पश्चिम-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगा और दक्षिण ओडिशा तथा उत्तर आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों को पार करेगा। इस पूरे सिस्टम का असर झारखंड में देखने को मिलेगा, जिसके चलते राज्यभर में बारिश का दौर शुरू होगा।

राजधानी रांची और आसपास के जिलों में 1 अक्टूबर को बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। वज्रपात का भी खतरा रहेगा। दिनभर में एक से दो दौर की हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, 2 अक्टूबर को राज्य के ज्यादातर हिस्सों में गर्जन के साथ बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने इस दौरान लोगों को सतर्क रहने और अनावश्यक रूप से खुले में न निकलने की सलाह दी है। इस बार दशहरे का जश्न बारिश के बीच मनाया जाएगा। मौसम विभाग का कहना है कि रावण दहन के दिन यानी 2 अक्टूबर को रांची में दोपहर से शाम तक दो से तीन दौर की मध्यम बारिश हो सकती है। इसके बाद 3 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दिन भी झमाझम बारिश का अनुमान है। इससे पर्व की तैयारियों और आयोजन में परेशानी आ सकती है। भीगते हुए लोग दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन में शामिल होंगे।

3 और 4 अक्टूबर को राज्य में बारिश का दौर और तेज होगा। संथाल परगना के देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज और जामताड़ा में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। रांची सहित मध्य और उत्तरी जिलों में भी भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। इससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

4 अक्टूबर तक मौसम पूरी तरह बदला हुआ रहेगा। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के कारण राज्य में लगातार बारिश की संभावना जताई गई है, जिसका असर तापमान पर भी साफ दिखेगा।

खेत में मिली पति-पत्नी की लाश

बिलासपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पति-पत्नी की संदिग्ध हालत में लाश मिली है। पत्नी का शव खेत के मेड़ पर पड़ा मिला, जबकि पति का शव पेड़ पर फांसी के फंदे से लटकता मिला है। पुलिस ने पत्नी की हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका जताई है। पुलिस को पत्नी के जहर खाने की भी आशंका है। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है। मृतकों की पहचान अमित इंदुआ (29) और पत्नी अंजू इंदुआ (25) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, दोनों मंगलवार की रात दुर्गा दर्शन के लिए निकले थे। लौटने के बाद बच्चों को सुलाकर घर से बाहर चले गए। सुबह खेत में दोनों की लाश मिली। स्थानीय लोगों के अनुसार अमित शराब पीने का आदी था। पिछले कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच आपसी विवाद चल रहा था। पुलिस को यह भी आशंका है कि अंजू ने जहर खा लिया होगा।

छत्तीसगढ़ में 2000 जगह हिंदू सम्मेलन करेगा आरएसएस

50 लाख घरों तक पहुंचेगा, जेन जेड को जोड़ने युवा सम्मेलन, 3 लाख स्वयंसेवकों का पथ संचलन

रायपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने 100 वर्ष पूरे कर लिए हैं। छत्तीसगढ़ में संघ की नींव 1929 में रायपुर के तिलक नगर में रखी गई थी। आज प्रदेश में संघ की 1855 सक्रिय शाखाएं हैं, जो 1460 स्थानों पर संचालित हो रही हैं।

इस विजयादशमी (2 अक्टूबर) से लेकर अगली विजयादशमी तक संघ शताब्दी वर्ष मना रहा है। इस दौरान देशभर में 7 प्रमुख कार्यक्रम चलेंगे। छत्तीसगढ़ में इसके तहत 100 गांवों में नई शाखाएं, 50 लाख घरों तक संपर्क और 3 लाख गणवेशधारी स्वयंसेवकों के पथ संचलन का लक्ष्य रखा गया है। पथ संचलन 15 नवंबर तक चलेगा। सबसे अहम बात यह है कि संघ छत्तीसगढ़ में 2000 से अधिक स्थानों पर हिंदू सम्मेलन करेगा। इसके साथ युवा सम्मेलन और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मीट के जरिए जेनरेशन जेड को संगठन से जोड़ने की योजना है।

प्रांत संघ चालक टोप लाल वर्मा ने बताया कि इस शताब्दी वर्ष में संघ ऐसे वर्गों तक पहुंचना चाहता है, जो आरएसएस को जानते तो हैं लेकिन अब तक जुड़ नहीं पाए हैं।

विजयादशमी उत्सव: मंडल और बस्ती स्तर पर गण-वेशधारी स्वयंसेवक और उनके परिवारों की भागीदारी। देशभर में 2 अक्टूबर से, बंगाल में महालय से शुरुआत। रायपुर में लगभग 12,000 गण-वेशधारी स्वयंसेवक को पथ संचलन में शामिल करने का लक्ष्य रखा गया है।

गृह संपर्क अभियान: नवंबर 2025 से जनवरी 2026 तक तीन सप्ताह बड़े पैमाने पर घर-घर संपर्क अभियान चलेगा। इसका विषय होगा – "हर गांव, हर बस्ती, घर-घर"। संपर्क के दौरान स्वयंसेवक 15 मिनट तक संघ के कार्यों के बारे में परिवार के सदस्यों को बताएंगे।

संघ साहित्य का वितरण और भारत मां का चित्र भेंट में देंगे। इन्हीं तीन महीनों में छत्तीसगढ़ में 50 लाख घरों तक पहुंचने का लक्ष्य संघ ने रखा है।

जन गोष्ठी: जगह-जगह पर जन गोष्ठी की जाएगी। इसमें हर प्रोफेशन के लोगों को संघ अपने विचारों से जोड़ेगा। इस दौरान संघ ऑपरेशन सिंदूर, जनसंख्या नियंत्रण, और जाति जनगणना जैसे मुद्दे को उठाएगा।

हिंदू सम्मेलन: नगर और खंड स्तर पर सामाजिक वर्गों को जोड़ने वाले सम्मेलन। इससे पहले 1989 और 2006 में हुए थे। प्रदेश में ये हिन्दू सम्मेलन दो हजार जगहों पर होंगे। खासकर गांवों पर फोकस पर रहेगा।

सद्भाव बैठक: 1 माह प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता, संस्थाओं और संतों की सहभागिता सद्भाव बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसका उद्देश्य सांस्कृतिक आधार और हिन्दू चरित्र को बनाए रखते हुए आधुनिक जीवन जीने का संदेश देना होगा।

युवा सम्मेलन: इस युवा सम्मेलन के जरिए संघ जेन-जी को अपने साथ जोड़ना चाहता है। छत्तीसगढ़ में एक बड़ी इन्फ्लुएंसर्स मीट कराने की योजना भी संघ कर रहा है।

शाखा विस्तार: संघ एक साप्ताहिक शाखा सुबह और शाम की शाखाओं का देशभर में विस्तार करना चाहता है। 100 से अधिक गांवों में इस तरह की शाखा शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

डांडिया से लौट रहे युवक की मौत

एक युवक की मौके पर ही मौत दूसरा गंभीर रूप से घायल, रांची रेफर

चतरा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। चतरा जिले के इटखोरी थाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार दोनों युवक गरबा-डांडिया कार्यक्रम देखकर अपनी बाइक से लौट रहे थे।

इस दौरान कन्नौदी गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक अनियंत्रित होकर पास की दीवार से जा भिड़ी। हादसे में कन्नौदी निवासी दीपक भुइयां की मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथी गंगा भुइयां गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना इटखोरी थाना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल गंगा भुइयां को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इटखोरी में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें हजारीबाग रेफर कर दिया। हजारीबाग में भी जब उनकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया। फिलहाल गंगा भुइयां की हालत नाजुक बनी हुई है। उसका इलाज जारी है।

इटखोरी थाना पुलिस ने मृतक दीपक भुइयां के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया है। दीपक की मौत की खबर से गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

मां के लिव इन पार्टनर को बेटों ने मार-डाला

फावड़े–लाठी से किया हमला, दुर्ग में बिना शादी रिलेशनशिप में रह रहे थे, बच्चों को आपत्ति थी

दुर्ग-भिलाई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे पार्टनर की महिला के बेटों ने हत्या कर दी। बिना शादी किए ही दोनों साथ रह रहे थे। महिला अपने पति से कुछ समय पहले ही अलग हो गई थी। लेकिन बच्चों को इस रिश्ते पर आपत्ति थी। जिसे लेकर विवाद भी होता था।

इसी बीच मंगलवार देर रात गुस्से में आकर मां के पार्टनर पर बच्चों ने फावड़े से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गया, फिर घटना स्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान बलविंदर उर्फ बंटी के रूप में हुई है। घटना नंदिनी थाना क्षेत्र के अहिवारा वार्ड क्रमांक-3 की है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, अहिवारा की रहने वाली महिला कुछ समय पहले अपने पति से अलग हो गई थी। इसके बाद वह बलविंदर के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। साथ ही, बलविंदर की दूसरी महिला से करीबी को लेकर संदेह भी गहराता जा रहा था। जिसे लेकर बार-बार विवाद की स्थिति बन रही थी।

बलविंदर मिलने के लिए महिला के घर ही आता था। जिस पर बच्चों को एतराज था। उससे विवाद भी होता था। मंगलवार रात विवाद इतना बढ़ा कि महिला के दोनों बच्चों ने गुस्से में आकर बलविंदर पर हमला कर दिया। फावड़ा से किए गए हमले में बलविंदर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हत्या की सूचना मिलते ही नंदिनी पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। प्राथमिक जांच के बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर मृतका के पूर्व पति के दोनों बेटों को हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की जांच जारी है। त्रिलोचन ने फावड़े और भूपेश ने डंडे से वार कर दिया, जिससे बलविंदर की मौके पर ही मौत हो गई।

बस्तर में नक्सल पीड़ितों के परिवारों से मिलकर देखें

डेप्युटी सीएम ने डी राजा के बयान पर जताई आपत्ति

रायपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के अवसर पर कहा कि 2 अक्टूबर को आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस संगठन की स्थापना भारतीय समाज के मूल्यों को संरक्षित और मजबूत करने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा कि शताब्दी समारोह के मौके पर आरएसएस अपने लक्ष्यों को पूर्ण समर्पण के साथ हासिल करने के संकल्प को दोहराता है। उन्होंने सभी से इस महोत्सव में शामिल होने और देश के मान बिंदुओं के संवर्धन, संरक्षण और उन्नयन के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नक्सलवाद को लेकर डी राजा के बयान पर कड़ा ऐतराज जताया।

उन्होंने कहा कि डी राजा को उन परिवारों से मिलना चाहिए जिनके परिजनों की नक्सलियों ने सामूहिक हत्या की। खासकर बस्तर के आदिवासियों के साथ हुई क्रूरता को देखकर उन्हें वास्तविक स्थिति का अंदाजा होगा। बता दें कि छत्तीसगढ़ सरकार नक्सलवाद को खत्म करने के लिए कार्रवाई कर रही है और नक्सलवाद के खिलाफ लगातार मुहिम चल रही है। विजय शर्मा ने बताया कि 1700 से अधिक लोग मुख्यधारा में आ चुके हैं। 1600 से अधिक लोग गिरफ्तार हो चुके हैं, कई लोग मारे भी गए हैं। मूल विषय है कि इसकी जानकारी सबके बीच में होनी चाहिए, वैचारिक धरातल पर स्पष्ट होनी चाहिए। इसलिए पूरे अभियान हो रहे हैं। बिहार में एसआईआर के तहत मतदाता सूची की अंतिम सूची जारी होने पर शर्मा ने कहा कि यह कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ किया गया है।

पुलिस के पूछने पर बताया अंडा, निकला अवैध विदेशी शराब

दो तस्कर गिरफ्तार, भारी मात्रा में शराब बरामद, वाहनों की सघन जांच में पकड़े गए

पलामू, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू एसपी के निर्देश पर मनातू थाना पुलिस ने मंगलवार को अवैध विदेशी शराब तस्करी के एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की गई और दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। मनातू थाना को एक ग्रे रंग की मारुति सुजुकी इको कार से अवैध विदेशी शराब ले जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर, थाना प्रभारी निर्मल उरांव के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने मनातू थाना गेट के सामने बैरिकेडिंग लगाकर वाहनों की सघन जांच शुरू की।

संदिग्ध ग्रे रंग की मारुति सुजुकी इको कार को रोका गया। वाहन में चालक सहित एक अन्य व्यक्ति

मौजूद था। शुरुआती पूछताछ में अभियुक्तों ने वाहन के बीच के हिस्से में चादर से ढकी 14 पेटियों में अंडे होने का दावा किया, लेकिन जांच करने पर उनमें विदेशी शराब की सीलबंद बोतलें पाई गईं। अभियुक्त शराब की ढुलाई से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। पुलिस ने वाहन से कुल 14 पेटियां अवैध विदेशी शराब जब्त कीं। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान दीपक कुमार (31) निवासी कुसहा, थाना कांडी, जिला गढ़वा, और जितेंद्र कुमार गुप्ता (38), निवासी सिन्दुरिया, थाना भवनाथपुर, जिला गढ़वा के रूप में हुई है। इस संबंध में मनातू थाना में झारखंड उत्पाद शुल्क अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस अवैध व्यापार में संलिप्त अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी कर रही है।

पुलिस जवान ने सल्फास खाकर दी जान

वीडियो जारी कर कहा – झूठे आरोप लगा कराया निलंबित, डीएसपी ने कहा– काम के प्रति था लापरवाह

कोडरमा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां पुलिस लाइन में चालक पद पर कार्यरत जवान मंसूर आलम (42 वर्ष) ने सल्फॉस खाकर आत्महत्या कर ली। मृतक मंसूर आलम के पिता का नाम लियाकत अंसारी हैं।

जानकारी के मुताबिक बीती रात पुलिस लाइन बैरक में रहने वाले मंसूर ने अपने साथियों को फोन कर बताया कि उन्होंने जहर खा लिया है। इसके बाद साथी जवान तत्काल बैरक पहुंचे। उन्हें गंभीर हालत में सदर अस्पताल कोडरमा ले गए।

वहीं, प्रारंभिक इलाज के बाद स्थिति नाजुक देख डॉक्टरों ने उन्हें रांची रिम्स रेफर कर दिया। इलाज के दौरान मंसूर की मौत हो गई।

मृतक की पत्नी ने बताया कि मंसूर आलम पिछले कुछ समय से तनाव में थे। वे पिछले तीन महीनों से निलंबित चल रहे थे। चार महीने में दो बार निलंबन झेल चुके थे। आत्महत्या से पूर्व मंसूर ने एक वीडियो भी जारी किया था। इसमें उन्होंने जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह और डोमचांच थाना प्रभारी ओम प्रकाश यादव पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें निलंबित कराने की बात कही। वीडियो में उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनकी मौत के जिम्मेदार वही दोनों अधिकारी होंगे।

वीडियो में लगे आरोपों पर कोडरमा मुख्यालय डीएसपी रतिभान सिंह ने कहा कि मंसूर आलम कार्य के दौरान लापरवाह रहते थे। पहले जयनगर थाना में उनकी शिकायत आई थी कि वे शराब के नशे में ड्यूटी करते हैं। जांच में आरोप सही पाए गए और उन्हें निलंबित किया गया।

इसके बाद डोमचांच थाना क्षेत्र के सपही चेक पोस्ट पर भी उन पर लापरवाही और अनुशासनहीनता के आरोप लगे, जिसके कारण फिर से निलंबन हुआ। डीएसपी ने कहा कि इसके बावजूद पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। घटना के बाद मृतक जवान के घर में मातम पसरा हुआ है। परिजन रो-रो कर बेहाल हैं। उन्होंने निष्पक्ष जांच की मांग की है। परिवार का कहना है कि जिन अधिकारियों पर मंसूर ने आरोप लगाए हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

मंत्री की गाड़ी ट्रक से टकराई

सड़क हादसे में बाल–बाल बचे श्याम बिहारी जायसवाल, जन्मदिन के मौके पर हुआ हादसा

मनेंद्रगढ़, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की गाड़ी को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसा मनेद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में हुआ है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की कार को ट्रक ने सामने से टक्कर मारी। हालांकि इस घटना में मंत्री को किसी तरह की चोट नहीं आई है। वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं उनकी कार क्षतिग्रस्त हो गई है। हादसा जिले के चिरमिरी छठ घाट के पास हुआ है।

यह घटना उस समय हुई जब मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल अपना जन्मदिन मनाने के लिए अपनी विधानसभा क्षेत्र का दौरा कर रहे थे। उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत मनेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र में स्थिति महामाया मंदिर में पूजा-अर्चना करके की। जब वह मंदिर से लौट रहे थे, तभी उनकी कार एक ट्रक से टकरा गई। जब कार ट्रक से टकराई उस समय स्वास्थ्य मंत्री के साथ बाकी लोग भी कार में मौजूद थे। हादसे के बात मीडिया से चर्चा करते हुए मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा- मां महामाया की कृपा से मैं पूरी तरह से सुरक्षित हूं। गाड़ी की स्थिति देखकर पूरे प्रदेश के लोगों की चिंता बढ़ गई थी। सभी के स्नेह और माता महामाया के आशीर्वाद से उन्हें कुछ नहीं हुआ और मां महामाया ने साक्षात उनकी रक्षा की है। मंत्री रायपुर से अपना जन्मदिन मनाने के लिए अपनी विधानसभा सीट पहुंचे थे।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 2 अक्टूबर- 2025

अंडमान बदलेगा देश की तकदीर

ऑयल इंडिया लिमिटेड ने जो महत्वपूर्ण खोज की है, यदि यह सच साबित हुआ तो वह दिन दूर नहीं जब अंडमान बेसिन में मिला प्राकृतिक गैस का खजाना भारत की तकदीर बदलने के लिए पर्याप्त होगा। यह खोज भारत को ऊर्जा में आत्मनिर्भर बना सकती है। यही वजह है कि भारत अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ की मनमानी को भी दरकिनार कर दिया। अंडमान का खजाना खुलते ही भारत को सऊदी और रूस के आगे भी हाथ पसारने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ओआईएल का दावा है कि अपतटीय अंडमान ब्लॉक एएन-ओएसएचपी-2018/1 में खोदे गए दूसरे अन्वेषण कुएं विजयपुरम-2 में प्राकृतिक गैस का विपुल भंडार है। 'शुरुआती जांच में जब कुएं से गैस रुक-रुक कर बाहर निकल रही थी, तो उसके नमूनों की जांच की गई। इस जांच से यह पुष्टि हो गई है कि वहां प्राकृतिक गैस मौजूद है। यह गैस कैसे और कहां से आई है, यह जानने के लिए गैस आइसोटोप अध्ययन किए जा रहे हैं।' यह खोज भारत को ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में जहां मदद करेगी, वहीं इससे दूसरे देशों पर निर्भरता भी कम करेगी। यह पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा की ओर बढ़ने में भी सहायक होगी। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के अनुसार कुएं में शुरुआती उत्पादन परीक्षण किए गए हैं। 2212 से 2250 मीटर की गहराई पर हुए इन परीक्षणों से यह साबित हो गया कि वहां प्राकृतिक गैस मौजूद है। परीक्षण के दौरान, गैस रुक-रुक कर जलती हुई भी देखी गई। जांच में पता चला कि इस गैस में 87 प्रतिशत मीथेन है। मीथेन प्राकृतिक गैस का सबसे गुणवत्ता वाला मुख्य घटक माना जाता है। यह खोज भारत की आयातित प्राकृतिक गैस पर निर्भरता को कम करने में भी मदद करेगी। पिछले कुछ सालों में भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर बहुत निर्भर है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में, भारत की लगभग 44 प्रतिशत प्राकृतिक गैस की खपत आयात से पूरी हुई थी, जो बहुत बड़ा आंकड़ा है। मीथेन की यह खोज भारत के 'ग्रीन पिवट' में भी सहायक होगी। 'ग्रीन पिवट' का मतलब है पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ना। भारत पिछले कुछ सालों से अपने हरित लक्ष्यों को प्राप्त करने की कोशिश कर रहा है। मीथेन की खोज इसमें बहुत मदद करेगी। क्योंकि मीथेन कोयले और तेल की तुलना में अधिक साफ जलता है। मीथेन के बुनियादी ढांचे को विकसित करने से रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। यदि घरेलू भंडार का कुशलता से उपयोग किया जाए तो यह आयात पर निर्भरता को कम कर सकता है। यह देश को बाहरी झटकों से बचाएगा। यह देश को ऊर्जा के मामले में मजबूत बनाएगा। प्राकृतिक गैस की खोज की खबर आते ही, आयल इंडिया के शेयरों में उछाल आया है। इस गैस का बड़े पैमाने पर व्यावसायिक उपयोग शुरू होने में अभी समय लगेगा। परीक्षण -अध्ययनों के बाद ही पूरी तस्वीर साफ हो पाएगी। तभी यह पता चलेगा कि यह खोज कितनी बड़ी है और इसका कितना आर्थिक लाभ होगा। यह खोज भारत के ऊर्जा परिदृश्य को बदलने की क्षमता रखती है। यह देश को एक मजबूत और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर ले जाने में मदद करेगी।

मनुष्य के अंदर राम और रावण

संदीप सृजन

मानव जीवन एक निरंतर संघर्ष है जहां अच्छाई और बुराई के बीच का द्वंद्व हमेशा मौजूद रहता है। प्राचीन भारतीय महाकाव्य रामायण में राम और रावण दो ऐसे चरित्र हैं जो इस द्वंद्व के प्रतीक बन गए हैं। राम सद्गुणों का अवतार हैं-धर्म, सत्य, धैर्य, करुणा और आत्मसंयम, जबकि रावण दुर्गुणों का प्रतिनिधित्व करता है- अहंकार, लोभ, क्रोध और कामना लेकिन क्या ये चरित्र केवल कथाओं तक सीमित हैं? नहीं, वास्तव में हर मनुष्य के अंदर ही राम और रावण दोनों निवास करते हैं। सद्गुण राम हैं जो हमें ऊंचाइयों की ओर ले जाते हैं और दुर्गुण रावण हैं जो हमें पतन की ओर धकेलते हैं। मानव स्वभाव की जटिलता को समझने के लिए रामायण एक आदर्श माध्यम है। आदि कवि महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित यह महाकाव्य न केवल एक कथा है बल्कि जीवन का दर्पण है। राम मर्यादा पुरुषोत्तम है क्योंकि उन्होंने हर परिस्थिति में धर्म का पालन किया। वहीं रावण, जो विद्वान और शक्तिशाली था, अपने दुर्गुणों के कारण नष्ट हो गया लेकिन रावण भी पूर्णतः बुरा नहीं था; उसमें गुण भी थे, जैसे ज्ञान और शौर्य। इसी प्रकार, मनुष्य में अच्छाई और बुराई का मिश्रण होता है। यह द्वंद्व हमें सिखाता है कि जीवन में संतुलन आवश्यक है। आधुनिक मनोविज्ञान में भी इस अवधारणा को फ्रायड के 'इड, ईगो और सुपरईगो' के रूप में देखा जाता है, जहां इड दुर्गुणों की तरह आवेगपूर्ण है और सुपरईगो सद्गुणों की तरह नैतिक है। रामायण में राम भगवान विष्णु के अवतार हैं। उनके जीवन में सद्गुणों का प्रभुत्व है। उदाहरणस्वरूप, जब राजा दशरथ ने उन्हें वनवास दिया, तो राम ने बिना विरोध किए इसे स्वीकार किया। यह धैर्य और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। राम की करुणा तब दिखती है जब उन्होंने विभीषण को शरण दी, जो रावण का भाई था लेकिन सत्य का पक्षधर। राम का आत्मसंयम सीता हरण के समय भी स्पष्ट है; उन्होंने क्रोध को नियंत्रित रखा और युद्ध की तैयारी की। ये सद्गुण मनुष्य को मजबूत बनाते हैं, क्योंकि वे दीर्घकालिक सुख प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर, रावण लंका का राजा था जो दस सिरों वाला राक्षस था—जो उसके बहुमुखी ज्ञान का प्रतीक है लेकिन उसके दुर्गुणों ने उसे नष्ट किया। अहंकार ने उसे राम का अपमान करने पर मजबूर किया, लोभ ने सीता का हरण करवाया, और क्रोध ने उसके निर्णयों को प्रभावित किया। लेकिन रावण में गुण भी थे—वह शिव भक्त था, संगीत और ज्योतिष का ज्ञाता। यह दर्शाता है कि दुर्गुण सद्गुणों को ढक सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी तरह मिटा नहीं सकते।

अब प्रश्न यह है कि ये चरित्र हमारे अंदर कैसे मौजूद हैं? हर मनुष्य में जन्म से ही दोनों प्रवृत्तियां होती हैं। बचपन में हम निर्दोष होते हैं, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, वातावरण, शिक्षा और अनुभव हमें प्रभावित करते हैं। सद्गुण राम की तरह हमें दूसरों की मदद करने, सत्य बोलने और संयम रखने की प्रेरणा देते हैं। वहीं दुर्गुण रावण की तरह हमें स्वार्थी, क्रोधी और लालची बनाते हैं। मानव मन एक युद्धक्षेत्र है, जहां राम और रावण निरंतर लड़ते हैं। इस द्वंद्व को समझने के लिए हमें भगवद्गीता की ओर देखना चाहिए, जहां कृष्ण अर्जुन को कहते हैं कि आत्मा अमर है लेकिन मन की प्रवृत्तियां हमें बंधन में डालती हैं। राम सद्गुण हैं जो सात्विक गुणों का प्रतिनिधित्व करते हैं—शांति, ज्ञान और पवित्रता। रावण राजसिक और तामसिक गुणों का प्रतीक है—क्रिया, लोभ और अंधकार। हर निर्णय में यह द्वंद्व प्रकट होता है। कार्ल जंग के अनुसार, हर व्यक्ति में 'शैडो सेल्फ' होता है जो रावण की तरह छिपा रहता है। इसे स्वीकार करना और नियंत्रित करना आवश्यक है। रामायण में भी रावण को मारना आसान नहीं था; राम को विभीषण की मदद लेनी पड़ी, जो बुद्धि का प्रतीक है। अर्थात, दुर्गुणों पर विजय के लिए बुद्धि और सद्गुणों का सहारा लेना पड़ता है। धार्मिक ग्रंथों में इसे 'अंतरात्मा की आवाज' कहा जाता है, जो सद्गुणों की ओर इशारा करती है। लेकिन दुर्गुण इतने आकर्षक होते हैं कि वे हमें बहका देते हैं। जैसे रावण की माया ने सीता को धोखा दिया, वैसे ही दुर्गुण हमें सुख की झूठी आशा देते हैं।

राम की मर्यादा और गांधी का सत्य प्रेरणादायी

सुरेश गांधी

भारत की संस्कृति और इतिहास में दो ऐसे महान व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने अलग-अलग युगों में मानवता को नई दिशा दी—त्रेता युग के मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और आधुनिक युग के महात्मा गांधी। एक ने धर्म और मर्यादा के बल पर आदर्श राज्य की स्थापना की, तो दूसरे ने सत्य और अहिंसा के बल पर एक पराधीन राष्ट्र को स्वतंत्रता दिलाई। राम और गांधी, दोनों ही अपने समय से आगे बढ़कर समाज को यह संदेश देते हैं कि आदर्श, नैतिकता और आत्मबल ही वह शक्ति है, जो किसी भी अन्याय, संकट और अंधकार पर विजय पा सकती है। भगवान राम का पूरा जीवन मर्यादा का पर्याय है। उन्होंने व्यक्तिगत सुख और वैभव से ऊपर उठकर समाज और परिवार के कर्तव्यों को सर्वोपरि रखा।

जब राजा दशरथ ने कैकेयी को दिए वचन के कारण राम को 14 वर्ष का वनवास दिया, तो राम ने बिना किसी विरोध के उसे स्वीकार कर लिया। यह त्याग हमें बताता है कि सच्चा पुत्र वही है जो पिता की आज्ञा को धर्म समझकर निभाए। सीता माता की अग्निपरीक्षा और उनके परित्याग का प्रसंग भले ही कठोर लगे, लेकिन राम ने यह निर्णय ''राजधर्म'' के कारण लिया। उनके लिए प्रजा की आस्था सर्वोपरि थी। भरत-राम मिलन का प्रसंग मर्यादा और प्रेम का अद्वितीय उदाहरण है। जब भरत ने सिंहासन स्वीकार करने से मना कर दिया और राम की खड़ाऊँ सिंहासन पर रखीं, तो यह भारतीय संस्कृति में आदर्श भाईचारे का प्रतीक बना।

राम का जीवन यह सिखाता है कि समाज तभी संतुलित और सशक्त रह सकता है, जब हर व्यक्ति अपने कर्तव्यों और मर्यादाओं का पालन करे।

महात्मा गांधी ने आधुनिक युग में सत्य को ही

जीवन का आधार माना। उनके अनुसार, "सत्य ही ईश्वर है।" चंपारण सत्याग्रह (1917) : किसानों पर अत्याचार के खिलाफ गांधी ने सत्याग्रह किया। अंग्रेज सरकार को झुकना पड़ा और किसानों को न्याय मिला। अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918) : मजदूरों की हड़ताल में गांधी ने उपवास किया और सत्य के बल पर उनके वेतन में वृद्धि करवाई। असहयोग आंदोलन (1920) : विदेशी वस्त्रों की होली जलाकर स्वदेशी का संदेश दिया। जनता ने सत्य और आत्मबल से अंग्रेजी हुकूमत को चुनौती दी। नमक सत्याग्रह (1930) : दांडी मार्च इतिहास में वह क्षण था जब एक मुट्ठी नमक ने साम्राज्यवादी सत्ता की नींव हिला दी। भारत छोड़ो आंदोलन (1942) : गांधी ने ''करो या मरो'' का आह्वान दिया, जिसने स्वतंत्रता संग्राम को निर्णायक रूप दिया। इन आंदोलनों में गांधी ने यह सिद्ध कर दिया कि सत्य और अहिंसा से भी साम्राज्यवादी सत्ता को परास्त किया जा सकता है।

कहा जा सकता है राम और गांधी दोनों अलग-अलग युगों के पुरुषार्थी थे, परंतु उनके जीवन से हमें समान शिक्षा मिलती है। 1. सत्य और धर्म का पालन : राम ने धर्म और मर्यादा की रक्षा के लिए सब कुछ त्याग दिया। गांधी ने सत्य और अहिंसा की रक्षा के लिए अपना जीवन अर्पित कर दिया। राम ने राजसुख का त्याग कर वनवास स्वीकार किया। गांधी ने विलासिता का त्याग कर सादा जीवन अपनाया। राम का आदर्श ''रामराज्य'' था, जहाँ सबके साथ न्याय और सुख-शांति हो। गांधी का सपना ''ग्राम स्वराज'' था, जहाँ हर गाँव आत्मनिर्भर हो और समाज समरसता से जीए। राम का जीवन ''मर्यादा'' का आदर्श है। गांधी का जीवन ''सत्य'' और ''आत्मबल'' का उदाहरण है।

यह प्रश्न अक्सर उठता है कि क्या गांधी की तुलना राम से की जा सकती है। सीधी तुलना करना शायद उचित नहीं होगा। श्रीराम को हिंदू धर्म में विष्णु का अवतार माना जाता है, जिनका उद्देश्य धर्म की स्थापना था। गांधी एक सामान्य मानव थे, जिन्होंने आत्मसंयम, साधना और संघर्ष से स्वयं को महान बनाया। परंतु दोनों में समानता यह है कि उन्होंने अपने जीवन को आदर्शों के आधार पर जिया। श्रीराम ने धर्म और मर्यादा को सर्वोच्च माना। गांधी ने सत्य और अहिंसा को जीवन का मूल मंत्र बनाया। गांधी जी के अंतिम शब्द "हे राम" उनके जीवन और विचारों के बीच सेतु का प्रमाण हैं। अर्थात दोनों ने "आदर्श आधारित जीवन" को अपनी पहचान बनाया। गांधी ने राजनीतिक स्वतंत्रता को भी "रामराज्य" के आदर्श से जोड़ा।

रामायण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन जीने का शास्त्र है। उसी प्रकार गांधी का जीवन भी एक प्रेरणागाथा है। रामायण हमें सिखाती है कि ''धर्म की रक्षा करने वाला ही सच्चा नायक होता है।'' गांधी का जीवन बताता है कि ''सत्य के मार्ग पर चलने वाला ही सच्चा विजयी होता है।'' दोनों ही जीवन-दर्शन इस बात पर बल देते हैं कि असत्य और अन्याय का नाश सत्य और धर्म से ही संभव है। आज का समय अनेक चुनौतियों से भरा है—भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक असमानता और नैतिक पतन। इन परिस्थितियों में राम और गांधी के आदर्श हमारे लिए पथप्रदर्शक हो सकते हैं।

परिवार और समाज के लिए : यदि हम राम की मर्यादा को अपनाएँ, तो परिवारों में अनुशासन और प्रेम बना रहेगा। राजनीति और शासन के लिए : यदि हम गांधी के सत्य को अपनाएँ, तो राजनीति सेवा का माध्यम बनेगी, न कि स्वार्थ का। विश्व शांति के लिए : यदि अहिंसा और सत्य को आधार बनाया जाए, तो युद्ध और आतंकवाद का अंत संभव है। पर्यावरण और जीवन शैली : गांधी का ''सादा जीवन, उच्च विचार'' आज के उपभोक्तावादी समाज में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देता है।

नैपाल के जैनजी से प्रेरित है जेनएम षडयंत्र!

मनोज अग्रवाल

योगी आदित्यनाथ के कड़े तेवर और अराजकता फैलाने के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के चलते जेनजी की तर्ज पर जेनएम(यूथ मुस्लिम) को भड़का कर नबी के नाम पर सड़कों पर उतारने का घातक षडयंत्र नाकाम कर दिया गया। कानपुर में ईद-ए-मिलाद-उन-नबी की शोभायात्रा के दौरान लगी 'आई लव मुहम्मद' के खिलाफ कार्रवाई की अफवाह फैला कर पैदा हुए तनाव की चिंगारी अब तक बरेली, उन्नाव, लखनऊ, महाराजगंज, कौशांबी, काशीपुर, हैदराबाद, नागपुर और गुजरात के गांधीनगर के बाद सोमवार को अहिल्यानगर (महाराष्ट्र) पहुंच चुकी है. जाहिर है कि पूरे देश की हवा खराब हो, इसके पहले शासन-प्रशासन ने विघटन कारी तत्वों की साजिश को समझा और सख्ती से नियंत्रित किया। भारत जैसे बहुलवादी लोकतंत्र में धार्मिक भावनाओं का सम्मान हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन जब 'आई लव मुहम्मद' जैसे नारे शांति के बजाय हिंसा का पर्याय बन जाते हैं, तो सवाल उठना स्वभाविक हो जाता है. जाहिर है कि यह भी सवाल उठता है कि क्या यह आंदोलन सिर्फ भावना की अभिव्यक्ति है या साजिश का मुखौटा है?क्या जेनजी की तर्ज पर देश में जेनएम (यूथ मुस्लिम) की साजिश रची गई? इस की टेस्टिंग के लिए पहले उत्तर प्रदेश को चुना गया?

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले को लेकर काफी आक्रोश में हैं उन्होंने इसी संदर्भ में 'गजवा-ए-हिंद' के सपने देखने वालों के खिलाफ जो हुंकार भरी है, वह न केवल राज्य के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल है. 28 सितंबर को बलरामपुर में आयोजित एक जनसभा में योगी ने कहा, गजवा-ए-हिंद हिंदुस्तान की पावन धरती पर कभी संभव नहीं. जो इसकी कल्पना भी करते हैं, वे नर्क का टिकट कटा रहे हैं. यह बयान न केवल तौकीर रजा जैसे तत्वों को चेतावनी है, बल्कि यह दर्शाता है कि कैसे मजबूत नेतृत्व सामाजिक अराजकता को कुचल सकता है।

आपको बता दें कि तौकीर रजा खान जैसे कट्टरपंथी सोच वाले धर्म गुरुओं ने इसे एक हथियार बना लिया, जिसके परिणामस्वरूप बरेली में 26 सितंबर को शुक्रवार की नमाज के बाद हिंसक झड़पें हुईं थीं. इसी तरह उत्तर दक्षिण तक बहुत से मौलाना ऐसे हैं जो आम लोगों को बरगलाकर उन्हें अपराधी बना रहे हैं. बरेली में पथराव, लाठीचार्ज, 10 पुलिसकर्मियों की चोटें आईं थीं और दर्जनों गिरफ्तारियां भी हुईं. जाहिर है कि आम मुसलमान जो शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं के बजाय तौकीर रजा जैसे नेताओं पर सख्ती जरूरी है. ये वे लोग हैं जो धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग कर सामाजिक सद्भाव को तोड़ने का काम करते हैं.

आपको बता दें कि तौकीर रजा खान, इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख और बरेली के एक प्रमुख मौलाना, लंबे समय से विवादों के केंद्र में रहे हैं. उनका इतिहास कट्टरवाद और राजनीतिक उकसावे से भरा पड़ा है. 2007 में बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन के खिलाफ उन्होंने 5 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था. यह फतवा न केवल अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला था, बल्कि धार्मिक अतिवाद का खुला प्रदर्शन. 2009 और 2012 के लोकसभा चुनावों में उन्होंने मुसलमानों को धर्म के नाम पर वोट डालने के लिए उकसाया, जो संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ था. लेकिन 2025 का 'आई लव मुहम्मद' विवाद उनके करियर का सबसे खतरनाक अध्याय साबित हुआ. यूपी में पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के राज में उन्हें सरकार का संरक्षण मिल जाता था. अखिलेश यादव की सरकार में तो उन्हें राज्यमंत्री का दर्जा भी मिला हुआ था.तौकीर रजा के जहरीले भाषण ने 15 साल पहले भी बरेली शहर के अमन-चैन को आग लगाई थी. तब शहर में एक महीने तक कर्फ्यू लगा था. तत्कालीन बसपा सरकार ने रजा को गिरफ्तार भी किया था, लेकिन दो दिन बाद ही उसको रिहा करना पड़ा. इसके बाद शासन ने एसएसपी को हटा दिया था. बरेली के जिस बाजार में बारावफात के जुलूस के बाद दंगा-फसाद हुआ था वहां कई इलाकों में तोड़फोड़ आगजनी हुई थी. करीब 30 दुकानों को निशाना बनाया गया. बड़ी बात यह रही कि सभी दुकानें चिन्हित कर जलाई गई थीं. हिंदू व्यापारियों को निशाना बनाया गया था.

अब ताजा घटनाक्रम में पुलिस ने कानपुर में बारावफात के दिन एक जुलूस में आइ लव मौहम्मद के बैनर लेकर शहर की फिजां बिगाड़ने की कोशिश की गई। इस घटना के आरोप में 9 सितंबर को 24 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की, लेकिन तौकीर राजा ने इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला बताते हुए वीडियो जारी किया. उन्होंने बरेली में 26 सितंबर को शुक्रवार की नमाज के बाद इस्लामिया ग्राउंड पर प्रदर्शन का आह्वान किया. प्रशासन के अनुमति नहीं देने पर समर्थकों ने आला हजरत दरगाह और उनके घर के बाहर जमा होकर 'आई लव मुहम्मद' के प्लेकार्ड लिए नारे लगाए.

स्थिति तब बिगड़ी जब प्रदर्शनकारियों ने पथराव शुरू किया. पुलिस वाहनों पर हमला, दुकानों में तोड़फोड़ शुरू कर दी. पुलिस को लाठीचार्ज और आंसू गैस का सहारा लेना पड़ा. तौकीर रजा की गिरफ्तारी 27 सितंबर को हुई, जब उन्हें 7 एफआईआरों में मुख्य आरोपी नामित किया गया. पुलिस ने कहा, यह पूर्वनियोजित साजिश थी. उनके समर्थकों ने गोलीबारी भी की, जिसके सबूत मिले.

यहां आपको पता रहे योगी आदित्यनाथ की सुरक्षा पर जीरो टॉलरेंस पॉलिसी ने उन्हें 'बुलडोजर बाबा' बना दिया. 'गजवा-ए-हिंद' एक कट्टरपंथी अवधारणा जो भारत को इस्लामी राज्य बनाने का सपना देखती है. इसके खिलाफ उनकी हुंकार इस विवाद में सबसे मजबूत आवाज बनी. 2022 में हिजाब विवाद के दौरान उन्होंने कहा था, गजवा-ए-हिंद का सपना कयामत तक पूरा नहीं होगा. लेकिन 2025 में बरेली हिंसा के बाद यह बयान और तीखा हो गया. 28 सितंबर को बलरामपुर में करोड़ों के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करते हुए योगी ने कहा, ₹हिंदुस्तान की धरती देव-महापुरुषों और शहीदों के आदर्शों पर चलेगी. गजवा-ए-हिंद का सपना देखने वाले नर्क का टिकट कटा रहे हैं. उन्होंने 'छंगुर बाबा' का उदाहरण दिया, जो गोंडा क्षेत्र में हिंदुओं का धर्मपरिवर्तन करा रहा था. उन्होंने कहा कि पापी कितना भी छिपे, सजा निश्चित है. यह बयान तौकीर राजा पर सीधा प्रहार था, जिन्हें गजवा-ए-हिंद जैसे विचारों से जोड़ा जाता है. योगी ने चेतावनी दी कि त्योहारों के दौरान शरारत करने वालों को ऐसी सजा मिलेगी कि आने वाली पीढ़ियां याद रखेंगी।

तौकीर पर यूएपीए के तहत एफआईआर और अवैध संपत्ति की जांच ने उनके आर्थिक आधार को कमजोर किया. योगी की बुलडोजर नीति अवैध निर्माणों को तोड़ती है, जो कट्टरपंथियों के फंडिंग नेटवर्क को नष्ट करता है. यह नीति पीएफआई जैसे संगठनों पर भी लागू हो सकती है.बरेली हिंसा के चार दिन बाद भी पुलिस की सख्त कार्रवाई जारी है। अब तक पुलिस ने 60 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया है कि इस हिंसा की योजना काफी पहले से बनाई गई थी। इस मामले के 2 मुख्य मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर रजा और नदीम हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। नदीम ने लोगों को व्हाट्सएप कॉल करके बरेली बुलाया था।

हर व्यक्ति में हो संघ प्रवेश

डॉ. अंजु वेद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं. ऐसे में यह आवश्यक है कि केवल कुछ लोग ही संघ में न जाएं अपितु हर व्यक्ति में संघ चला जाए, यानी जन-जन संघ के विचार और कार्य पद्धति से जुड़कर समाज और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें।

विगत कुछ वर्षों में भारतवर्ष वैश्विक फलक पर व्यापक हुआ है। विश्व के कोने-कोने में भारत के सांस्कृतिक स्वर सुनाई दे रहे हैं। भारत माता की रक्षा ,एकता और अखंडता के लिए समय-समय पर देश के विभिन्न संगठनों तथा व्यक्तियों द्वारा प्रयास किया जाता रहा है। उन्होंने धर्म ,संप्रदाय, रीति-रिवाज और विभिन्नताओं से ऊपर उठकर भारतीयता का एक नया संदेश राष्ट्र के समक्ष प्रस्तुत किया है। क्या आज भारतीयता के इस संदेश से सभी को नहीं जुड़ना चाहिए?

भारतवर्ष के स्वतंत्रता संग्राम के समय वर्ष 1920 का दशक विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा। यही वह समय था जब भारतवर्ष सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक दृष्टि से भारतीयता के बोध, सांस्कृतिक विरासत के उत्थान और सनातन की रक्षा के लिए जद्दोजहद कर रहा था। ऐसे संघर्ष के समय डा. हेडगेवार ने जिस संगठन की नींव रखी, वह है- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार बचपन से ही ऐसे देशभक्त थे जो राष्ट्रीय आदर्श स्थापित करना चाहते थे। राष्ट्र के उत्थान के लिए समस्त भारतीय समाज में त्याग और सेवा का बीजारोपण करना चाहते थे। उनका विचार था कि स्वतंत्र भारत का कार्यभार संभालने वाले लोगों में भारतभूमि के लिए सर्वस्व समर्पण और अपनी संस्कृति के प्रति गहरा लगाव होना चाहिए। इसी ध्येय से 1925 में विजयदशमी के दिन जब इस संगठन की नींव रखी गई तब सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का नया अध्याय लिखा गया। मां भारती को जगतगुरु के सिंहासन पर आरूढ़ करने का पुण्य विचार लिए यह संगठन निरंतर कार्य कर रहा है। भारत मां की सेवा और राष्ट्र को एकमात्र अपना देवता मानने वाला यह संगठन आज भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी हमेशा कहते हैं- दैव पूजा अपनी अपनी हो सकती है किंतु राष्ट्र पूजा एक ही होनी चाहिए. राष्ट्र की एकता का यह सबसे बड़ा सूत्र है।

राष्ट्र को उन्नति के पथ पर अग्रसर करने के लिए प्रत्येक समाज में देशभक्त, अनुशासित, चरित्रवान और निस्वार्थ भाव से काम करने वाले लोगों की आवश्यकता रहती है। यह संगठन ऐसे ही लोगों को तैयार करने एवं संगठित करने का कार्य कर रहा है जो स्वयं की प्रेरणा से समाज और राष्ट्र के कार्य हेतु समर्पित हों। संघ का उद्देश्य किसी देश पर वर्चस्व रखने वाला भारत बनाना नहीं है अपितु यह तो भारत को संसार का सर्वश्रेष्ठ देश बनाना चाहता है। संघ भारत को केवल एक भौगोलिक क्षेत्र ही नहीं मानता है अपितु संघ का मानना है कि भारत एक जीवंत और जागृत विचार है, एक चिंतन है। भारत की एक जीवन दृष्टि है। यह जीवन दृष्टि एकात्मक और सर्वांगीण है और यही भारत की पहचान है। स्वामी विवेकानन्द ने कहा था कि - आध्यात्मिकता ही भारत की आत्मा है, भारत का प्राण है। यह भारत की आध्यात्मिकता यहां के समाज जीवन के प्रत्येक अंग में प्रकट हो, ऐसा एक उन्नत समाज हम निर्माण करना चाहते हैं। इसी के लिए उन्होंने महामंत्र दिया-उत्तिष्ठत ! जागृत प्राप्य वरान्निबोधत! अर्थात उठो, जागो और तब तक रुको नहीं जब तक कि लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज देश विदेश में हजारों शाखाओं के माध्यम से सामाजिक कार्य कर रहा है। संघ के स्वयंसेवक समाज में लाखों सेवा कार्य कर रहे हैं। उपेक्षा, उपहास, विरोध तथा अवरोध को मात देते हुए संघ का कार्य निरंतर,निर्बाध गति से चल रहा है, आगे बढ़ रहा है। संघ का मानना है कि- हिंदवाः सहोदराः सर्वे...अर्थात सभी हिंदू एक ही माँ के पुत्र हैं इसलिए सभी भाई-भाई हैं। कोई ऊंचा या नीचा नहीं है। संघ का विचार भी ऐसा ही रहा है और संघ का आचरण भी ऐसा ही रहा है। संघ के तृतीय सरसंघचालक पूज्य बालासाहेब देवरस ने अपने उद्बोधन में कहा था कि-यदि अस्पृश्यता गलत नहीं है तो दुनिया में कुछ भी गलत नहीं है और इसको जड़मूल से उखाड़कर फेंक देना चाहिए। संघ संपूर्ण समाज का संगठन करने की बात करता है, इसलिए समाज के सभी वर्ग के लोगों का संघ में आना अपेक्षित है।

इस वर्ष राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विजयदशमी के दिन अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। सौ वर्षों की इस सेवा यात्रा को आज प्रत्येक भारतवासी को समझना चाहिए। विविधताओं से भरे इस देश में विविधताओं का उत्सव मनाना चाहिए। सबकी विविधता का सम्मान करना चाहिए और मिलजुल कर साथ चलना चाहिए। हमारी परंपरा जोड़ने की और मूल्य आधारित संस्कृति पर कार्य करते रहने की रही है। संघ की कार्य पद्धति , राष्ट्रीयता और मानवीय संवेदना को समझने के लिए प्रत्येक भारतीय में संघ के वैचारिक प्रवेश की आवश्यकता है। संघ का स्वयंसेवक सामाजिक, आध्यात्मिक, पारिवारिक, व्यवहारिक और नैतिक मूल्य से परिपूर्ण होता है। मातृभूमि की सेवा और उसके उत्थान के लिए निरंतर प्रयास करना उसका एकमात्र ध्येय होता है। राष्ट्र की परिस्थितियों और आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संघ की मातृशक्ति भी पीछे नहीं रहती। भारत की नारी शक्ति भारतीय धर्म में पूर्ण श्रद्धा एवं विश्वास रखती है। वह तेजस्वी है और अपने गौरवशाली भविष्य के प्रति भी सचेत है।

कलम और वाणी का चमत्कार

संजीव ठाकुर

कलम से क्रांति जन्म लेती है और कलम से ही भ्रांति भी। लेखन-कला में असीमित सामर्थ्य और अनुपम क्षमताएँ निहित हैं। यही कारण है कि चिंतन का सूत्र है अधिक सोचो, कम बोलो। शब्द की महिमा अपरंपार है; अक्षर नश्वर होते हुए भी अपने अर्थ और प्रभाव से अमर हो जाते हैं। लेखनी की धार तलवार से कहीं अधिक तीक्ष्ण मानी गई है। तलवार से घायल व्यक्ति बच सकता है, किंतु लेखनी से निकले शब्द कभी-कभी जीवनभर की पीड़ा का कारण बन जाते हैं। इसीलिए संतों और चिंतकों ने चेतावनी दी है कि "बोलने और लिखने से पूर्व बार-बार सोचो।" क्योंकि बोलने के बाद सोचना मनुष्य को मूर्खों की श्रेणी में खड़ा कर देता है।

राजनीति और कूटनीति का समूचा आधार शब्दों और भाषणों पर टिका हुआ है। एक शब्द से जहाँ राष्ट्रों के बीच सेतु बन सकते हैं, वहीं दूसरा शब्द विभाजन और विद्वेष की आग भी भड़का सकता है। इतिहास गवाह है–– प्यार और शांति के शब्दों से रक्तरंजित विवाद समाप्त हुए हैं, वहीं कटु वाणी से युद्धों का आरंभ हुआ है।शब्दों का प्रभाव इतना गहन है कि वे किसी व्यक्ति को अमर कर सकते हैं। तुलसीदास की वाणी में सत्य और अमृत की गूंज है, कबीर अपने फक्कड़पन और दोहों से जन-मन में रमे हुए हैं।

आधुनिक हिंदी साहित्य में अज्ञेय जैसे लेखक जटिल शब्दावली के बावजूद हृदय तक उतर जाते हैं। मुंशी प्रेमचंद ने अपने उपन्यास और कहानियों द्वारा हिंदी को जन-जन की भाषा बना अमरत्व प्राप्त किया। देवकीनंदन खत्री ने चंद्रकांता संतति और भूतनाथ जैसे उपन्यास लिखकर हिंदी उपन्यास-साहित्य की लोकप्रियता की नींव रखी। अंग्रेजी में अर्नेस्ट हेमिंग्वे को शब्दों का जादूगर माना गया, जिनकी भाषा पाठक के हृदय में सीधा प्रवेश कर जाती थी। इतिहास के पृष्ठ साक्षी हैं कि द्रौपदी के एक वचन ने महाभारत जैसा महायुद्ध खड़ा कर दिया। यही कारण है कि संत-मनीषियों ने कहा "संभलकर बोले गए शब्द ही सद्गति देते हैं।" अच्छा वक्ता वही है, जो अपने विचार संयमित और संतुलित भाषा में व्यक्त करे। वह भले ही हृदय को न छुए, किंतु जनमानस को जीतने में सफल होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शब्दों का महत्व अद्भुत है। युद्ध और शांति दोनों ही नेताओं के भाषणों और वक्तव्यों पर निर्भर करते हैं। पाकिस्तान की राजनीति भड़काऊ वक्तव्यों से अपनी साख खो बैठी, जबकि भारत अपनी मधुर वाणी और शांति-दूत की छवि से विश्वभर में सम्मानित हुआ। आज भी रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति की पहल के लिए संपूर्ण विश्व भारत की ओर देखता है।युवा पीढ़ी को यही संदेश देना आवश्यक है कि शब्दों का संयमित और सदाचारी प्रयोग करें। मीठी और संतुलित भाषा से समाज और राष्ट्र का वातावरण विकासोन्मुख होता है। यही भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक परंपरा का संदेश है कि शब्दों को सोच-समझकर, तौलकर और प्रेमपूर्वक प्रयोग किया जाए।

एफ-35 फाइटर जेट देकर तुर्की के एस-400 सिस्टम को अमेरिका कर देगा 'लंगड़ा'

खलीफा के खेल में तो नहीं फंस रहे ट्रंप

अंकारा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के बीच 25 सितंबर को वाइट हाउस में मुलाकात हुई। इस बैठक में दोनों नेताओं के बीच एफ-35 फाइटर जेट को लेकर बातचीत हुई। तुर्की के रूस से एस-400 सिस्टम खरीदने के बाद अमेरिका ने सीएएटीएसए प्रतिबंध लगा दिया था जिससे वह एफ-35 प्रोग्राम से बाहर हो गया था। अब एक बार फिर से तुर्की ने ट्रंप से एफ-35 फाइटर जेट को लेकर बातचीत बढ़ा दी है। एर्दोगन ने ऐसी चाल चली है कि उन्हें रूसी एस-400 सिस्टम को भी नहीं लौटाना होगा। असल में ताजा योजना के तहत तुर्की के एस-400 सिस्टम के प्रमुख कंपोनेंट को निकाल दिया जाएगा। इससे एस-400 'काम नहीं करेगा' और तुर्की को इसे रूस या किसी और देश को नहीं देना होगा। इससे उसे फायदा यह होगा कि वह सीएएटीएसए प्रतिबंधों से बच जाएगा और उसके एफ-35 फाइटर जेट खरीदने का रास्ता साफ हो जाएगा।

अमेरिका के नैशनल सिक्यॉरिटी जर्नल ने अपनी ताजा रिपोर्ट में खुलासा किया है कि एर्दोगन किसी भी तरह से एफ-35 फाइटर जेट हासिल करना चाहते हैं। इसके पीछे तुर्की की दो वजह है। तुर्की अपना कान स्टील्थ फाइटर जेट बना रहा है जो एफ-35 की काफी तकनीक से लैस है। असल में सीएएटीएसए प्रतिबंध लगने से पहले नाटो सदस्य देश तुर्की ने एफ-35 फाइटर जेट के काफी उपकरण बनाए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि तुर्की चाहता है कि एफ-35 फाइटर जेट उसे मिल जाए ताकि उसकी तकनीक को कॉपी करके अपने कान फाइटर जेट को पूरा कर लिया जाए। कान फाइटर जेट अभी भी प्रोटोटाइप के लेवल पर है। इसमें इंजन भी अमेरिकी लगा है जिसको लेकर भी अमेरिका रोड़े डाल रहा है।

नैशनल सिक्यॉरिटी जर्नल ने कहा कि तुर्की के एफ-35 हासिल करने की तड़प के पीछे दूसरी वजह यह है कि उसके ज्यादातर पड़ोसी दुश्मन देशों के पास अब यह अमेरिकी स्टील्थ जेट है। इजरायल काफी पहले से ही एफ-35 जेट का इस्तेमाल कर रहा है। इसके अलावा तुर्की का एक और विरोधी ग्रीस भी एफ-35 जेट ले चुका है। ऐसे में तुर्की को यह डर सता रहा है कि वह इस रेस से पिछड़ सकता है। इससे पहले अमेरिकी संसद ने सीएएटीएसए को पारित किया था ताकि उसके जरिए रूस, उत्तर कोरिया और ईरान को निशाना बनाया जा सके। तुर्की के रूस से एस-400 खरीदने के बाद वह सीएएटीएसए के दायरे में आ गया था जिससे उसके एफ-35 हासिल करने का रास्ता बंद हो गया था।

अब अमेरिका छठवीं पीढ़ी के एफ-47 फाइटर जेट पर पूरा फोकस कर रहा है। वहीं एफ-35 बनाने वाली कंपनी चाहती है कि उसे ऑर्डर मिलते रहे। ऐसे में ट्रंप पर दबाव है कि वह तुर्की को एफ-35 फाइटर जेट की मंजूरी दें।

हालांकि ट्रंप के साथ समस्या यह है कि तुर्की के खिलाफ लगे प्रतिबंध को वह अकेले नहीं हटा सकते हैं। ट्रंप को इसके लिए पहले अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी लेनी होगी। एस-400 को आसानी से छूट नहीं दी जा सकती है, चाहे रूस इसे दोबारा ही क्यों न खरीद ले। रिपोर्ट में 4 इस पूरे मामले से जुड़े सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि इसको देखते हुए ट्रंप की तकनीकी टीम ने एक लूपहोल खोज निकाला है।

पीओके में पाकिस्तानी सेना ने फिर बरपाया कहर

प्रदर्शनकारियों पर चलाई गई सीधी गोली, 8 लोगों की मौत और कई घायल

इस्लामाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विरोध प्रदर्शन और हिंसा का दौर जारी है। एक तरफ हजारों लोग सड़कों पर उतरे हुए हैं तो दूसरी ओर पाक आर्मी इस विरोध को दबाने के लिए किसी भी हद तक जाती दिख रही है। बुधवार को सेना की ओर से प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई गई है। पाकिस्तानी सेना ने बाग जुले के धीरकोट में प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की है, जिसमें आठ लोगों की जान गई है। वहीं कई अन्य घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, पीओके में ताजा अशांति में आठ लोग मारे गए हैं और 100 से ज्यादा घायल हुए हैं। बाग के धीरकोट में सबसे ज्यादा चार मौतें हुई हैं।

कोहाला के पास ददयाल, मीरपुर, चमयाती और मुजफ़्फराबाद में दो-दो लोग मारे गए हैं। कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों की सुरक्षाबलों से झड़प हुई है और पथराव किया गया है। पीओके में तीन दिनों से चल रहे नागरिक विद्रोह में अब तक कुल 10 लोगों की जान जा चुकी है।

शांति प्रस्ताव पर फैसले के लिए हमास के पास 3-4 दिन का समय

डेडलाइन के बाद ट्रंप की अंजाम भुगतने की धमकी

वॉशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हमास ने कहा कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के गाजा शांति प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने से पहले इसपर विचार करेगा और अन्य फलस्तीनी गुटों के साथ भी चर्चा करेगा। इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पहले ही ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन कर चुके हैं, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि हमास इस पर तैयार है या नहीं। प्रस्ताव में कहा गया है कि हमास प्रभावी रूप से आत्मसमर्पण करे और निशस्त्रीकरण करे, बदले में गाजा में लड़ाई समाप्त होगी। फलस्तीनियों के लिए मानवीय सहायता और गाजा में पुनर्निर्माण का वादा किया गया है।

'हमास के पास सिर्फ तीन-चार दिन का समय'

ट्रंप का कहना है कि हमास के पास प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के लिए 'तीन या चार दिन' का ही समय है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा, 'हमास या तो प्रस्ताव पर सहमत होगा और अगर ऐसा नहीं होता है, तो इसका अंत बहुत दुखद होगा।' राष्ट्रपति ने कहा कि उनके नवीनतम शांति प्रस्ताव में हमास के लिए बातचीत की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। कतर और मिस्र के अधिकारियों ने हमास के वार्ताकारों के सामने यह ट्रंप का प्रस्ताव रखा है, जो इसकी समीक्षा कर रहे हैं।

ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अगर हमास इस समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो इस्राइल को हमास को तबाह करने के लिए उनकी सरकार का पूरा समर्थन होगा। ट्रंप ने कहा, 'मैं उन्हें जो करना है, करने दूंगा। वे इसे बहुत आसानी से कर सकते हैं।'

यूएन ने कहा- हम गाजा में मदद के लिए तैयार

संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि वह जब भी संभव हो, वे गाजा में सहायता पहुंचाने के लिए तैयार है। ट्रंप के प्रस्ताव में कहा गया है कि सहायता की आपूर्ति इस्राइल या हमास के हस्तक्षेप के बिना होगी और सहायता आपूर्ति संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों, और रेड क्रिसेंट के माध्यम से की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र की जिनेवा प्रवक्ता एलेसेंड्रा वेलुची ने कहा कि यूएन शांति प्रयासों को लेकर विभिन्न पक्षों के संपर्क में है। हम सभी मध्यस्थता का स्वागत करते हैं।

पोप लियो ने हमास से शांति योजना को स्वीकार करने का आग्रह किया

पोप लियो ने हमास से ट्रंप के शांति प्रस्ताव को स्वीकार करने की अपील की और तत्काल युद्धविराम और हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई का आह्वान दोहराया।

पोप ने कहा कि, 'ऐसा लगता है कि यह एक यथार्थवादी प्रस्ताव है। मुझे लगता है कि इसमें कई तत्व बहुत दिलचस्प हैं, और मुझे उम्मीद है कि हमास इसे निर्धारित समय सीमा में स्वीकार कर लेगा।'

ना भारत ना चीन, ताइवान रूसी तेल प्रोडक्ट का सबसे बड़ा खरीदार

क्या ट्रंप लगाएंगे प्रतिबंध

मॉस्को, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका का एक दोस्त देश रूस से कच्चा तेल का एक उत्पाद खरीदने के मामले में पहले स्थान पर पहुंच गया है। पहले इस स्थान पर भारत का कब्जा था। ऐसे में अब भारत उस उत्पाद को खरीदने में दूसरे स्थान पर चला गया है। अब सवाल उठ रहा है कि क्या डोनाल्ड ट्रंप अपने इस दोस्त देश के खिलाफ भी टैरिफ लगाएंगे, जैसा कि उन्होंने भारत के खिलाफ किया है। ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के लिए अपने इस दोस्त देश के खिलाफ रूसी तेल आयात को लेकर टैरिफ लगाना भारी पड़ सकता है।

वर्तमान में ताइवान रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है। यह देश चीनी कूटनीतिक और सैन्य दबाव के विरुद्ध एशिया में अमेरिका का सबसे प्रभावी गढ़ है। ताइवान सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में इस्तेमाल होने वाले पेट्रोलियम के अलग रूप रूसी नेफ्ता का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक बना है। ताइवान खुद को यूक्रेन का सहयोगी कहता है और 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद रूस के खिलाफ पश्चिमी प्रतिबंधों में शामिल होने वाले देशों में से एक था। द गार्जियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान ने 2025 की पहली छमाही में 1.3 बिलियन डॉलर मूल्य का रूसी नेफ्था आयात किया।

रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान का रूसी कच्चे तेल उत्पाद का मासिक आयात 2022 के औसत से लगभग छह गुना अधिक स्तर पर पहुंच गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024 की पहली छमाही की तुलना में आयात में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

पाकिस्तान और ट्रंप का गाजा प्लान

55 साल पहले जनरल जिया ने ली थी 25 हजार फिलिस्तीनियों की जान, मुल्ला मुनीर भी देंगे दर्द

इस्लामाबाद, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप के गाजा शांति योजना पेश करने और पाकिस्तान सरकार की इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया ने नई अटकलों को जन्म दिया है। ऐसी अटकलें हैं कि पाकिस्तान जल्द ही अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर कर सकता है यानी वह इजरायल को मान्यता दे देगा। पाकिस्तान की ओर से इजरायल से 1967 से पहले की सीमाओं पर वापस लौटने की अपनी मांग छोड़ने के संकेत मिले हैं। असीम मुनीर इसे फिलिस्तीनी लोगों के लिए टू-स्टेट समाधान की तरफ एक कदम बता सकते हैं। हालांकि यह इजरायल के कब्जे को भी मान्यता देने जैसा ही होगा।

पाकिस्तान के अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने की दिशा में आगे बढ़ने का संकेत 29 सितंबर को मिला, जब डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा शांति योजना की घोषणा की। ट्रंप ने कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल शुरू से हमारे साथ हैं। उन्हें इस समझौते का 100 प्रतिशत समर्थन किया है। पाकिस्तान अगर इजरायल को मान्यता देता है तो यह कुछ लोगों को चौंकाएगा। हालांकि पाकिस्तान का फिलिस्तीनियों के कत्लेआम का एक काला इतिहास है।

जनरल जिया उल हक के बाद असीम मुनीर पाकिस्तानी सेना में दूसरे ऐसे चीफ बन गए हैं, जिन्होंने फिलिस्तीनी लोगों के हितों के खिलाफ सक्रिय रूप से काम किया है। दोनों को ही अपने कट्टर मजहबी रुख के लिए जाना जाता है। पाकिस्तानी सेना का 'इस्लामीकरण' करने के लिए जाने जाने वाले जिया उल हक ने जॉर्डन में 25,000 से ज्यादा फिलिस्तीनियों को मार डाला था। इस घटना को 'ब्लैक सितंबर' के नाम से याद किया जाता है।

अपनी किताब 'द ड्यूएल: पाकिस्तान ऑन द फ्लाइट पाथ ऑफ अमेरिकन पावर' में ब्रिटिश-पाकिस्तानी लेखक तारिक अली ने प्रसिद्ध इजरायली सैन्य कमांडर और पूर्व रक्षा मंत्री मोशे दयान के एक उद्धरण का उल्लेख किया है। इसमें उन्होंने कहा था कि 1970 के काले सितंबर में जॉर्डन के राजा हुसैन ने 11 दिनों में इतने फिलिस्तीनियों को मार डाला, जितना इजराइल 20 सालों में नहीं मार सका।

कई रिपोर्टों बताती हैं कि पूर्व पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जिया उल हक ने 1970 में फिलिस्तीनी शरणार्थियों और उग्रवादियों पर जॉर्डन की सेना के जवाबी हमले का नेतृत्व किया था। इसके परिणामस्वरूप 25,000 से 30,000 फिलिस्तीनी मारे गए थे। जिया उस समय पाक सेना में ब्रिगेडियर थे।

पुर्तगाल से अरबों का खजाना भारत ला रहे जहाज के मलबे की खोज

हजारों सोने के सिक्के और आभूषण मिले, 500 साल रहे रेत के अंदर

विंडहोक, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश नामीबिया के रेगिस्तान से मिले एक जहाज के मलबे से हो रही खोजें दुनिया को चौंका रही हैं। बीते 17 साल से लगातार इससे कई तरह की चीजें सामने आ रही हैं। नामीबिया के प्रतिबंधित हीरा खनन क्षेत्र स्परगेबिएट में साल 2008 में की रेत छान रहे खनिकों को लकड़ी के बीम और जंग लगी धातु जैसी मिलीं।

जांच की गई तो यहां 16वीं सदी के पुर्तगाली जहाज का संरक्षित मलबा मिला। इसकी पहचान बाद में बोम जीसस के रूप में हुई, 1533 में यह जहाज खजाना लेकर भारत आ रहा था।

500 वर्षों तक रेगिस्तानी टीलों के नीचे दबा रहा यह जहाज पुर्तगाल से भारत आते हुए समुद्र से गायब हो गया था।

नामीबिया की सरकारी हीरा कंपनी नामदेब और समुद्री पुरातत्वविद् डॉक्टर डाइटर नोली की मदद से हुई इस खोज को अफ्रीका में अब तक की सबसे महत्वपूर्ण समुद्री खोजों में माना जाता है। इस जहाज के मलबे से 2,000 से ज्यादा सोने के सिक्के, हाथीदांत के बने आभूषण, तांबे की सिल्लियां और नौवहन उपकरण मिले। ये चीजें प्रारंभिक आधुनिक युग के वैश्विक व्यापार की गतिशीलता की एक दुर्लभ झलक पेश करते हैं। पुर्तगाली जहाज बोम जीसस (द गुड जीसस) 7 मार्च, 1533 को पुर्तगाल के लिस्बन से भारत के लिए रवाना हुआ था। यह रास्ते में समुद्र में गायब हो गया और साल 2008 तक इसकी कोई जानकारी नहीं थी। इतने साल तक इसको खोजने की कई कोशिश कामयाब नहीं हुईं।

यूनुस राज में संकट में बांग्लादेश

क्या फिर 1971 की हो रही वापसी, भारत के पड़ोस में 'अल्लाहू अकबर' की गूंज

ढाका, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में हालात बेकाबू हैं। मोहम्मद यूनुस की कार्यवाहक सरकार में यह देश राजनीतिक और सामाजिक पतन के कगार पर है। बांग्लादेश में अराजकता का बोलबाला है। शासन नाम की कोई चीज नहीं बची है। पहले माना जा रहा था कि बांग्लादेश में जल्द लोकतांत्रिक सरकार आएगी, लेकिन इस देश में सत्ता शून्यता उभर रही है। इसका पूरा फायदा इस्लामवादी और पाकिस्तान परस्त गुट उठा रहे हैं। बांग्लादेश के वर्तमान हालात किसी धीमी गति से चलने वाले गृहयुद्ध की तरह हैं, जिसमें राजनीतिक हिंसा, संस्थागत पतन और सरकारी दमन सब शामिल हैं।

नॉर्थ ईस्ट न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में संकट इतना गहरा है कि इसे सिर्फ एक चुनाव से दूर नहीं किया जा सकता है। सत्ता में आने के लिए एक शॉर्टकट की चाहत रखने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अवामी लीग पर प्रतिबंध का समर्थन किया है। मोहम्मद यूनुस ने सिर्फ निजी दुश्मनी को साधने के लिए शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाया हुआ है, हालांकि वह जानते हैं कि इस प्रतिबंधित पार्टी के पास 30% से अधिक वोट शेयर है।

इस्लामी पार्टियों का बढ़ता प्रभुत्व

जातीय पार्टी (जेपी) को भी इसी तरह के खतरों का सामना करना पड़ रहा है। इन तीनों पार्टियों ने मिलकर 2008 में 87% वोट हासिल किए थे। उनके बहिष्कार से एक खतरनाक शून्य पैदा हो गया है। इस शून्य में इस्लामी ताकतें, मुख्यतः जमात-ए-इस्लामी और नवगठित नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) ने कदम रखा है। व्यापक जन समर्थन के अभाव में, वे प्रशासनिक रूप से सशक्त हैं।

बांग्लादेश को इस्लामी राज्य में बदलने की साजिश

अगर उन्हें मजबूरन चुनाव लड़ना पड़ा, तो उनकी चुनावी रणनीति एक त्रिशंकु संसद बनाने की है। इससे सत्ता में आने की पुरजोर कोशिश कर रही बीएनपी कमजोर होगी और जमात का प्रभाव बढ़ेगा। इससे उनका अंतिम लक्ष्य बांग्लादेश को एक इस्लामी राज्य में बदलना पूरा हो सकता है। इस सुनियोजित सत्ता हथियाने ने एक ऐसा सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष छेड़ दिया है जो 1971 में बांग्लादेश की आजादी के बाद से पहले कभी नहीं देखा गया। कोई भी गुट पीछे हटने को तैयार नहीं है, जिससे हिंसा का होना तय माना जा रहा है। इससे बांग्लादेश की शांति और स्थिरता को खतरा है।

बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के शासन में भारत के खिलाफ एक माहौल बनाया जा रहा है। सरकारी तौर पर यह साबित करने का प्रयास किया जा रहा है कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हो रहा है, उसके पीछे भारत का हाथ है।

पांच से छह दिसंबर के बीच भारत आ सकते हैं पुतिन

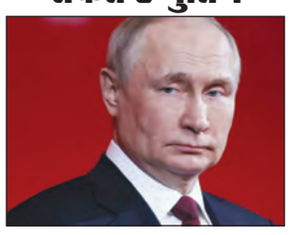

मास्को, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और रूस के बीच कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दिसंबर की शुरुआत में भारत यात्रा पर आ सकते हैं। यानी पांच से छह दिसंबर के बीच वो भारत आ सकते हैं। उनकी यात्रा से पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत आने की संभावना है। बताया जा रहा है कि दोनों देशों के बीच रक्षा, ऊर्जा और आर्थिक सहयोग पर महत्वपूर्ण वार्ता होगी।

फिलीपींस में 6.9 तीव्रता का भूकंप, 69 की मौत

मनीला, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। फिलीपींस के सेबू प्रांत में मंगलवार रात को 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। इसकी वजह से 69 लोगों की मौत हो गई है, जबकि करीब 150 घायल है।

मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। अब तक कई लोगों को मलबे से निकाला गया है। रेस्क्यू टीमें मंगलवार रात से ही बचाव अभियान चला रही हैं। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने पहले इसे 7.0 तीव्रता का बताया था, लेकिन बाद में कम करके 6.9 कर दिया।

भूकंप का केंद्र सेबू आइलैंड के बोगो शहर के पास था। इस शहर की आबादी 90 हजार है। पहले झटके के बाद इलाके में 5 या उससे अधिक तीव्रता के चार और झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

फिलीपींस रिंग ऑफ फायर के पास मौजूद है, ऐसे में यहां भूकंप आना आम बात है। रिंग ऑफ फायर ऐसा aइलाका है, जहां कई कॉन्टिनेंटल के साथ ही ओशियनिक टेक्टोनिक प्लेट्स भी हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है, सुनामी उठती है और ज्वालामुखी फटते हैं। दुनिया के 90% भूकंप इसी रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में आते हैं।

यह क्षेत्र 40 हजार किलोमीटर में फैला है। दुनिया में जितने सक्रिय ज्वालामुखी हैं, उनमें से 75% इसी क्षेत्र में हैं। जापान, रूस, फिलीपींस, इंडोनेशिया, न्यूजीलैंड, अंटार्कटिका, कनाडा, अमेरिका, मेक्सिको, ग्वाटेमाला, कोस्टा रिका, पेरू, इक्वाडोर, चिली और बोलिविया रिंग ऑफ फायर के पास हैं।

इजराइल-नेतन्याहू की 30 साल में 3 मुस्लिम देशों से माफी

कतर से पहले जॉर्डन ने किया था मजबूर, तुर्किये को मुआवजा भी दिया

तेल अवीव, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। हमास से जुड़े बड़े लीडर्स राजधानी के एक रिहाइशी कॉम्प्लेक्स में सीजफायर को लेकर चर्चा करने के लिए इकट्ठा हुए थे। मीटिंग चल ही रही थी कि इजराइली एयरफोर्स ने रेड सी से बैलिस्टिक मिसाइल से इमारत को निशाना बनाकर हमला कर दिया। हमले में हमास के 5 अधिकारी समेत कतर सेना के एक सैनिक की मौत हो गई। कतर पर हमला ट्रम्प की असफलता माना गया।

हमले के 5 दिन बाद ही दोहा में 50 से ज्यादा मुस्लिम देशों के नेता इकट्ठा हुए और इजराइली हमले की निंदा की। दबाव इतना बढ़ा कि 20 दिन बाद नेतन्याहू ने व्हाइट हाउस से कतर के पीएम को फोन कर माफी मांगी। उन्होंने साफ कहा कि इजराइल दोबारा कभी कतर पर हमला करने की गलती नहीं करेगा।

कतर, अमेरिका का मित्र देश है। अमेरिका उसे 1992 से सुरक्षा गारंटी दे रहा है। बदले में कतर, अमेरिका को अरबों का निवेश देता है। इसी साल मई में कतर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प को 3400 करोड़ का लग्जरी प्लेन गिफ्ट किया था। यह पहली बार नहीं है जब इजराइल को अपनी आक्रामक नीतियों की वजह से मुस्लिम देशों से माफी मांगनी पड़ी है। इससे पहले भी नेतन्याहू जॉर्डन और तुर्किये से माफी मांग चुके हैं। बेंजामिन नेतन्याहू जून 1996 में पहली बार इजराइल के प्रधानमंत्री बने थे। पद संभालने के बाद ही उन्होंने हमास को टारगेट करना शुरू किया। उन्होंने हमास में तेजी से उभर रहे नेता खालिद मेशाल को मारने के लिए खुद मोसाद के 6 एजेंट्स चुने।

खालिद मेशाल उन दिनों हमास का प्रवक्ता था और जॉर्डन में रह रहा था। 25 सितंबर 1997 का दिन चुना गया जब उसकी हत्या होनी थी। एजेंट्स को एक सप्ताह पहले फर्जी कनाडाई पासपोर्ट के जरिए जॉर्डन भेजा गया।

पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की जल्द हो सकती है मुलाकात

क्या टैरिफ और वीजा मामले में बनेगी बात?

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस महीने के अंत में मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में होने वाले 47वें आसियान शिखर सम्मेलन से इतर मुलाकात कर सकते हैं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री मोदी 26-27 अक्टूबर को होने वाले इस शिखर सम्मेलन के लिए मलेशिया की यात्रा पर जाने वाले हैं।

मलेशिया ने भी ट्रंप को इस बैठक में शामिल होने का निमंत्रण दिया है, जिससे दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना बढ़ गई है।

टैरिफ और वीजा विवाद के बाद पहली मुलाकात

अगर ट्रंप इस बैठक में शामिल होने के लिए मान जाते हैं तो यह 50% टैरिफ लागू होने के बाद दोनों नेताओं की पहली बहुपक्षीय बैठक होगी। इससे पहले, दोनों नेता 15-17 जून, 2025 को कनाडा में होने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान नहीं मिल पाए थे। इस बैठक में उम्मीद लगाई जा रही है है कि दोनों नेता टैरिफ और वीजा संकट पर बात कर सकते हैं। अब देखने वाली बात होगी कि ट्रंप इस मामले में कितना नरमी दिखाते हैं।

बता दें कि डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस से ऊर्जा, खासकर कच्चे तेल की खरीद को लेकर भी भारत को लगातार घेरते नजर आए हैं। हालांकि, भारत ने ट्रंप के दबाव के सामने नहीं झुकने का फैसला लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूसी तेल आयात जारी रखने के लिए भारत की बार-बार आलोचना की है, और तर्क दिया है कि इस तरह की खरीदारी यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के लिए मास्को पर वैश्विक दबाव को कमजोर करती है।

एशियाई शिखर सम्मेलन, जिसे आसियान शिखर सम्मेलन के रूप में भी जाना जाता है।

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के सदस्य देशों द्वारा आर्थिक, राजनीतिक, सुरक्षा और सामाजिक-सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित एक वार्षिक बैठक है। हालांकि, इस बैठक में अमेरिका को भी निमंत्रण दिया जाता है। ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम जैसे देश शामिल हैं।

सेंसेक्स 716 अंक चढ़कर 80,983 पर बंद

निफ्टी में 225 अंक का उछाल; डीमर्जर से टाटा मोटर्स का शेयर 5.5% चढ़ा

मुंबई हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार, 1 अक्टूबर को सेंसेक्स 716 अंक चढ़कर 80,983 पर बंद हुआ। निफ्टी में 225 अंक की तेजी रही, ये 24,836 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 21 शेयर चढ़कर बंद हुए। डीमर्जर के बाद टाटा मोटर्स का शेयर 5.5% चढ़ा। कोटक बैंक, ट्रेंट, सनफार्मा और एक्सिस बैंक के शेयर्स 3.6% चढ़कर बंद हुए। बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी के 50 में से 37 शेयरों में तेजी रही। एनएसई का मीडिया इंडेक्स 3.97%, प्राइवेट बैंक 1.97%, फार्मा 1.30%, हेल्थकेयर 1.27% और रियल्टी 1.10% चढ़े। अकेला सरकारी बैंकों का इंडेक्स 0.37% गिरकर बंद हुआ।

सोना 1,237 रुपये बढ़कर 1.17 लाख पर पहुंचा

अगले साल तक ये 1.55 लाख रुपये तक जा सकता है, चांदी 1.44 लाख रुपये किलो बिक रही

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दामों में आज यानी 1 अक्टूबर को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,237 रुपए बढ़कर 1,16,586 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1,15,349 रुपए पर था। वहीं, चांदी भी 1,691 रुपए बढ़कर 1,44,125 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। इससे पहले ये 1,42,434 रुपए पर थी। इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 40,424 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,16,586 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 58,108 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,44,125 रुपए प्रति किलो हो गई है। 1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना गोल्डमैन सैक्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

लोन सस्ते नहीं होंगे, क्योंकि महंगाई घटी

आरबीआई ने रेपो रेट 5.5% पर बरकरार रखा

> जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5% से बढ़ाकर 6.8% किया

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार दूसरी बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। इसे 5.5% पर जस का तस रखा है।

यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। इससे पहले अगस्त में हुई मीटिंग में भी इसमें बदलाव नहीं हुआ था। देश की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.5% से बढ़ाकर 6.8% किया। यह फैसला मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक चली मीटिंग में लिया गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यानी 1 अक्टूबर को इसकी जानकारी दी।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि कमेटी के सभी मेंबर्स ब्याज दरों में स्थिर रखने के पक्ष में थे। जीएसटी में कटौती के बाद महंगाई में कमी के चलते ये फैसला लिया गया। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी

आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। इसमें बदलाव नहीं होने का मतलब है कि ब्याज दरें न तो बढ़ेंगी न घटेंगी।

इस साल 3 बार घटा रेपो रेट, 1% की कटौती हुई

आरबीआई ने फरवरी में हुई मीटिंग में ब्याज दरों को 6.5% से घटाकर 6.25% कर दिया था। मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की ओर से ये कटौती करीब 5 साल बाद की गई थी। दूसरी बार अप्रैल में हुई मीटिंग में भी ब्याज दर 0.25% घटाई गई। जून में तीसरी बार दरों में 0.50% कटौती हुई। यानी, मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी ने तीन बार में ब्याज दरें 1% घटाई। किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है। पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है।

इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

अल्फा कॉर्प डेवलपमेंट लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर व सीएफओ संतोष अग्रवाल ने आरबीआई रेपो रेट पर कहा कि रेपो रेट 5.5% पर दूसरी बार स्थिर रखना आर्थिक स्थिरता और महंगाई नियंत्रण के लिए संतुलित कदम है।

ट्रंप टैरिफ के बीच रुपये पर आरबीआई का बड़ा कदम

सीमा पार लेनदेन में इस्तेमाल बढ़ाने के लिए हुए तीन उपाय

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को सीमा पार लेनदेन में भारतीय रुपये के व्यापक उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नए उपायों का एलान किया। ये उपाय भारतीय रुपये को वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे स्वीकार्य बनाने की केंद्रीय बैंक की रणनीति का एक हिस्सा हैं। टैरिफ के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ देश की बढ़ी तल्खी के बीच केंद्रीय बैंक के इस कदम को अहम माना जा रहा है।

सरकार कई महीनों से रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण के लिए कदम उठा रही है। रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण मतलब है कि वैश्विक व्यापार, वित्त और निवेश के लिए भारतीय मुद्रा को व्यापक रूप से स्वीकार्य बनाना और उपयोग में लाने की प्रक्रिया। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के बाद संजय मल्होत्रा ने कहा, हम इस संबंध में लगातार प्रगति कर रहे हैं।

नई घोषणा करते हुए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने रुपये के वैश्वीकरण के लिए तीन उपायों का प्रस्ताव रखा है। ये उपाय ऐसे समय पर आए हैं जब भारत रुपये को एक स्थिर मुद्रा के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। आइए इन उपायों के बारे में विस्तार से जानें।

19 किलो वाला गैस सिलेंडर 16.50 रुपये तक महंगा

जनरल रिजर्वेशन के लिए आधार जरूरी, यूपीआई से पैसे मांगने की रिक्वेस्ट बंद

मुंबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज 1 अक्टूबर से 5 बड़े बदलाव हो रहे हैं। इसमें जनरल रिजर्वेशन टिकट की ऑनलाइन बुकिंग के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होने से लेकर एनपीएस के नियमों में बदलाव शामिल है। इसके अलावा पेट्रोलियम कंपनियों ने 19 किलो वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 16.50 रुपए तक बढ़ा दिए हैं। दिल्ली में इसकी कीमत बढ़कर 1595.50 हो गई।

जनरल रिजर्वेशन के लिए आधार जरूरी

जनरल रिजर्वेशन टिकट की ऑनलाइन बुकिंग के लिए आधार वेरिफिकेशन जरूरी होगा। हालांकि, ये केवल आईआरसीटीसी की वेबसाइट या एप पर जनरल रिजर्वेशन खुलने के पहले 15 मिनट में टिकट बुक करने के लिए जरूरी होगा। 15 मिनट के बाद बिना आधार वेरिफिकेशन के भी टिकट बुक हो सकेंगे। ये नया बदलाव आम यात्रियों के फायदे के लिए लाया गया है। इससे टिकटों की कालाबजारी रुकेगी।

यूपीआई से पैसे मांगने की रिक्वेस्ट नहीं भेज सकेंगे

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने 1 अक्टूबर 2025 से यूपीआई में पीयर-टु-पीयर (P2P) कलेक्ट रिक्वेस्ट को पूरी तरह बंद करने का निर्देश दिया है। इसका मतलब है कि अब कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से यूपीआई के जरिए पैसे मांगने की रिक्वेस्ट नहीं भेज सकेगा। मर्चेंट्स (जैसे फ्लिपकार्ट, अमेजन, स्विगी, या आईआरसीटीसी) अभी भी पेमेंट कलेक्ट करने के लिए रिक्वेस्ट का इस्तेमाल कर सकेंगे।

पीएम मोदी 8 अक्टूबर को कर सकते हैं मुंबई एयरपोर्ट का उद्घाटन

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्दी ही यात्रियों के लिए खुल सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अक्टूबर को इस एयरपोर्ट का उद्घाटन कर सकते हैं।

अडानी ग्रुप के इस एयरपोर्ट को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) से एयरोड्रम लाइसेंस दे दिया है। यह लाइसेंस मिलने के बाद अब यह एयरपोर्ट सभी सुरक्षा और नियामक मानकों को पूरा करने के बाद अपना काम शुरू कर सकता है। इस बीच गौतम अडानी ने नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ा एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया है। अडानी ने इसमें लिखा, 'नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट के 8 अक्टूबर को होने

वर्कर्स से मिले गौतम अडानी

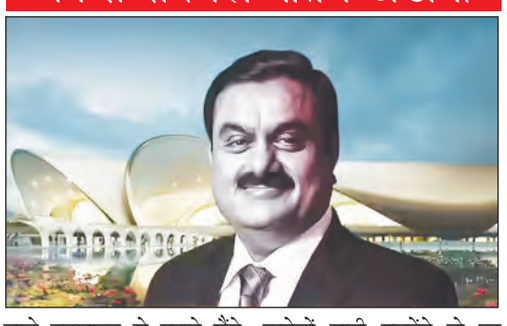

वाले उद्घाटन से पहले मैंने अपने दिव्यांग साथियों, कंस्ट्रक्शन वर्कर्स, महिला कर्मचारियों, इंजीनियरों, कारीगरों, फायर फाइटर्स और गार्ड्स से मुलाकात की जिन्होंने इस सपने को साकार में मदद की है। इसे हजारों हाथों और दिलों ने मूर्त रूप दिया है। जब लाखों उड़ानें उड़ेंगी और करोड़ों यात्री गुजरेंगे तो हर उड़ान और हर कदम पर इन लोगों की भावना की गूंज सुनाई देगी।' एयरोड्रम लाइसेंस मिलने के बाद नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने एक बयान में कहा कि इसके साथ हम नवी मुंबई को दुनिया से जोड़ने के एक कदम और करीब आ गए हैं। अडानी ग्रुप और महाराष्ट्र की शहर विकास प्राधिकरण सीडको मिलकर नवी मुंबई एयरपोर्ट को पांच चरणों में बना रहे हैं। पहले चरण में यह एयरपोर्ट हर साल 20 मिलियन यात्रियों को संभालने की उम्मीद है। एयर इंडिया, अकासा एयर और इंडिगो जैसी प्रमुख एयरलाइंस ने इस एयरपोर्ट से उड़ानें चलाने के लिए अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के साथ साझेदारी की है।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो नवी मुंबई एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानें शुरू करने वाली पहली एयरलाइन होगी। यह पहले दिन से ही 15 से अधिक शहरों के लिए 18 से अधिक डेली फ्लाइट ऑपरेट करेगी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय **06-09**
भोग्य कलि वर्ष-**426874** सूर्यास्त. **18-01**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - आश्विन शुक्ल गुरुवार **02 October**
तिथि - दशमीं **19-10** तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - उत्तराषाढ़ा **09-13** तक उपरान्त श्रवण
योग - सुकर्मा **23-28** तक उप धृति
वणिज - तैतिल **07-12** तक उप गर
त्योहार - नवरात्रि सरस्वती बलिदान
व्रत।- दुर्गानवमी पूजा

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य - कन्या	मे	कन्या--	05-08 बजे
चंद्र - मकर	मे	तुला----	07-13 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक..	09-23 बजे
बुध - कन्या	मे	धनु.....	11-37 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर...	13-44 बजे
शुक्र -सिंह	मे	कुंभ....	15-34 बजे
शनि मीन	मे	मीन....	17-12 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष.....	18-47 बजे
केतु सिंह	मे	वृष....	20-33 बजे
		मिथुन..	22-33 बजे
		कर्क....	00-46 बजे
		सिंह----	02-57 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-35 से 15-04 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-09 - 07-37 शुभ	अमृत	18-01 - 19-34 शुभ
रोग	07-37 - 09-07 अशुभ	चंचल	19-34 - 21-04 शुभ
उत्पात	09-07 - 10-37 अशुभ	रोग	21-04 - 22-35 अशुभ
चंचल	10-37 - 12-08 शुभ	काल	22-35 - 00-05 अशुभ
लाभ	12-08 - 13-38 शुभ	लाभ	00-05 - 01-36 शुभ
अमृत	13-38 - 15-08 शुभ	उत्पात	01-36 - 03-07 अशुभ
काल	15-08 - 16-38 अशुभ	शुभ.	03-07 - 04-37 शुभ
शुभ	16-38 - 18-01 शुभ	अमृत	04-37 - 06-09 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)

आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो.)

मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)

आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आपको आज बहुत सारी गलत जानकारी प्राप्त होंगी। इसीलिए औरों की सुनने और मानने की बजाय अपने आप सोच समझकर फैसले लेना अधिक उपयुक्त रहेगा । अपने तरीके और अपने नजरिये के आधार पर देखेंगे तो बिलकुल ठीक फैसला ले पायेंगे । आपकी बहु प्रतीक्षित छुट्टी जल्द ही मिलने वाली है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आप घर और ऑफिस दोनों स्थानों पर शान्तिपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश करेंगे । आपका यह अनुभव मजेदार रहेगा और आप इससे प्रेरित भी होंगे । हालांकि अपनी निजी बातें किसी के साथ भी ना बाँटें ,और कोई भी कडवा पाठ सीखने के लिए भी खुद को तैयार रखें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

पिछले कुछ समय से आप आवेग के प्रभाव में आकर फैसले ले रहें हैं ,लेकिन आज आपको योजना बनाकर सही ढंग से काम करने की महता का पता चलेगा । इसी से आपकी प्रवृति बदल जायेगी और आपके काम का ढंग नियोजित होता जाएगा । योजना बनाने के लिए कभी देर नही होती,जब जागो तभी सवेरा । योजना बनाकर आप सभी कामो को सही ढंग से कर भी पायेंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप पायेंगे कि आप कितने ही अच्छे और सही सुझाव दें,कोई आपकी बात मानने को तैयार नही है । इससे आप काफी निराश अनुभव करेंगे लेकिन आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि आपके सुझाव तो बेशक अच्छे हैं , लेकिन आपका रवैया ऐसा है कि जैसे आप किसी पर कृपा कर रहे हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप फिलहाल अपने जीवन की केन्द्रीय समस्या को सुलझाने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं । ऐसा भी संभव है कि आप इसे सुलझाने के लिए अपनी सामूजिक और वित्तीय जिम्मेदारियों से भी छुट्टी ले लें । हालाँकि आपको यह भी समझना है कि आपके जल्दी मचने से इस समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा । आपको धीरज से काम लेना होगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज अपमनी दार्शनिकताओं तथा विचारों को किसी के साथ बाँट लेने का मौका देखें ,आपकी मुलाकात एक बेहतरीन व्यक्ति से हो सकती है । इससे एक ख़ूबसूरत दोस्ती या अच्छी साझेदारी भी जन्म ले सकती है । थोड़े से ध्यान से देखने से,आप अपने आसपास से बहुत सारी चीजें सीख पायेंगेऔर यह ज्ञान आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,चीं)

आज आपकी किस्मत आपके साथ है । आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे। सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देखने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सीएसआईआर-राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान में

हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह संपन्न

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह संस्थान के एस.बी. हाल में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. अजय मांगलिक ने की। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत लंका सहयोग मंडली के निदेशक बालवेंकटेश्वर राव संकुरात्रि उपस्थित हुए।

इस अवरस पर मुख्य अतिथि बालवेंकटेश्वर राव जी ने "वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्राचीन ग्रंथों का अनुशीलन–रामायण के संदर्भ में" शीर्षक व्याख्यान दिया। अपने वक्तव्य के दौरान सरल एवं सुबोध हिन्दी में रामायण का अनुशीलन भूगोल, पुराचुंबकत्व, समुद्र विज्ञान, खगोलीय कालनिर्धारण, भाषा विज्ञान, भूगणित,

जीवाश्म विज्ञान, और पुरतत्व विज्ञान आदि पर आधारित आँकड़ों का उपयोग करके किया। उन्होंने सिद्ध किया है कि वर्तमान श्रीलंका ही रावण का लंका था। उन्होंने संस्कृत में रचित वाल्मीकि रामायण के अनेक श्लोकों का उल्लेख करते हुए अपने विश्लेषण को बहुत ही रोचक ढंग से किया। उन्होंने रामायण की मूल कृति का विश्लेषण करके रामायण का काल ई.पू. 12208 बताया। उन्होंने रामायण में वर्णित जीव-जंतु, पक्षी वगैरह के बारे में विस्तार से बताया और आधुनिक परिप्रेक्ष्य में उनके महत्व का भी उल्लेख किया। राम-सेतु का क्यों निर्माण करना पड़ा आदि बिन्दुओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। अंत में उन्होंने दर्शकों के प्रश्नों के उत्तर दिए। संस्थान के कार्यकारी निदेशक डॉ. अजय ने स्मृति चिह्न और शाल के साथ बालवेंकटेश्वर राव संकुरात्रि का सम्मान किया।

कामकाज ठप, 20 लाख कर्मचारियों की सैलरी बंद

न्यूयॉर्क, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में शटडाउन हो गया है। 2018 के बाद यह पहला मौका है जब देश शटडाउन हो गया है। अमेरिका के इतिहास में यह 22वां शटडाउन है। पिछली बार यह 22 दिसंबर 2018 को शुरू हुआ था और 25 जनवरी, 2019 तक 35 दिन चला था। यह अमेरिका में चार दशक में सबसे बड़ा शटडाउन था।

इससे अमेरिका की इकॉनमी को 3 अरब डॉलर की चपत लगी थी। अमेरिका की सरकार को अपने खर्च चलाने के लिए फंड की जरूरत होती है। यह फंड कर्ज लेकर पूरा किया जाता है। इसके लिए एक बिल अमेरिकी संसद हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में लाया जाता है। लेकिन इस बार फंडिंग बिल को संसद की मंजूरी नहीं मिली जिससे देश में शटडाउन हो गया।

शटडाउन से अमेरिका की सरकार को अपने कर्मचारियों को सैलरी देने के लिए पैसा नहीं मिलेगा। साथ ही दूसरे खर्चों पर भी रोक लग जाएगी। शटडाउन के कारण फेडरल गवर्नमेंट

का ऑपरेशन ठप हो जाएगा। 20 लाख से ज्यादा सरकारी कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिलेगी और उन्हें जबरन छुट्टी पर भेज दिया जाएगा।

कई संस्थान अस्थाई रूप से बंद कर दिए जाएंगे। इससे अमेरिका के एयरपोर्ट पर बहुत अधिक ट्रैफिक बढ़ जाएगा। सरकार को अपने खर्चों में कटौती करनी पड़ती है। इस दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली जरूरी एजेंसियों के कर्मचारी ही काम करते हैं। एयरलाइन कंपनियों ने चेतावनी दी है कि शटडाउन से उड़ानों पर सीधा असर पड़ सकता है। लेबर डिपार्टमेंट का कहना है कि वह अपनी मासिक बेरोजगारी रिपोर्ट जारी नहीं करेगा, जो आर्थिक सेहत का बारीकी से देखा जाने वाला पैमाना है। अमेरिका के सरकारी विभागों में जॉब ओपनिंग में पिछले एक हफ्ते में 87 फीसदी गिरावट आई है। कुछ ही दिनों में यह 10,000 से गिरकर 1,300 रह गई है। साफ है कि सरकार को पहले से ही शटडाउन की आशंका थी।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार संघीय सरकार के हजारों कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही धमकी दी थी कि अगर सांसद कानून पास नहीं करते, तो वे और संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकाल देंगे। हालांकि, प्रशासन ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि कितनी कटौती की उम्मीद है। मंगलवार दोपहर तक 23 सबसे बड़ी संघीय एजेंसियों में से कम से कम 21 ने यह जानकारी दी कि वे किन कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजेंगी।

यूपीआई लेनदेन की संख्या सितंबर में 31 प्रतिशत बढ़कर 19.63 अरब हुई : एनपीसीआई

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल सितंबर में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 31 प्रतिशत बढ़कर 19.63 अरब हो गई है। साथ ही, इन लेनदेन की वैल्यू सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़कर 24.90 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। यह जानकारी नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) की ओर से बुधवार को दी गई। एनपीसीआई के मुताबिक, औसत प्रति दिन लेनदेन की वैल्यू सितंबर में बढ़कर 82,991 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है, जो कि अगस्त में 80,177 करोड़ रुपए थी।

सितंबर में प्रति दिन औसत 65.4 करोड़ लेनदेन हुए, जो कि अगस्त में औसत 64.5 करोड़ थे। इससे पहले अगस्त में यूपीआई ने पहली बार 20 अरब मासिक लेनदेन का आंकड़ा पार किया था। 2 अगस्त को रिकॉर्ड 70 करोड़ से अधिक लेनदेन हुए थे।

दशहरा की 4 पौराणिक कथाएं जिनके कारण मनाया जाता है यह पर्व

आश्विन शुक्ल की दशमी को मनाए जाने वाले त्योहार को विजयादशमी और दशहरा कहते हैं। इस दिन माता दुर्गा के रूप कात्यायनी देवी ने महिषासुर का वध किया था और इसी दिन प्रभु श्रीराम ने रावण वध किया था परंतु इन दो कथाओं के अलावा भी है 2 अन्य पौराणिक कथाएं। आओ जानते हैं संक्षिप्त में ये कथाएं।

1. महिषासुर मर्दिनी कथा: रम्भासुर का पुत्र था महिषासुर, जो अत्यंत शक्तिशाली था। उसने कठिन तप किया था। ब्रह्माजी ने प्रकट होकर कहा- 'वत्स! एक मृत्यु को छोड़कर, सबकुछ मांगों। महिषासुर ने बहुत सोचा और फिर कहा- 'ठीक है प्रभो। देवता, असुर और मानव किसी से मेरी मृत्यु न हो। किसी स्त्री के हाथ से मेरी मृत्यु निश्चित करने की कृपा करें।' ब्रह्माजी 'एवमस्तु' कहकर अपने लोक चले गए। वर प्राप्त करने के बाद उसने तीनों लोकों पर अपना अधिकार जमाकर त्रिलोकाधिपति बन गया। तब सभी देवताओं ने भगवती महाशक्ति की आराधना की। सभी देवताओं के शरीर से एक दिव्य तेज निकलकर एक परम सुन्दरी स्त्री के रूप में प्रकट हुआ। हिमवान ने भगवती की सवारी के लिए सिंह दिया तथा सभी देवताओं ने अपने-अपने अस्त्र-शस्त्र महामाया की सेवा में प्रस्तुत किए। भगवती ने देवताओं पर प्रसन्न होकर उन्हें शीघ्र ही महिषासुर के भय से मुक्त करने का आश्वासन दिया। माता ने महिषासुर ने 9 दिन तक युद्ध करने के बाद 10वें दिन उसका वध कर दिया इसलिए विजयादशमी का उत्सव मनाया जाता है। महिषासुर एक असुर अर्थात दैत्य था वह राक्षस नहीं था। कहते हैं कि इसी दिन देवी सती अपने पिता दक्ष के यज्ञ में अग्नि में समा गई थीं। बाद में उन्होंने हिमावान के यहां पार्वती के रूप में जन्म लिया था।

2. राम रावण कथा: अयोध्या के राजा दशहरथ के पुत्र प्रभु श्रीराम को 14 वर्ष का वनवास हुआ। वन में उनके साथ उनकी पत्नी सीता और भाई लक्ष्मण भी गए। वन में 12 वर्ष गुजर जाने के बाद एक समय वे गोदावरी नदी के पास पंचवटी में कुटिया बनाकर रहने लगे। वहां पर लंका के राजा रावण ने छल से माता सीता का अपहरण कर लिया। इसके बाद प्रभु श्रीराम ने हनुमानजी, सुग्रीव, जामवंत और वानर सेना के माध्यम से समुद्र पर सेतु बनाया और लंका पर चढ़ाई कर दी। कहते हैं कि प्रभु श्रीराम और रावण का युद्ध कई दिनों तक चला अंत में श्रीराम ने दशमी के दिन रावण का वध कर दिया था। रावण एक राक्षस था वह असुर नहीं था। रावण वध के कारण ही दशहरा मनाया जाता है। इस दिन रावण के पुतले का दहन होता है।

3. पांडव विजय उत्सव: यह भी कहा जाता है कि इसी दिन पांडवों ने कौरवों पर विजय प्राप्त की थी। परंतु इसकी कोई पुष्टि नहीं है। महाभारत का युद्ध 22 नवंबर 3067 ईसा पूर्व को हुआ था जो 18 दिन तक चला था। असल में इस दिन अज्ञातवास समाप्त होते ही, पांडवों ने शक्तिपूजन कर शमी के वृक्ष में रखे अपने शस्त्र पुनः हाथों में लिए एवं विराट की गाएं चुराने वाली कौरव सेना पर आक्रमण कर विजय प्राप्त की थी। कहते हैं कि इसी दिन पांडवों को वनवास हुआ था।

4. कुबेर कथा: माना जाता है कि दशहरे के दिन कुबेर ने राजा रघु को स्वर्ण मुद्रा देते हुए शमी की पत्तियों को सोने का बना दिया था, तभी से शमी को सोना देने वाला पेड़ माना जाता है। कथा के अनुसार अयोध्या के राजा रघु ने विश्वजीत यज्ञ किया। सर्व संपत्ति दान कर वे एक पर्णकुटी में रहने लगे। वहां कौत्स नामक एक ब्राह्मण पुत्र आया। उसने राजा रघु को बताया कि उसे अपने गुरु को गुरुदक्षिणा देने के लिए 14 करोड़ स्वर्ण मुद्राओं की आवश्यकता है। तब राजा रघु कुबेर पर आक्रमण करने के लिए तैयार हो गए। डरकर कुबेर राजा रघु की शरण में आए तथा उन्होंने अश्मंतक एवं शमी के वृक्षों पर स्वर्णमुद्राओं की वर्षा की। उनमें से कौत्स ने केवल 14 करोड़ स्वर्णमुद्राएं ली। जो स्वर्णमुद्राएं कौत्स ने नहीं ली, वह सब राजा रघु ने बांट दी। तभी से दशहरे के दिन एक दूसरे को सोने के रूप में लोग अश्मंतक के पत्ते देते हैं।

यह भी कहा जाता है कि एक बार एक राजा ने भगवान का मंदिर बनवाया और उसमें प्राण प्रतिष्ठा करने के लिए एक ब्राह्मण को बुलाया। ब्राह्मण ने दक्षिणा में 1 लाख स्वर्ण मुद्राएं मांग ली तो राजा सोच में पड़ गया। मनचाही दक्षिण दिए बगैर ब्राह्मण को लौटाना भी उचित नहीं था तो उसने ब्राह्मण को एक रात महल में ही रुकने का कहा और सुबह तक इंतजाम करने की बात कही। रात में राजा चिंतित होते हुए सो गया तब सपने में भगवान ने दर्शन देककर कहा कि शमी के पत्ते लेकर आओ मैं उसे स्वर्ण मुद्रा में बदल दूंगा। यह सपना देखते ही राजा की नींद खुल गई। उसने उठकर शमी के पत्ते लाने के लिए अपने सेवकों को साथ लिया और सुबह तक शमी के पत्ते एकत्रित कर लिए। तभी चमत्कार हुआ और सभी शमी के पत्ते स्वर्ण में बदल गए। तभी से इसी दिन शमी की पूजा का प्रचलन भी प्रारंभ हो गया।

विजयादशमी के दिन मां दुर्गा को लगाते हैं दही चूड़ा का भोग

नवरात्रि के दशमी तिथि के दिन मां दुर्गा के विदाई का दिन माना जाता है. ऐसे में भक्त 9 दिनों तक मां दुर्गा की अलग-अलग नौ स्वरूपों की पूजा करते हैं और 9 दिन तक अलग-अलग मिष्ठान का भोग भी लगाते हैं, जिससे मां दुर्गा की कृपा हमेशा बनी रहती है।

लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुर्गा पूजा के दशमी तिथि के दिन मां दुर्गा को दही चूड़ा का भोग लगाया जाता है. दरअसल, दही चूड़ा का भोग लगाने के पीछे कई धार्मिक और वैज्ञानिक कारण छुपे हैं. इस दिन मां दुर्गा की विदाई का दिन होता है और लोग नवरात्रि और जयंती पूजन धारण करने के बाद मां दुर्गा को दही चूड़े का भोग लगाते हैं।

शुभ और फलदायक माना गया गया है दही चूड़े का भोग

दही चूड़े का भोग लगाने के पीछे का सबसे बड़ा कारण यह है कि यह एक शीतल भोग है जो देवी को उनके विदाई के समय दिया जाता है. वहीं, पूर्णिया के जानकार पंडित मानोतपल झा बताते हैं कि नवरात्रि में नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना भक्तों द्वारा की जाती है और 10वें दिन मां दुर्गा की विदाई का दिन माना जाता है।

वह इस दिन मां दुर्गा को दही चूड़े का भोग लगाना बहुत शुभ और फलदायक माना गया है. जबकि उन्होंने कहा कि दही को शुभता का प्रतीक माना गया है.

मां के विदाई के दिन दही चूड़ा का लगता भोग

ऐसे में महिलाओं के द्वारा मां दुर्गा को बेटी स्वरूप माना जाता है. जिस कारण लोग उनकी विदाई की रस्म को पूरा करने के लिए दही चूड़ा का भोग लगाती है. हालांकि, धार्मिक शास्त्रों के अनुसार यात्रा के समय दही खाना लोगों के लिए बहुत शुभ फलदायक होता है और यात्रा भी सुविधाजनक होती है. जबकि उन्होंने कहा दही वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी पाचन शक्ति के लिए सहायक होता है और शरीर को शीतल प्रदान करता है. बेटी की विदाई को लेकर कुछ क्षेत्रों में महिलाएं मां देवी को अपनी बेटी की तरह मानती है और दसवीं तिथि के दिन मां का दही चूड़ा से स्वागत करती हैं जैसा कि जब कोई बेटी अपने घर से जाती है. तब से यह परंपरा चलती आ रही है।

शमी के पत्तों में छुपा है सुख-समृद्धि का राज

हिंदू धर्म मे बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक में दशहरे का उत्सव बड़े ही धूमधाम से बनाया जाता है. देखा जा रहा है दशहरा का पर्व नजदीक है. ऐसे में आप घर में शमी का पौधा लगानें का सोच रहे हैं, तो ज्योतिषाचार्य प. आनंद भारद्वाज के अनुसार, शमी पूजनीय और पवित्र वृक्ष है. इस पेड़ के पत्ते गणेश जी, शिव जी और शनि देव को खासतौर पर चढ़ाए जाते हैं. महाभारत में पांडवों ने अज्ञातवास के समय में अपने अस्त्र-शस्त्र शमी के वृक्ष में ही छिपाए थे. आयुर्वेद में भी शमी का काफी अधिक महत्व है. कई दवाओं में इस पेड़ की पत्तियां, जड़ और तने का उपयोग होता है।

दशहरे पर शमी का पौधा लगाना बेहद शुभ

शमी के पेड़ को घर में भी लगाया जा सकता है. यह पीपल व बड़ की तरह वर्जित नहीं है. घर में इसे विजयादशमी या शनिवार को उत्तर-पूर्व में लगाना श्रेष्ठ माना गया है. इस पौधे को लगाने से शुभ फल की प्राप्ति होती है. शमी को नियमित सींचने के साथ इसके आगे दीपक जलाएं। रोजाना कम से कम एक पत्ती भगवान शिव को चढ़ाएं. ध्यान रहे कि बिना स्नान किये व रात को इसका स्पर्श बिल्कुल ना करें. किसी भी काम से घर से निकलते समय भी इसका दर्शन करें।

कौनसी दिशा है शुभ?

ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, घर की उत्तर-पूर्व दिशा के कोने में शमी का पौधा लगाना चाहिए. किसी भी शुभ दिन शमी अपने घर में लगा सकते हैं. इस पौधे की पूजा नियमित रूप से करनी चाहिए. ऐसी मान्यता है कि शमी के पौधे से घर में सकारात्मकता बनी रहती है और वास्तु के कई दोष दूर होते हैं।

शमी से जुड़ी अन्य मान्यताएं

गणेश जी को हर बुधवार शमी के पत्ते चढ़ानs चाहिए. दूर्वा की तरह ही शमी पत्ते भी गणेश जी को प्रिय हैं. मान्यता है कि शमी में शिवजी का वास होता है, इसी वजह से ये पत्ते गणेश जी को प्रिय हैं।

ये पत्ते शिवलिंग पर भी अर्पित करने चाहिए. जिन लोगों की कुंडली में शनि के दोष होते हैं, उन्हें हर शनिवार शमी के पत्ते शनि देव को चढ़ाना चाहिए. ऐसी मान्यता है कि शमी पत्तों से शनि प्रसन्न होते हैं और कुंडली के दोष दूर होते हैं।

परिवर्तन संसार का शाश्वत नियम है

इस निरंतर बदलते संसार में कुछ भी स्थायी नहीं है। रूप, रंग, विचार और प्रकृति सब बदलते रहते हैं। परिवर्तन इस संसार का शाश्वत नियम है, लेकिन जो नहीं बदलता, वह है हमारा अस्तित्व। जब ज्ञान का प्रकाश चित्त में प्रवेश करता है, तब हम अपने अस्तित्व के वास्तविक रूप को अनुभव करते हैं। यही चित्त का प्रकाश हमें हमारे सत्य स्वरूप से जोड़ता है, जिसमें अपरिमित आनंद और शांति है। यही जीवन का सार है। **-स्वामी अवधेशानंद**

दशहरा मुहूर्त, किस समय जलेगा रावण, दहन के बाद जरूर करें यह 1 काम

02 अक्टूबर, गुरुवार के दिन दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। इसे विजयदशमी के नाम से भी जाना जाता है जो बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। इसी दिन मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। सदियों से दशहरा के दिन रावण जलाया जाता है। तो आइए जानते हैं कि इस वर्ष रावण दहन और शस्त्र पूजन का शुभ मुहूर्त क्या रहेगा। साथ ही, रावण जलने के बाद एक छोटा सा काम करने से आपके घर से नकारात्मक ऊर्जा हमेशा दूर रह सकती है।

1 अक्टूबर को कन्या पूजन के बाद नवरात्रि की नवमी तिथि का समापन हो गया है। वहीं, दशमी तिथि पर दशहरा का पर्व मनाया जाएगा। इसे विजयदशमी के नाम से भी जाना जाता है, जो बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। इस दिन सदियों से रावण दहन किया जाता है और शस्त्र पूजन का भी विधान होता है। हर वर्ष आश्विन माह की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन यह त्योहार मनाया जाता है। विजयदशमी पर ही मां दुर्गा ने महिषासुर नामक राक्षस का वध किया था। यही कारण है कि यह तिथि मां दुर्गा से भी जुड़ी हुई है। दशहरा के दिन पूरे देशभर में शाम के समय रावण दहन किया जाता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस साल रावण दहन और शस्त्र पूजन का शुभ मुहूर्त कब रहने वाला है।

हिंदू पंचांग के अनुसार 1 अक्टूबर, बुधवार को शाम के 7 बजकर 2 मिनट से दशमी तिथि का आरंभ हो

जाएगा। वहीं, अगले दिन यानी 2 अक्टूबर, गुरुवार के दिन शाम के 7 बजकर 2 मिनट पर दशमी तिथि का समापन होगा। लेकिन शास्त्रीय विधान के अनुसार, उदय तिथि 2 अक्टूबर को पड़ने से इस पूरे दिन को दशमी तिथि माना जाएगा। ऐसे में दशहरा 2 अक्टूबर का रहेगा।

शस्त्र पूजन का शुभ मुहूर्त कब रहेगा

2 अक्टूबर को दोपहर के 2 बजकर 9 मिनट से लेकर 2 बजकर 56 मिनट तक दशहरा पूजन के लिए सबसे उत्तम मुहूर्त रहेगा। इस दौरान शस्त्र पूजन करना सबसे शुभ होगा। मान्यता है कि विजय मुहूर्त में व्यक्ति जो भी नया या शुभ काम करेगा उससे कई गुना फल की प्राप्ति होगी। कहा जाता है कि इस दिन दसों दिशाएं खुली रहती हैं। ऐसे में इस मुहूर्त में आप कोई नया काम या नया सामान खरीद सकते हैं। इससे जातक को कई गुना तरक्की प्राप्त हो सकती है।

रावण दहन 2025 का शुभ मुहूर्त

2 अक्टूबर, गुरुवार के दिन शाम को प्रदोष काल के समय 6 बजकर 6 मिनट से लेकर 7 बजकर 19 मिनट तक रावण दहन के लिए सर्वोत्तम समय रहेगा। इस अवधि के दौरान रावण जलाना सबसे उत्तम होगा, लेकिन विशेष परिस्थिति में 7 बजकर 45 मिनट तक भी रावण दहन किया जा सकता है।

रावण दहन के बाद जरूर करें यह काम

मान्यता है कि रावण जलने के बाद एक छोटा सा काम जरूर करना चाहिए। इसके लिए जब दशहरा के दिन रावण पूरी तरह जल जाए, तो उसमें से बची थोड़ी लकड़ी या राख को घर में लाकर रखना चाहिए। इसे ऐसे स्थान पर रखें जहां किसी भी व्यक्ति की उस पर नजर न पड़ पाए। इस उपाय को करने से जातक के घर से नकारात्मक ऊर्जा हमेशा दूर रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इससे घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

पापांकुशा एकादशी व्रत से नष्ट हो जाते हैं पाप

पापांकुशा एकादशी आमतौर पर अक्टूबर-नवंबर में आती है। इस दिन भक्त भगवान विष्णु की उपासना करते हैं और उपवासी रहकर ध्यान और भक्ति में लीन होते हैं। पापांकुशा का अर्थ है ₹पापों को पकड़ने वाला₹ और इस दिन व्रत करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है। श्रद्धालु इस दिन विशेष पूजा, पाठ और भजन करते हैं। इस एकादशी का पालन करने से मोक्ष और पुण्य की प्राप्ति होती है। इसे विशेषकर सुख-समृद्धि की कामना के लिए मनाया जाता है।

प्राचीन समय में विंध्य पर्वत पर क्रोधन नामक एक बहेलिया रहता था। वह बड़ा क्रूर था। उसका सारा जीवन पाप कर्मों में बीता। जब उसका अंत समय आया तो वह मृत्यु के भय से कांपता हुआ महर्षि अंगिरा के आश्रम में पहुंचकर याचना करने लगा- हे ऋषिवर, मैंने जीवन भर पाप कर्म ही किए हैं। कृपा कर मुझे कोई ऐसा उपाय बताएं, जिससे मेरे सारे पाप मिट जाएं और मोक्ष की प्राप्ति हो जाए। उसके निवेदन पर महर्षि अंगिरा ने उसे पापांकुशा एकादशी का व्रत करके को कहा। महर्षि अंगिरा के कहे अनुसार उस बहेलिए ने पूर्ण श्रद्धा के साथ यह व्रत किया और किए गए सारे पापों से छुटकारा पा लिया। धर्मराज युधिष्ठिर से भगवान श्रीकृष्ण एक दिन पूछने लगे कि हे भगवान, आश्विन शुक्ल एकादशी का क्या नाम है? अब आप कृपा करके इसकी विधि तथा फल

कहिए। भगवान श्रीकृष्ण कहने लगे कि हे युधिष्ठिर! पापों का नाश करने वाली इस एकादशी का नाम पापांकुशा एकादशी है। हे राजन! इस दिन मनुष्य को विधिपूर्वक भगवान विष्णु जी की पूजा करनी चाहिए। यह एकादशी मनुष्य को मनवांछित फल देकर स्वर्ग को प्राप्त कराने वाली है।

मनुष्य को बहुत दिनों तक कठोर तपस्या से जो फल मिलता है, वह फल भगवान विष्णु को नमस्कार करने से प्राप्त हो जाता है। जो मनुष्य अज्ञानवश अनेक पाप करते हैं परंतु हरि को नमस्कार करते हैं, वे नरक में नहीं जाते। विष्णु के नाम के कीर्तन मात्र से संसार के सब तीर्थों के पुण्य का फल मिल जाता है। जो मनुष्य भगवान विष्णु की शरण में जाते हैं, उन्हें कभी भी यम यातना भोगनी नहीं पड़ती। सहस्रों वाजपेय और अश्वमेध यज्ञों से जो फल प्राप्त होता है, वह एकादशी के व्रत के सोलहवें भाग के बराबर भी नहीं होता है। संसार में एकादशी के बराबर कोई पुण्य नहीं। इसके बराबर पवित्र तीनों लोकों में कुछ भी नहीं। इस एकादशी के बराबर कोई व्रत नहीं। जब तक मनुष्य विष्णु जी की एकादशी का व्रत नहीं करते हैं, तब तक उनकी देह में पाप वास कर सकते हैं।

हे नृपोत्तम! बाल्यावस्था, युवावस्था और वृद्धावस्था में इस व्रत को करने से पापी मनुष्य भी दुर्गति को प्राप्त न होकर सद्गति को प्राप्त होता है। आश्विन मास की शुक्ल पक्ष की इस पापांकुशा एकादशी का व्रत जो मनुष्य करते हैं, वे अंत समय में हरिलोक को प्राप्त होते हैं तथा समस्त पापों से मुक्त हो जाते हैं। सोना, तिल, भूमि, गौ, अन्न, जल, छतरी तथा जूती दान करने से मनुष्य यमराज को नहीं देखता।

जो मनुष्य किसी प्रकार के पुण्य कर्म किए बिना जीवन के दिन व्यतीत करता है, वह लोहार की भट्टी की तरह सांस लेता हुआ निर्जीव के समान ही है। निर्धन मनुष्यों को भी अपनी शक्ति के अनुसार दान करना चाहिए तथा धनवालों को सरोवर, बाग, मकान आदि बनवाकर दान करना चाहिए। ऐसे मनुष्यों को यम का द्वार नहीं देखना पड़ता तथा संसार में दीर्घायु होकर धनाढ्य, समृद्ध और रोग रहित रहते हैं।

क्या दीपिका और फराह खान ने एक-दूसरे को इंस्टा पर किया अनफॉलो? फराह खान ने तोड़ी चुप्पी

इन दिनों सोशल मीडिया पर एक खबर चल रही है कि कोरियोग्राफर-फिल्म निर्माता फराह खान और अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। बताया जा रहा है दोनों में किसी बात को लेकर अनबन हो गई थी, इस कारण ऐसा हुआ है। इस मामले पर फराह खान ने प्रतिक्रिया दी है और सच का खुलासा किया है।

'दीपिका पादुकोण को यह पसंद नहीं है'

हाल ही में फराह खान एक बातचीत में शामिल हुई। यहां उन्होंने दीपिका पादुकोण को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो करने वाली खबर पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में हम एक-दूसरे को फॉलो नहीं कर रहे थे। 'हैप्पी न्यू ईयर' फिल्म की शूटिंग के दौरान हमने तय किया था कि हम इंस्टाग्राम पर बातचीत नहीं करेंगे। सिर्फ सीधे मैसेज और कॉल पर बात करेंगे। हम इंस्टा पर एक-दूसरे को जन्मदिन की शुभकामनाएं भी नहीं देते, क्योंकि दीपिका को यह पसंद नहीं है।'

8 घंटे काम करने वाली बात पर भी बोलीं फराह खान

फिल्म निर्माता फराह खान ने आगे बात करते हुए दीपिका के 8 घंटे काम करने वाली अपनी टिप्पणी पर भी विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा, 'हां, मेरी 8 घंटे वाली टिप्पणी कोई कटाक्ष नहीं थी, बल्कि कुक दिलीप को यह कहने के लिए थी कि अब वह भी 8 घंटे काम करेंगे, जबकि असल में वह सिर्फ 2 घंटे काम करते हैं।'

ये अफवाहों का चलन बंद होना चाहिए

फराह खान ने आगे कहा, 'किसी भी चीज को फर्जी विवाद में बदलने का यह नया चलन बंद होना चाहिए। पिछले हफ्त कहा गया कि करण जौहर और मैंने आयुष शर्मा को रेड कार्पेट पर नजरअंदाज कर दिया, जबकि असल में हम ऊपर आने से पहले नीचे ही उनसे मिले थे।'

एक नजर दीपिका और फराह के करियर पर

दीपिका ने शाहरुख खान के साथ फराह खान द्वारा निर्देशित 'ओम शांति ओम' से ही अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वो फराह की 'हैप्पी न्यू ईयर' में भी शाहरुख के साथ काम कर चुकी हैं। दीपिका इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसमें वो एक बार फिर शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी।

'कोई आप पर काम थोप नहीं रहा' 8 घंटे की वर्किंग शिफ्ट पर रानी का बयान

बीते कुछ वक्त से बॉलीवुड इंडस्ट्री में काम के घंटों को लेकर बहस चल रही है। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे काम करने की मांग की थी, जिसके बाद उन्होंने संदीप रेड्डी वांगा की आगामी फिल्म 'स्पिरिट' को बीच में ही छोड़ दिया था। इसके बाद से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया था। इसपर कई सेलेब्स ने भी प्रतिक्रिया दी है। अब काम के घंटे को लेकर एक्ट्रेस रानी मुखर्जी ने भी रिएक्ट किया है। साथ ही उन्होंने निर्देशन में अपने करियर को लेकर भी बात कही है। चलिए जानते हैं पूरी खबर।

शूटिंग के दौरान भी कैसी रखती थीं बच्चे का ख्याल?

एएनआई से बात करते हुए रानी मुखर्जी ने फिल्म 'हिचकी' की शूटिंग के दिनों को याद किया और अपनी बेटी आदिरा के पालन-पोषण के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'जब मैंने 'हिचकी' की थी, तब आदिरा 14 महीने की थी। मुझे सबकुछ करके शहर के एक कॉलेज में शूटिंग करने जाना होता था।'

काम के बीच में जिम्मेदारियों को भी बैलेंस किया

आगे उन्होंने फिल्म की शूटिंग और पारिवारिक जिम्मेदारी के बीच में बैलेंस का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'जुहू स्थित मेरे घर से शूटिंग की जगह तक पहुंचने में लगभग दो घंटे लगते थे और

ट्रैफिक भी बहुत ज्यादा रहता था। इसलिए मैंने तय किया था कि बेटी के लिए सबकुछ करके 6:30 बजे निकल जाती और शूटिंग शुरू कर देती। मेरा पहला शॉट सुबह 8 बजे होता था और मैं 12:30 से 01 बचे बजे तक सब कुछ निपटा लेती थी। मेरे क्रू मेंबर्स बहुत योजनाबद्ध थे, जिस वजह से उन 6-7 घंटों में मैं अपनी शूटिंग पूरी कर लेती थी। शहर में ट्रैफिक शुरू होने से पहले, मैं 3 बजे तक घर पहुंच जाती थी। मैंने अपनी फिल्म इसी तरह की।'

काम के घंटे आपसी समझ पर आधारित हैं

काम के घंटे को लेकर रानी मुखर्जी ने कहा, 'आजकल ये बातें चर्चा में हैं क्योंकि शायद लोग बाहर इस पर चर्चा कर रहे हैं। लेकिन यह सभी कार्यों का एक सामान्य नियम रहा है। मैंने भी ऐसा किया है, जहां मैंने कुछ घंटों तक काम किया है। अगर निर्माता को इससे कोई आपत्ति नहीं है, तो आप फिल्म नहीं करते। इसलिए यह भी एक विकल्प है। कोई किसी पर कुछ भी थोप नहीं रहा है।'

क्या निर्देशन करना चाहती हैं रानी मुखर्जी?

अभिनेत्री से उनकी निर्देशने को लेकर रुचि के बारे में सवाल किया गया। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि मैं इस पेशे में हमेशा कहती हूं कि कभी ना मत कहो। मुझे लगता है कि मैं जिस तरह की इंसान हूं, मुझे पता होता है कि मैं कब निर्देशन के लिए तैयार हूं या मुझे पता होता है कि वह समय कब आएगा। अभी, मुझे नहीं लगता कि ऐसा है। अभी, मैं एक अभिनेत्री होने और निर्देशित होने से बहुत खुश हूं।'

रानी मुखर्जी के काम की बात करें, तो उन्हें आखिरी बार मिसेज चटर्जी वर्सेज नार्वे में देखा गया था। वहीं उनकी आगामी फिल्म 'मर्दानी 3' है।

बेटी से जुड़ी झूठी खबर फैलाने पर भड़कीं कियारा

अभिनेत्री कियारा आडवाणी इन दिनों अपने मदरहुड को एंजॉय कर रही हैं। अभिनेत्री ने 15 जुलाई को बेटी को जन्म दिया है। इसके बाद से अभिनेत्री किसी पब्लिक अपीयरेंस से फिलहाल दूर हैं और अपनी बेटी को पूरा टाइम दे रही हैं। इस बीच हाल ही में कियारा और उनकी बेटी को लेकर इंस्टाग्राम पर एक पेज ने एक पोस्ट किया। लेकिन कियारा को ये झूठी खबर और अफवाह पसंद नहीं आई। इसलिए उन्होंने तुरंत ही उस इंस्टाग्राम पेज को सच्चाई बताते हुए, इस तरह की झूठी और पुरानी खबरें न फैलाने की सलाह दे डाली।

कियारा ने गलत तरह से जानकारी देने पर लगाई लताड़

इंस्टाग्राम पेज बॉली मसाला ने हाल ही में कियारा आडवाणी और करीना कपूर का एक कोलाज अपलोड किया था। इसके कैप्शन में लिखा था, 'कियारा आडवाणी चाहती हैं कि उनकी बेटी में करीना कपूर जैसे गुण हों। उन्होंने और सिद्धार्थ ने हाल ही में एक बच्ची को जन्म दिया है।' अब कियारा ने इस पोस्ट पर नाराजगी जताई और इंस्टाग्राम पेज को सही जानकारी देने की सलाह दे डाली। कियारा ने इसी पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, 'यह हमारी फिल्म 'गुड न्यूज' के प्रमोशन के दौरान कहा गया था। कृपया पुराने इंटरव्यूज को गलत संदर्भ में रखना बंद करें।' कियारा का इस तरह से सीधा जवान देना और सच्चाई बताना लोगों को पसंद आ रहा है। कई फैंस और यूजर्स कियारा के इस कदम की तारीफ कर रहे हैं।

2019 में रिलीज हुई थी 'गुड न्यूज'

फिल्म 'गुड न्यूज' साल 2019 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में करीना कपूर, कियारा आडवाणी, अक्षय कुमार और दिलजीत दोसांझ प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। फिल्म आईवीएफ तकनीक से जुड़ी गड़बड़ी पर आधारित है। फिल्म में कियारा और करीना दोनों ही प्रेग्नेंट दिखाई गई हैं।

15 जुलाई को कियारा ने दिया बेटी को जन्म

कियारा आडवाणी ने कई दिनों तक चले अफेयर के बाद साल 2023 में अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा से शादी की थी। इसके बाद इसी साल 15 जुलाई को कपल ने अपनी पहली बेटी का स्वागत किया है। कियारा-सिद्धार्थ ने अभी तक अपनी बेटी का नाम और चेहरा सामने नहीं लाया है।

'वॉर 2' में नजर आई थीं कियारा

वर्कफ्रंट की बात करें तो कियारा आखिरी बार ऋतिक रोशन के साथ फिल्म 'वॉर 2' में नजर आई थीं। यह फिल्म कियारा के बेटी को जन्म देने के बाद रिलीज हुई थी। हालांकि, फिल्म की शूटिंग कियारा ने पहले ही पूरी कर ली थी। अब फैंस को कियारा के फिर से काम पर लौटने का इंतजार है।

पहली बार अरबपतियों की लिस्ट में शामिल हुए शाहरुख खान, टॉम क्रूज और टेलर स्विफ्ट को पीछे छोड़ा

शाहरुख खान अरबपति बन गए हैं। उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में 33 साल बिताए हैं। सुपरस्टार की कुल संपत्ति अब 1.4 बिलियन डॉलर (12490 करोड़ रुपये) है। ये आंकड़ा 1 अक्तूबर को हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 ने जारी किया है। पहले

शाहरुख खान भारत के सबसे अमीर अभिनेताओं के रूप में जाने जाते थे। अब वह वैश्विक स्तर पर सबसे अमीर अभिनेताओं में शामिल हो गए हैं।

क्या दूसरी बार मां बनने वाली हैं सोनम कपूर?

कई मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया कि अनिल कपूर की बेटी सोनम कपूर दूसरी बार मां बनने वाली हैं। जब इस बारे में सोनम के ताऊजी और फिल्म प्रोड्यूसर बोनी कपूर से बात की।

बोनी ने कहा- 'मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं.. अब तक मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता इसलिए इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। जब तक मुझे पूरी तरह से यकीन न हो जाए, तब तक इस बारे में बात करना ठीक नहीं होगा।'

सोनम की प्रेग्नेंसी की अचानक उठी चर्चाएं

बुधवार सुबह से इन चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया कि सोनम कपूर फिर से प्रेग्नेंट हैं और वो जल्द ही इसकी घोषणा भी कर सकती हैं। कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया कि सोनम कपूर अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं।

हालांकि, सोनम या उनके पति आनंद आहूजा की ओर से इन खबरों पर कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। वहीं अब जब हमने उनके ताऊ बोनी कपूर से इस मामले में बात की, तो उन्होंने भी इस बारे में कुछ भी जानकारी न होने की बात कही। इससे अब अभी तक ये कंफर्म नहीं है कि सोनम सच में फिर से मां बनने वाली हैं या फिर ये सिर्फ अफवाहें हैं।

2018 में हुई थी सोनम की शादी, 2022 में दिया बेटे वायु को जन्म

अभिनेत्री सोनम कपूर ने साल 2018 में बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। शादी के चार साल बाद अगस्त 2022 में दोनों ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया था। सोनम ने अपने बेटे का नाम वायु रखा है। सोनम अक्सर सोशल मीडिया पर वायु

की तस्वीरें साझा करती रहती हैं। वहीं अनिल कपूर भी अपने नाती की तस्वीरों को शेयर करते रहते हैं। अब वायु के जन्म के लगभग तीन साल बाद फिर से ये चर्चाएं उठ रही हैं कि सोनम कपूर अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में यहां तक कहा जा रहा है कि सोनम अपनी प्रेग्नेंसी के सेकंड ट्राइमेस्टर में हैं। हालांकि, अभी तक इन चर्चाओं पर कोई पुष्टि नहीं हुई है।

बॉलीवुड में पतली होने पर उड़ाया जाता था मजाक : अमृता राव

अमृता राव हाल ही में अक्षय कुमार-अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आईं हैं। अमृता ने साल 2003 में शाहिद कपूर के साथ फिल्म 'इश्क विश्क' से अपने करियर की शुरुआत की थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी और अमृता रातोंरात स्टार बन गई थीं। हालांकि, अब अमृता ने बताया कि पहली फिल्म हिट होने के बाद वो इंडस्ट्री की पॉलिटिक्स का शिकार हुईं। एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए पुराने घटनाक्रमों को याद किया।

मैगजीन के कवर फोटो से फोटोशॉप हुईं अमृता

यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर रणवीर अल्लाहबादिया के 'द रणबीर शो' पर अमृता ने करियर के शुरुआती दिनों में हुई राजनीति को याद किया। बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने बताया, 'मुझे याद है जब 'इश्क विश्क' रिलीज हुई थी, तब शाहिद और मैंने फेस ऑफ द ईयर, सुपरस्टार ऑफ टुमॉरो या ऐसा ही कोई अवॉर्ड जीता था। उस मैगजीन के कवर पेज के लिए एक फोटोशूट होना था। मैं अवॉर्ड के साथ बैठी थी। शाहिद मेरे पीछे अवॉर्ड के साथ खड़े थे। दोनों तरफ दो सुपरस्टार अभिनेत्रियां बैठी थीं। एक और बहुत ही मशहूर अभिनेता और एक अभिनेत्री थीं, जो बहुत ही मशहूर थीं। कवर पेज का लेआउट कुछ

ऐसा ही था। हम बहुत खुश और रोमांचित थे। मैं सोच रही थी, मेरा पहला कवर यहां आने वाला है। लेकिन जब मैंने कवर देखा तो सब कुछ फोटोशॉप किया हुआ था। मुझे बैकग्राउंड में ले जाया गया था और कोई अन्य फोरग्राउंड में था।'

हर जगह होती है राजनीति

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि यह कवर देखकर मैं हैरान थी। क्योंकि कवर बिल्कुल भी ऐसा नहीं दिखना चाहिए था। ऐसी चीजें पहले भी हो चुकी हैं। इसके अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें होंगी, जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं होगा। अमृता ने कहा कि पहले मुझे बहुत बुरा लगता था। मैं पूछती थी कि मेरे साथ ऐसा क्यों हो रहा है। लेकिन अब मैं कह सकती हूं कि राजनीति हर जगह है। स्कूलों में, कॉलेजों में, यहां तक कि आपकी सोसाइटी की बैठकों में भी। इसलिए आपको खुद को राजनीति से निपटने के लिए तैयार करना होगा। बाहर की दुनिया हमेशा आपको नीचे गिराने की कोशिश करती रहती है।

पतले होने पर उड़ाया गया मजाक

इस दौरान अभिनेत्री ने एक और किस्से को याद करते हुए बताया कि जब मैंने इंडस्ट्री में कदम रखा था, तो मुझे बहुत पतली होने के लिए डांटा जाता था। अमृता ने अपनी मौसी की सलाह याद की कि जब वह पतली थीं तो उनका मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन जब उनका वजन बढ़ा, तो उसके लिए भी उनका मजाक उड़ाया गया। जब उनका वजन आदर्श था, तब किसी ने उनकी तारीफ नहीं की।

'जॉली एलएलबी 3' में नजर आई हैं अमृता

'इश्क-विश्क' से अपनी शुरुआत करने वाली अमृता ने अपने करियर 'मैं हूं ना', 'विवाह' और 'जॉली एलएलबी' जैसी कई हिट फिल्में भी की हैं। हालांकि, उनका करियर कुछ खास नहीं रहा। हाल ही में अमृता अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आई हैं। इसमें उन्होंने जॉली त्यागी यानी अरशद वारसी की पत्नी का किरदार निभाया है। इस फिल्म को भी दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है।

तेलुगु अभिनेत्री डिंपल हयाती पर नौकरानी ने लगाए मारपीट के आरोप, पति विक्टर पर भी दर्ज हुआ मामला

तेलुगु अभिनेत्री डिंपल हयाती कानूनी पचड़े में फंसती दिख रही हैं। अभिनेत्री और उनके पति विक्टर डेविड पर अपने घरेलू नौकर के साथ दुर्व्यवहार करने का मामला दर्ज किया गया है। घरेलू नौकरानी द्वारा उत्पीड़न, मारपीट और दुर्व्यवहार का आरोप लगाने के बाद दंपति के खिलाफ हैदराबाद के फिल्मनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। फिल्मनगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस अब मामले की जांच कर रही है

शिकायतकर्ता का आरोप- दंपति ने दीं गालियां, खाने को नहीं मिला खाना

शिकायतकर्ता प्रियंका बिबर ओडिशा के रायगढ़ जिले की रहने वाली हैं। प्रियंका 22 सितंबर को काम की तलाश में हैदराबाद पहुंची थीं। उसी दिन उन्हें शेखपेट स्थित वामसीराम के वेस्टवुड अपार्टमेंट में डिंपल और डेविड के घर पर नौकरानी के रूप में रखा

गया था। जानकारी के मुताबिक, प्रियंका ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उन्हें लगातार अपमानित किया गया, गालियां दी गईं और सही से खाना भी नहीं दिया गया। इस कारण 29 सितंबर को दंपति और प्रियंका के बीच विवाद हुआ, जिसमें प्रियंका ने कहा कि उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। प्रियंका ने दावा किया कि अभिनेत्री और उनके पति ने उन्हें धमकाया था और जब उन्होंने घटना को रिकॉर्ड करने की कोशिश की तो डेविड ने उनका फोन छीन लिया और उसे तोड़ दिया।

2023 में दर्ज हुआ था आपराधिक मामला

इससे पहले डिंपल और उनके पति डेविड के खिलाफ 2023 में एक आपराधिक मामला भी दर्ज किया गया था, जिसमें उन पर आईपीएस अधिकारी राहुल हेगड़े की गाड़ी को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया था। गाड़ी हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर खड़ी थी। यह घटना तब हुई जब डेविड ने गलती से राहुल की कार को टक्कर मार दी, जिसके बाद अधिकारी के ड्राइवर चेतन कुमार ने अभिनेता से नुकसान के बारे में पूछताछ की। हालांकि, हयाती ने जवाब में कार को और लात मारी, जिसके बाद चेतन ने जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी।

पंचायत चुनाव से पहले कैबिनेट विस्तार की चर्चा तेज

मिलेंगी राजनीतिक नियुक्तियां; 6 को मिल सकता है मौका

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई है। प्रदेश में होने वाले निकाय और पंचयात चुनाव से पहले भजनलाल कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। राजस्थान में अभी 24 मंत्री (12 कैबिनेट मंत्री, 9 राज्य मंत्री, 2 उप-मुख्यमंत्री और 1 मुख्यमंत्री) हैं। मंत्रिमंडल में छह पद खाली हैं। ऐसे में छह नए चेहरों को जगह दी जा सकती है।

सूत्रों के अनुसार भजनलाल कैबिनेट में से कुछ ऐसे मंत्रियों की छुट्टी भी की जा सकती है, जिनका प्रदर्शन सही नहीं है। इसके अलावा कुछ के विभागों में फेरबदल भी संभव है। बता दें कि लंबे समय से भजनलाल कैबिनेट का विस्तार टला हुआ है। लेकिन अब आगामी चुनावों से पहले जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने के लिए कैबिनेट विस्तार जल्द संभव है।

दरअसल, राजस्थान में बीजेपी सरकार को बने 21 माह हो चुके हैं। अब मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा जोर पकड़ रही है। सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले दिनों में कई बार दिल्ली का दौरा किया है।

इन दौरों में उन्होंने बीजेपी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की है। माना जा रहा है कि इन मुलाकातों में मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल को लेकर अहम मंत्रणा हुई है। आलाकमान के साथ अंतिम चर्चा के बाद जल्द ही विस्तार की घोषणा हो सकती है।

प्रदेश सरकार के लिए यह चुनाव किसी परीक्षा से कम नहीं हैं, क्योंकि प्रदेश की भाजपा सरकार के कार्यकाल में ये पहले चुनाव होंगे। ऐसे में निकाय और पंचायत चुनाव भजनलाल सरकार के लिए बहुत अहम है।

शेखावाटी-आदिवासी क्षेत्र पर फोकस

पार्टी का सबसे अधिक फोकस शेखावाटी, आदिवासी क्षेत्र और पूर्वी राजस्थान पर है। यहां भाजपा को विधानसभा और लोकसभा दोनों ही चुनावों में झटका लगा है। इसके अलावा चुनावों से पहले भाजपा उन समुदायों को साधने की कोशिश करेगी जो खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं।

एसीबी की जांच से जलदाय विभाग में मचा हड़कंप

जल जीवन मिशन में हुआ 900 करोड़ का टेंडर घोटाला

रडार पर आएंगे 50 इंजीनियर

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत इरकॉन कंपनी के फर्जी प्रमाण पत्रों से किए गए 900 करोड़ के टेंडर घोटाले की परतें खोलने के लिए एसीबी की सक्रियता से पूरे जलदाय विभाग के इंजीनियरों में खलबली मच गई है।

एसीबी की ओर से विभाग के एसीएस अखिल अरोड़ा को लिखे पत्र के अनुसार श्रीश्याम व गणपति टयूबवैल कंपनी ने इरकॉन कंपनी के फर्जी प्रमाण पत्र लगाकर अतिरिक्त मुख्य अभियंता जयपुर द्वितीय क्षेत्र व इसके अधीन जयपुर ग्रामीण सर्कल में रेवडी की तरह 600 करोड़ के करीब 80 टेंडर ले लिए।

अब विभाग से टेंडर घोटाले से जुड़ी सत्यापित पत्रावलियां मिलने के बाद एसीबी घोटाले की परत दर परत खोलने की तैयारी कर रही है। विभाग के एक सीनियर इंजीनियर ने बताया कि अगर एसीबी की जांच अंजाम तक पहुंचती है तो पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय जयपुर रीजन में तैनात रहे कनिष्ठ अभियंता से अधीक्षण अभियंता स्तर के 50 से ज्यादा इंजीनियर नप सकते हैं।

43 करोड का टेंडर शाहपुरा डिवीजन में

एसीबी की ओर से जलदाय एसीएस को लिखे पत्र में दोनों फर्मों की ओर से फर्जी प्रमाण पत्र लगा कर 101 टेंडर लिए गए हैं। फर्जी प्रमाण पत्र से सबसे बड़ा जयपुर ग्रामीण सर्कल के शाहपुरा डिवीजन में 43 करोड़ का बड़ा टेंडर लिया गया। इसी तरह से सबसे छोटा 51 लाख की लागत का टेंडर जमवा रामगढ़ में लिया। वहीं जयपुर प्रथम के तहत फर्जी प्रमाण पत्र से 34 करोड़ का टेंडर झुन्झुनुं में भी लिया गया।

2019 में भी दिए गए थे टेंडर

जानकारी के अनुसार फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर 2019 में भी जयपुर जिले में फर्जी प्रमाण पत्रों से कई फर्मों को करोडों रुपए के टेंडर दिए गए। लेकिन कोई शिकायत नहीं मिलने का आधार बनाते हुए उच्च अधिकारियों ने टेंडर घोटाले को दबा दिया।

'प्रशासन-वाइस चांसलर आरएसएस के दबाव में कर रहे हैं काम'

शस्त्र पूजन कार्यक्रम पर बोले अशोक गहलोत

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के शस्त्र पूजन कार्यक्रम को लेकर हुई हिंसा अब राजनीतिक तूल पकड़ चुकी है। इस घटनाक्रम पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर लिखा कि विश्वविद्यालय प्रशासन की गलती के कारण यह हिंसक स्थिति बनी। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर प्रशासन ने परिसर में RSS को शस्त्र पूजन जैसे कार्यक्रम की अनुमति क्यों दी। गहलोत ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय प्रशासन और वाइस चांसलर आरएसएस के दबाव में काम कर रहे हैं।

घटना के बाद पुलिस ने एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। इस कार्रवाई पर गहलोत ने तीखी प्रतिक्रिया दी और लिखा कि विश्वविद्यालय से आए वीडियो में स्पष्ट दिख रहा है कि पुलिसकर्मी खुद एनएसयूआई कार्यकर्ताओं की गाड़ियों में तोड़फोड़ कर रहे थे।

गहलोत ने जयपुर पुलिस कमिश्नर से बात कर कड़ी नाराजगी जताई और हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को जल्द रिहा करने की मांग की। उन्होंने आगे लिखा कि RSS द्वारा की गई हिंसा में गंभीर रूप से घायल छात्र रवीन्द्र मेघवाल से भी बात कर उनकी कुशलक्षेम जानी और डॉक्टरों से उनके बेहतर इलाज के संबंध में जानकारी ली।

हाईकोर्ट की टिप्पणियों से 'मानसिक तनाव' में आई मंजू शर्मा

कोर्ट में लगाई याचिका

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. मंजू शर्मा ने राजस्थान हाईकोर्ट में एक विशेष अपील याचिका दायर की है। यह याचिका 28 अगस्त 2021 को हाईकोर्ट की एकलपीठ द्वारा एसआई भर्ती-2021 को रद्द करने के फैसले और उनके खिलाफ की गई टिप्पणियों को चुनौती देने के लिए दायर की गई है। मंजू शर्मा ने याचिका में मांग की है कि उनके खिलाफ की गई अनुचित टिप्पणियों को हटाया जाए और भर्ती प्रक्रिया रद्द करने के आदेश पर पुनर्विचार किया जाए। हाईकोर्ट इस मामले में आगामी सप्ताह में सुनवाई कर सकता है। मंजू शर्मा ने याचिका में दावा किया है कि इन टिप्पणियों से उनकी सामाजिक और पेशेवर छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इसके चलते उन्हें मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा, जिसके कारण उन्हें 1 सितंबर 2025 को आरपीएससी सदस्य के पद से इस्तीफा देना पड़ा। राज्यपाल ने 15 सितंबर 2025 को उनका इस्तीफा स्वीकार किया था। मंजू शर्मा ने कोर्ट से अनुरोध किया है कि उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने वाली इन टिप्पणियों को हटाया जाए और भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने के फैसले की समीक्षा की जाए।

शिक्षा मंत्री दिलावर ने पीसीसी चीफ डोटासरा को बताया बेईमान मित्र, पूर्व सीएम गहलोत के बयान का दिया हवाला

सीकर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को लेकर बड़ा बयान दिया है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि डोटासरा मेरे बेईमान मित्र हैं, जो पहले शिक्षकों के तबादलों में पैसे ले रहे थे। दरअसल, शिक्षा मंत्री सीकर में पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती के जन्मदिवस के उपलक्ष में आयोजित खेल प्रतियोगिता में शिरकत करने के लिए पहुंचे थे। जहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने यह बयान दिया।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि डोटासरा में बहुत गुण थे, लेकिन मुझ में वह गुण नहीं है। पिछली सरकार के समय जब डोटासरा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पास बैठे थे, तब गहलोत ने शिक्षकों से पूछा था कि क्या तबादलों में पैसे चलते हैं। तब इस बात पर शिक्षकों ने हां कहा था। इसका मतलब यही है कि डोटासरा शिक्षकों के तबादलों में पैसे ले रहे थे।

मदन दिलावर ने कहा कि डोटासरा मेरे मित्र हैं, बहुत अच्छे मित्र हैं, लेकिन वह बेईमान मित्र हैं। मदन दिलावर ने कार्यक्रम के दौरान लोगों से स्वदेशी प्रोडक्ट अपनाने की भी अपील की। सीकर से रवाना होने के बाद अब शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पुष्कर जाएंगे। जहां पर वह कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे।

गौरतलब है कि इससे पहले सीकर के रामगढ़ शेखावाटी में रविवार को आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में डोटासरा ने कहा था कि शिक्षा मंत्री मदन दिलावर हैं, लेकिन उनमें शिक्षा का कोई भी नाम नहीं है। पिछले जन्म में किसी ने उनका फोन छीन लिया था, इसलिए अब वह फोन छीन रहे हैं।

3 करोड़ रुपए का 'नशा' भस्म, तस्करी होती तो युवा पीढ़ी हो जाती बर्बाद

स्मैक की बोरियां भरकर लाए पुलिसकर्मी

बाड़मेर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाड़मेर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत जब्त मादक पदार्थों को पुलिस फायरिंग रेंज में नष्ट किया। यह कार्रवाई न्यायालय के आदेशानुसार एसपी नरेंद्र सिंह मीणा की अध्यक्षता में गठित कमेटी की निगरानी में की गई।

पुलिस के अनुसार, बाड़मेर जिले के विभिन्न थानों में दर्ज 21 प्रकरणों से जब्त 18 क्विंटल, 61 किलो, 447 ग्राम डोडा पोस्त और 166 ग्राम स्मैक को सुरक्षित विधि से जलाकर नष्ट किया गया। इनकी अनुमानित कीमत 3.12 करोड़ रुपए है।

इन मामलों में थाना गुड़ामालानी के तीन, धोरीमन्ना के सात, चौहटन के सात और सदर थाने के चार प्रकरण शामिल रहे। एसपी नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि थानों के मालखानों में लंबे समय तक जब्त मादक पदार्थ रखे रहने से स्थान की कमी और सुरक्षा संबंधी दिक्कतें उत्पन्न होती हैं। इसलिए न्यायालय के आदेशानुसार इन्हें समय-समय पर नष्ट किया जाता है।

जोधपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के निर्देश पर बाड़मेर जिले में नशा उन्मूलन अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया कि हाल ही में गुड़ामालानी, धोरीमना, चौहटन और सदर थाना क्षेत्रों से जब्त किए गए 21 मामलों में 18 क्विंटल से अधिक डोडा पोस्त और 170 ग्राम स्मैक को न्यायालय की अनुमति के बाद पुलिस फायरिंग रेंज में नष्ट किया गया। यह कार्रवाई ड्रग निस्तारण कमेटी की देखरेख में पूरी की गई।

एसपी मीणा ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आने से युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। इस खतरे को रोकने के लिए पुलिस तस्करी के साथ-साथ सामाजिक आयोजनों में होने वाली डोडा पोस्त और अफीम की पारंपरिक पेशकश पर भी पैनी नजर रख रही है। उनका कहना है कि इस मुहिम का मकसद नशे के अवैध कारोबार को जड़ से खत्म कर समाज के युवाओं को सुरक्षित भविष्य देना है।

जोधपुर सेंट्रल जेल में वांगचुक से मिलने पहुंचे माकपा सांसद, प्रशासन ने नहीं दी अनुमति

जोधपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। लेह-लद्दाख हिंसा के आरोपी और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक से मिलने पहुंचे माकपा सांसद अमराराम को जोधपुर सेंट्रल जेल प्रशासन ने अनुमति देने से इनकार कर दिया। सांसद के साथ आए कार्यकर्ताओं ने जेल के बाहर नारेबाजी की, लेकिन पुलिस की समझाइश के बाद वे लौट गए।

सेंट्रल जेल पर रोके गए सांसद और कार्यकर्ता

माकपा सांसद अमराराम अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जोधपुर पहुंचे और वांगचुक से मुलाकात करने का प्रयास किया। पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने मामले को गंभीरता से लेते हुए एडीसीपी नाजिम अली, एडीसीपी सुनील के. पंवार, एडीसीपी वीरेंद्र सिंह और अन्य अधिकारियों को मौके पर भेजा। सुरक्षा बलों ने सांसद और कार्यकर्ताओं को जेल से कुछ दूरी पर ही रोक दिया।

बिना अनुमति मुलाकात असंभव

जेल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि बिना अनुमति किसी भी व्यक्ति से मुलाकात संभव नहीं है, खासकर तब जब आरोपी पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत कार्रवाई की गई हो। सांसद अमराराम ने मेल के जरिए अनुमति मांगी, लेकिन जेल प्रशासन ने लिखित जवाब में मुलाकात की इजाजत से साफ इनकार कर दिया। इसके बाद अमराराम और उनके कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की, लेकिन पुलिस ने उन्हें शांत कर समझाइश देकर वहां से रवाना किया।

वांगचुक की गिरफ्तारी और पृष्ठभूमि

जानकारी के मुताबिक, 24 सितंबर को लद्दाख में राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शन में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हुए थे। वांगचुक पर प्रदर्शनकारियों को उकसाने का आरोप लगा और उन्हें एनएसए के तहत गिरफ्तार किया गया। इसके बाद उन्हें राजस्थान की जोधपुर सेंट्रल जेल भेजा गया। इस घटना के बाद लेह में एहतियातन मोबाइल इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई थी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने वांगचुक को हिंसा के लिए जिम्मेदार ठहराया, जबकि वांगचुक ने अपने खिलाफ लगे आरोपों को खारिज किया था।

ऊंट निर्यात पर 11 साल बाद हटाया प्रतिबंध

वसुंधरा सरकार ने कानून बना लगाई थी रोक

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान का राज्य पशु और रेगिस्तान का जहाज कहलाने वाले ऊंट के निर्यात पर भजनलाल सरकार ने प्रतिबंध हटा लिया है। लगभग 11 साल पहले तत्कालीन वसुंधरा सरकार ने ऊंट को राज्य पशु घोषित करते हुए इसके वध को निशेध करने व अन्य राज्यों में इसकी खरीद-बिक्री पर रोक लगाने के लिए विधानसभा में राजस्थान ऊंट (वध का प्रतिषेध और अस्थायी प्रजनन या प्रवासन का विनियमन) अधिनियम, 2015 पारित करवा करवाया था। अब मौजूदा सरकार ने ऊंटों की घटती आबादी को आधार बनाकर अन्य राज्यों में अस्थायी प्रजनन या प्रवासन की अनुमति देने संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है। राज्य सरकार का कहना है कि यह फैसला ऊंटों की गिरती संख्या और पशुपालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सशर्त निर्यात और प्रवासन की अनुमति से जहां ऊंटपालकों को राहत मिलेगी, वहीं उनके संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

पशुपालन विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, ऊंटों को राज्य से बाहर ले जाने के लिए अब कुछ जरूरी प्रक्रियाओं और शर्तों का पालन करना अनिवार्य होगा। अधिसूचना के अनुसारः

राज्य से ऊंटों को बाहर ले जाने के लिए संबंधित सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेनी होगी।

पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा ऊंट का स्वास्थ्य परीक्षण कर प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। बिना स्वास्थ्य प्रमाण पत्र के ऊंट का परिवहन अवैध माना जाएगा।

यदि ऊंट को अस्थायी प्रजनन या कृषि उद्देश्यों के लिए ले जाया जा रहा है, तो उसका स्पष्ट उल्लेख करना होगा और वापसी की तिथि भी निर्धारित करनी होगी।

यदि ऊंट अस्थायी रूप से राज्य से बाहर ले जाया गया है, तो उसे निर्धारित समयावधि में वापस लाना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर अनुमति स्वतः निरस्त हो जाएगी।

अधिनियम की धारा 15 के उपबंध (7) के तहत कृषि और शैक्षणिक प्रयोगों हेतु ऊंटों को ले जाने के लिए विशेष अनुमति दी जा सकेगी। ऊंट का प्रयोग कहां, किस उद्देश्य से और कितने समय के लिए किया जा रहा है, इसका पूरा विवरण अनुमति पत्र में देना होगा।

राज्य सरकार ने कहा – नियमों के उल्लंघन पर राजस्थान ऊंट (वध निषेध और अस्वीकृत प्रवास या नियमन) अधिनियम–2015 के तहत कार्रवाई होगी। इसमें ऊंट को मारने पर 7 साल तक की सजा है। अवैध परिवहन, तस्करी पर 6 माह से 3 साल तक की सजा और 3 हजार से 25 हजार तक जुर्माना देना होगा।

मधु किन्नर हत्याकांड का मुख्य शूटर गिरफ्तार, पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद

जयपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाजसेवी मधु किन्नर हत्याकांड के ब्लाइंड मर्डर केस में कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस ने महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस हत्याकांड को अंजाम देने वाले कुख्यात शूटर पवन कुमार गुर्जर को हरियाणा के झज्जर से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी पर पहले से ही 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार बिश्नोई ने बताया कि 10 सितंबर को मधु किन्नर नीमराना के रीको औद्योगिक क्षेत्र में अपनी कार में बैठी थीं, तभी एक नकाबपोश बदमाश ने नजदीक से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी थी। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया था। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि मुख्य शूटर पवन गुर्जर ने मधु किन्नर की हत्या करने के लिए 10 लाख रुपये की सुपारी ली थी। पुलिस ने आरोपी के पास से वारदात में इस्तेमाल की गई पिस्टल और जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। बताया गया कि पवन गुर्जर पर झज्जर सिटी थाना क्षेत्र में पहले से ही हत्या, एनडीपीएस एक्ट सहित कई गंभीर मामले दर्ज हैं। एसपी बिश्नोई ने बताया कि इस हत्याकांड में पहले ही तीन आरोपियों नरेश उर्फ सोनिया, सीमा किन्नर और मोहम्मद जावेद उर्फ समीर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है। मुख्य शूटर की गिरफ्तारी के बाद अब इस सनसनीखेज हत्याकांड की साजिश और मकसद पूरी तरह सामने आने की संभावना है।

हनी ट्रैप में फंसाने वाले बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़, एक महिला सहित 13 गिरफ्तार

कोटा, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। संगठित अपराधों पर नकेल कसने के लिए चली मुहिम में झालावाड़ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। महीनों से निगरानी में चल रहे हेमराज सुमन गैंग का भंडाफोड़ करते हुए 1 महिला सहित 13 बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरोह बीमा धोखाधड़ी से लेकर हनीट्रैप, जबरन वसूली और अवैध कारोबार तक में सक्रिय था।

पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने बताया कि 24 सितम्बर को आसुचना अधिकारी कोतवाली ने एक गोपनीय परिवाद पेश किया था। जिसके अनुसार कुछ आपराधिक व्यक्तियों द्वारा गिरोह बना रखा है, जो ट्रेक्टर व अन्य बडे वाहनो को फाईनेंस पर उठाकर कुछ दिनों बाद ही खुर्द बुर्द करते हुए झूठे चोरी के मुकदमे दर्ज करवाकर लाखो में बीमा राशि उठा लेते है। थाना सारोला का हिस्ट्रीशीटर हेमराज सुमन अपने कुछ साथियो व कुछ यूपी के बदमाश लडको के साथ मिलकर उक्त अवैध काम कर रहे है। पुलिस ने तुरंत रणनीति बनाकर कार्रवाई का प्लान तैयार किया।

एसपी कुमार और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चिरंजीलाल मीणा के निर्देशन में करीब 20 टीमों ने एक साथ झालावाड़, झालरापाटन, सारोला और कोटा में दबिश दी और मुख्य सरगना हेमराज सुमन और उसके साथियों को रंगे हाथों पकड़ा गया। हेमराज की स्विफ्ट डिजायर कार की तलाशी में डिक्की से पुलिस वर्दी, पुलिस ड्रेस के जूते, लकडी-पाईप व अन्य महिला का बलात्कार के आशय का टाईप शुदा परिवाद और दादिया स्थित मकान की तलाशी में कई बैको के पासबुक-चेकबुक, कई गाड़ियों के मूल दस्तावेज, सम्पति खरीद-फरोख्त सम्बन्धी स्टाम्प, इकरारनामा आदि और 06 अलग अलग वाहनो की नम्बर प्लेटें बरामद किये गये।

जोधपुर में बैठकर 10 करोड़ की ठगी

बिहार का एक और महाराष्ट्र के 8 शातिर गिरफ्तार, ऐसे लोगों को दे रहे थे धोखा

जोधपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाना पुलिस ने साइबर अपराध विरोधी विशेष अभियान के तहत लगभग 10 करोड़ रुपए की ऑनलाइन ठगी का खुलासा किया है। इस मामले में 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जो महाराष्ट्र और बिहार के विभिन्न जिलों से संबंध रखते हैं। पुलिस ने ठगी में प्रयुक्त 31 मोबाइल फोन, 13 एटीएम कार्ड, 5 लैपटॉप, हिसाब-किताब की डायरी और अन्य सामग्री भी बरामद की है। थानाधिकारी ईश्वर चंद्र पारीक के अनुसार आरोपियों ने ऑनलाइन गेमिंग के जरिए लोगों को जुए और सट्टे में फंसाकर ठगी की। आरोपी पिछले दो माह से जोधपुर के पॉश इलाके आशापूर्णा एन्क्लेव स्थित एक बंगले में किराए पर रहकर अवैध गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। जांच में सामने आया कि ये आरोपी प्रतिदिन औसतन 20-25 लाख रुपए की ठगी कर रहे थे। दो महीने में इनके द्वारा कुल लगभग 10 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी मास्टर रेड्डी एन्ना 190 और 100 पैनल नामक मुख्य वेबसाइट तथा सहायक वेबसाइटों के माध्यम से 350 से अधिक ऑनलाइन गेम, क्रिकेट मैच सट्टा, कसीनो और एविएटर जैसे गेम्स संचालित कर रहे थे। आरोपियों ने जीत की राशि के रिफंड या रिजेक्शन के नाम पर भी ग्राहकों को धोखा दिया।

मणप्पुरम गोल्ड फाइनेंस घोटाले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

4 किलो से अधिक सोना और नकली जेवर बरामद

भरतपुर, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्वालियर जिले के डबरा स्थित मणप्पुरम गोल्ड फाइनेंस में हुए करोड़ों के घोटाले में पुलिस ने आरोपी पिता-पुत्र को 4 किलो से ज्यादा सोने के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों को राजस्थान के भरतपुर और उत्तरप्रदेश के आगरा में तलाश रही थी। बता दें कि मणप्पुरम गोल्ड फाइनेंस कंपनी का असिस्टेंट मैनेजर विकास कुमार इस पूरे मामले का मास्टर माइंड था। विकास ने लॉकर में रखी ज्वेलरी के हूबहू नकली ज्वेलरी आगरा से तैयार करवाई और उसे आठ डिब्बों में लाकर रख दिया। इससे पहले उसने लॉकर की डुप्लीकेट चाबी भी हासिल कर रखी थी।

29 सितंबर को मणप्पुरम गोल्ड लोन के दिव्यरंजन मोहंती ने डबरा सिटी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह कंपनी में एरिया हेड के रूप में पदस्थ है। शिकायत में बताया गया कि इनकी शाखा में 24 सितंबर को जब लेखा-जोखा देखा गया तो कंपनी की तिजोरियों में गिरवी रखे 4 किलो 318 ग्राम सोने के जेवर, जिनकी कीमत लगभग 5.7 करोड रुपए से ज्यादा थी, गायब थे और उनकी जगह नकली गहने रखे हुए मिले। घटना 20 और 21 सितंबर के बीच की बताई गई थी। पुलिस ने जब पूरे मामले की जांच-पड़ताल शुरू की तो असिस्टेंट ब्रांच मैनेजर विकास की भूमिका संदिग्ध लगी। आरोपी गोल्ड चुराने के बाद छुट्टी लेकर गायब हो गया था। पुलिस ने विकास और उसके पिता महेश को भरतपुर से गिरफ्तार कर लिया है और उनके कब्जे से 4 किलो से ज्यादा सोना बरामद भी हो गया है। पुलिस को 67 हजार रुपये की नगदी भी मिली है।

भाजपा ने स्थानीय निकाय चुनावों के लिए उम्मीदवारों का चयन शुरू किया

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तेलंगाना में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्य भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने घोषणा की कि पार्टी लोगों की सेवा करने का एक मज़बूत अवसर देख रही है, क्योंकि लोग सुशासन और विकास के लिए भाजपा की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। बुधवार को करीमनगर में पत्रकारों को संबोधित करते हुए, राव ने कहा कि सबसे पहले ज़िला परिषद प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया जाएगा, और 'बी-फ़ॉर्म' जारी किए जाएँगे, जहाँ उम्मीदवारों का सर्वसम्मति से चयन किया जाएगा। उन्होंने पुष्टि की कि भाजपा वार्ड सदस्यों से लेकर जेडपीटी स्तर तक सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, और विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी बहुमत हासिल करेगी।इसके अलावा, राव ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम जारी करने के बाद पार्टी अपने पदाधिकारियों, विधायकों, सांसदों और ज़िला प्रभारियों के साथ बैठक कर चुकी है।

एनसीसी निदेशालय का एआईवीएससी दल सम्मानित

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनसीसी निदेशालय, आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना (एपीएंडटी) ने 18 से 29 सितंबर तक वायु सेना स्टेशन जलाहल्ली, बेंगलुरु में आयोजित प्रतिष्ठित अखिल भारतीय वायु सैनिक शिविर (एआईवीएससी) - 2025 में सफलतापूर्वक भाग लिया। यह शिविर, एयर विंग कैडेटों के लिए राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसमें देश भर के सभी 1% एनसीसी निदेशालयों के बीच जीवंत प्रतिस्पर्धा देखी गई। एपीएंडटी निदेशालय का प्रतिनिधित्व 38 कैडेटों के दल द्वारा किया गया, जिसमें 24 सीनियर डिवीजन (एसडी) और 12 सीनियर विंग (एसडब्ल्यू) कैडेट शामिल थे। दल ने विभिन्न विमानन-उन्मुख और सामान्य एनसीसी गतिविधियों में असाधारण प्रतिबद्धता, टीम वर्क और कौशल का प्रदर्शन किया। कैडेटों ने उड़ान, ड्रिल, लाइन एरिया, स्कीट शूटिंग, .22 फायरिंग, एयरोमॉडलिंग, ड्रोन हैंडलिंग और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जैसे कार्यक्रमों में भाग लिया। 6 (ए) एयर स्क्वाड्रन एनसीसी, विशाखापत्तनम के सीपीएल के उदय ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता, जिसमें उन्होंने कैडेट प्रशिक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व के एक महत्वपूर्ण घटक, व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वास्थ्य प्रथाओं के अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया। एनसीसी निदेशालय एपी एंड टी के उप महानिदेशक, एयर कमोडोर नरसिंह सैलानी ने एआईवीएससी की टीम को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि निदेशालय आगामी शिविरों और प्रतियोगिताओं में और अधिक ऊँचाइयों को छुता रहेगा।

नुमाइश मैदान में दशहरा मेला 2 अक्टूबर को

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी दशहरा सम्मेलन समिति द्वारा नुमाइश मैदान में 22 सितंबर से आयोजित 53 वां रामायण मेला का समापन 2 अक्टूबर को प्रदर्शन मैदान के विशाल प्रांगण में रावण दहन के साथ संपन्न होगा। राजस्थानी प्रदेश समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल एवं रामायण मेला के प्रधान संयोजक एवं प्रधानमंत्री गोविंद राठी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि दशहरा मेला का शुभारंभ शमी पूजन के साथ होगा। इस कार्यक्रम में एजिबिशन समिति के पदाधिकारी उपाध्यक्ष सुकेश रेड्डी मंत्री बि.एन.राजेश्वर सहमंत्री टी. चंद्रशेखर कोषाध्यक्ष डॉक्टर एन. संजीव कुमार भाग लेंगे। गोविंद राठी ने बताया कि तेलंगाना संस्कृत डिपार्टमेंट द्वारा लोक कलाकारों द्वारा नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। %:30 बजे भगवान श्री राम जी का राज्याभिषेक होगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा के पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय उद्योगपति कन्हैया लाल लोया समाजसेवी राजकुमार मालपानी, अग्रसेन बैंक के अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल,फाइन केब के मैनेजिंग डायरेक्टर बृज गोपाल भूतडा एवं समाजसेवी गोविंद शाह विशेष रूप से शामिल होंगे। 8:00 बजे अतिथियों का सत्कार के पश्चात रंग बिरंगी आतिशबाजी होगी। इसके पश्चात रावण मेघनाथ कुंभकरण के पुतलों का दहन होगा। रामायण मेले के समितियों के पदाधिकारी ने आयोजन स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विशाल जन समुदाय की उपस्थिति के मद्देनज़र सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान पुलिस की पैनी नजर रहेगी। नगरद्वय के सभी नागरिकों को दशहरा मेले में आने का आह्वान किया गया है। बंडारू दत्तात्रेय को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने के लिए प्रधान संयोजक गोविंद राठी और गिरधारी लाल डागा ने निमंत्रण दिया। गोविंद राठी ने आगे बताया कि इस कार्यक्रम में सभी को बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए और इसको सफल बनाना चाहिए।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फालो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

निविदा सूचना संख्या 90 से 98_ डीआरएम_डब्ल्यू एचवायबी 25 दि.26-09-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रापण के माध्यम से दि.22/10/2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

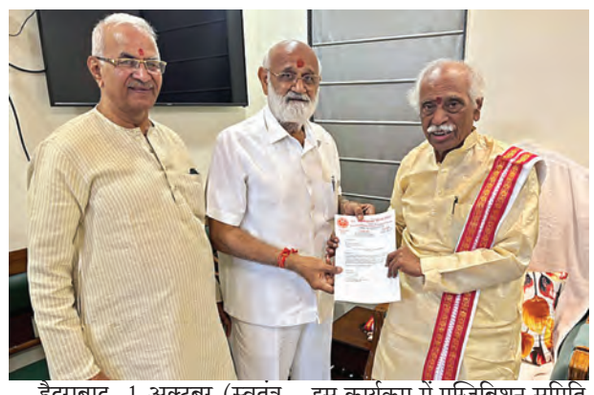

निविदा संख्याः 90_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः क) हैदराबाद डिवीजनः गदवाल पर लाकअप रूम्स, शौचालयों आदि सहित आरपीएफ आउट पोस्ट बिल्डिंग का निर्माण कार्य तथा फर्नीचर सहित 06 बेड आरपीएफ बैरक की व्यवस्था। ख) हैदराबाद डिवीजनः कर्नूल टाउन पर फर्नीचर सहित 10 बेड फिमेल(महिला) आरपीएफ बैरक का निर्माण कार्य। अनुमानित मूल्य रू.2,14,38,325.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,57,200.00

निविदा संख्याः 91_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः एमजेएफ-एमएलवाय सेक्शनः वर्कशाप्स/एलजीडीः (1) टीएसएमडी (इएमयु कार शेड), कैरेज वर्कशाप एवं डिजल लोको शेड पर 3.10 किमी का सीटीआर (एस) कार्य। (2) एससी-एमयुइ सेक्शनः मेन लाइन्स के एसएसइ/पी.डब्ल्यू/एमइडी सेक्शन में पीएससी स्लीपर्स इंडर रीलीजड सहित ट्राली रेफ्युजेस एवं बाउण्डरी पिल्लर्स की फिक्सिंग करना। अनुमानित मूल्य रू.2,13,01,738.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,56,500.00

निविदा संख्याः 92_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः एबीएसएस के तहत बासरा, उमरी एवं धर्माबाद रेलवे स्टेशनों पर सुधार कार्य। अनुमानित मूल्य रू.5,00,89,117.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.400,500.00

निविदा संख्याः 93_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सिकंदराबाद-ढोने सेक्शनः (1) संपूर्ण ट्रैक नवीनीकरण या रिन्युएल- कुल लंबाई 38.10 किमी (किमी 197.40 से 235.50) के लिए, सीटीआर (पी) कार्य। 2) संपूर्ण ट्रैक नवीनीकरण या रिन्युएल- कुल लंबाई 21 किमी (किमी 236.20 -- 240.80, 242.80-257.40, 257.70-- 259.50) का सीटीआर (पी) कार्य एवं 1.70 किमी (किमी 259.50-- 261.20) के लिए टीआरआर कार्य। (3) संपूर्ण ट्रैक नवीनीकरण या रिन्युएल- कुल लंबाई 34.60 किमी (किमी 261.20 से 295.80) के लिए, सीटीआर (पी) कार्य। अनुमानित मूल्य रू.7,91,19,958.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.5,45,600.00

निविदा संख्याः 94_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः एससी-डीएचएनइ, डीकेसी-केएसएन एवं जीडब्ल्यूडीडब्ल्यू-आरसी सेक्शन्स के विविध स्थानों पर रेल जायन्ट्स का इन-सिटु वेल्डिंग कार्य (मंजूर या सैंक्शन्ड कार्यों का भाग (1) 27 सेट्स का टीटीआर तथा 10 सेट्स का टीटीआर कार्य (2) 182.80 किमी का टीएफआऱ कार्य)। अनुमानित मूल्य रू.38,72,692.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.77,500.00

निविदा संख्याः 95_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः पीसीओएमज आफिस फ्लूर (दूसरी मंजिल, रेल निलयम) के नवीनीकरण या रिनोवेशन हेतु प्रस्ताव। अनुमानित मूल्य रू.3,75,36,742.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.3,37,700.00

निविदा संख्याः 96_ डीआरएम_डब्ल्यू _एचवायबी _25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः वर्ष 2025-26 के लिए एसएसइ/डब्ल्यूएमएलवाय क्षेत्राधिकार एवं एडीइएन/इआयआय/एचवायबी के नियंत्रण के तहत आयआरआयएफएम/एससी कैम्पस में वार्षिक मरम्मत/रखरखाव कार्य। अनुमानित मूल्य रू.1,15,61,997.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,07,800.00

निविदा संख्याः 97_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः पीसीएमएम कान्फरंस हाल तथा पीसीएमएम चेम्बर, 6 वीं मंजिल, रेल निलयम का नवीनीकरण/ मरम्मत कार्य। अनुमानित मूल्य रू.1,10,84,813.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,05,400.00

निविदा संख्याः 98_ डीआरएम_डब्ल्यू_एचवायबी _25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सीडब्ल्यूएस/एलजीडी के डेमु शेड, वाटर टैंक सेक्शन तथा अन्य स्थानों पर वाटर गट्टर, शेड रूफ वाटर लीकेजेस का मरम्मत कार्य। अनुमानित मूल्य रू..52,41,610.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.1,04,800.00

एसआर.डीइएन/को-आर्ड/हैदराबाद

PUB/1215

निविदा सूचना संख्याः 5-सीडब्ल्यूएमएलजीडी आरबीके-इटी-2025-26 शुद्धिपत्र सं.1

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से सीडब्ल्यूएम/एलजीडीएस द्वारा ई-टेंडर नं. 5-सीडब्ल्यूएमएलजीडीआरबीके-इटी-2025-26 के प्रति ई-निविदा आमंत्रित है। बिड्डर्स या बोलीदाताओं को अनुमति दी जाती है कि, वे अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे।इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

ठेकेदारों को यह अनुमति दी जाती है कि, वे केवल आनलाइन में आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध पेमेन्ट्स पध्दतियों जैसे नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से ही इस निविदा से जुडी पूर्व धरोहर राशि-पूधरा का भुगतान कर सकते हैं। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक डिपाजिट रिसीप्ट्स, एफडीआऱ आदि जैसे मैन्युएल पेमेन्ट्स अमान्य हैं।

कार्य विवरणः रेल बोगी कारखाना, दमरे, यादगिर जिला, कर्नाटक राज्य-585221 पर वेल्डिंग टार्च कन्जूमेबुल्स सहित एलएचबी फिएट बोगी की पेन्टिंग एवं फैब्रिकेशन कार्य। जीएसटी सहित निविदा मूल्य रू.2,85,00,950.00 (रु.दो करोड पिच्यासी लाख नौ सौ पचास मात्र), पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,92,500.00, (रू. दो लाख बानवे हजार पांचसौ मात्र), मात्राः 1000 (नग), अवधिः 12 महिने

निविदा बंद करने की तिथि/समयः मौजूदाः 06.10.2025 के 11.00 बजे, संशोधितः 21-10-2025 के 11.00 बजे

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने के लिए नोटिस बोर्ड स्थानः चीफ वर्कशाप मैनेजर का कार्यालय, कैरेज वर्कशाप, लालागुडा, सिकंदराबाद-500017

निविदा शर्तें /अधिक जानकारी (निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध) एवं निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग, शुद्धिपत्रों हेतु कृपया हमारे वेबसाइटः http://www.ireps.gov.in/ देखें।

उप मुख्य यांत्रिक अभियंता-।।
सीडब्ल्यूएस, लालागुडा, सिकंदराबाद

PUB/1216

कार पलटने से युवक की मौत

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को शमीरपेट के बाहरी इलाके में एक कार पलटने की दुर्घटना में आद्रासपल्ली रंगा रेड्डी जिले के तनुश की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, तनुश तेज गति से कार चला रहे थे और लिंगापुर थांडा पहुँचने पर स्टीयरिंग पर नियंत्रण खो दिया। कार सड़क के मध्य भाग से टकराकर पलट गई। दुर्घटना में कार में मौजूद एक अन्य यात्री भी घायल हुआ। शमीरपेट पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हुज़ुराबाद सब-स्टेशन में बिजली का झटका, कारीगर की मौत

करीमनगर, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को हुज़ुराबाद सब-स्टेशन पर ड्यूटी के दौरान कारीगर बोडा शंकर रेड्डी (40) की बिजली का झटका लगने से मौत हो गई। हुज़ुराबाद मंडल के रंगापुर निवासी शंकर रेड्डी काम के दौरान अचानक बिजली के तार के संपर्क में आ गए। उन्हें तुरंत सहायता नहीं मिल सकी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ई-निविदा सूचना संख्याः जीएनटी /ई.18/टीआरडी/2025--.26

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु ठेकेदारों से दि.24-10-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः 01, निविदा शीर्षकः गुंटूर डिवीजनः 1) किमी 2/36-38 बेट एसजेएल-टीइएल पर एलसी नं.228 के मिड सेक्शन एलसी गेट का प्रस्तावित इन्टरलाकिंग कार्य। 2) किमी 260/12-13 बेट एनडीएल-पीएनएम पर एलसी नं.180 के मिड सेक्शन एलसी गेट का प्रस्तावित इन्टरलाकिंग कार्य। 3) एनआरडीपी-वीएलजी के बीच किमी 27/3-4 पर एलसी नं.13 के मिड सेक्शन एलसी गेट का प्रस्तावित इन्टरलाकिंग कार्य तथा 4) एमएजी-केसीसी स्टेशनों के बीच किमी 24/25-27 के लेवल क्रासिंग गेट नं. 17 बी पर इओएलबी सहित एमओएलबी का प्रतिस्थापन या रिप्लेसमेंट करना -परिवर्तन या माडिफिकेशंस।

निविदा संदर्भ संख्याः जीएनटी/ई.18/टीआरडी/2025-26, दि. 26-09-2025, अनुमानित मूल्य रू. 42,43,370.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु. 84,900.00, निविदा प्रपत्र मूल्य (अप्रतिदेय) रु.शून्य

ई-बिड्स या ई-बोलियों की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 24-10-2025 के 15.30 बजे तक

किसी भी विस्तृत विवरण हेतु दि. 26-09-2025 को या इसके बाद दि. 24-10-2025 के 15.30 बजे तक वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर लाग आन करें। किसी भी अधिक संचार/शुद्धिपत्र को केवल ई-पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से ही सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता,
टीआरडी, गुण्टूर

ई-निविदा सूचना

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.24-10-2025 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम संख्याः01, कार्य विवरणः निविदा सूचना सं. व तिथिः एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-ई13-ओटी-25-26, दि.29-09-2025, विजयवाडा डिवीजनः सिग्नल व दूरसंचार विभागः विजयवाडा डिवीजन पर डिजीटल इएलडी का प्रावधान एवं आटो फ्यूज चेंज ओवर सिस्टम के प्रावधान द्वारा रिलाएबिलीटी सुधार कार्यों सहित तत्संबंधित एसएण्डटी कार्य। निविदा मूल्य रू. 1,24,49,450.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रु.2,12,300.00 केवल आनलाइन या बिड सेक्युरिटी के माध्यम से, सीटीबी रु. शून्य, पूरा करने की अवधिः 180 दिन

क्रम सं. 01, विवरणः बंद करने की तिथि व समयः दि.24-10-2025 के 15.30 बजे तक

निविदा शर्ते/अन्य विवरण जैसे संपूर्ण कार्य विवरण, उपरोक्त कार्यों से जुडा तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदण्ड आदि वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में उपलब्ध हैं।

भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, किसी भी निविदा के कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए निविदा बंद करने की तिथि से पहले, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

निविदा सूचना को, विभागीय रेल प्रबंधक (सिग्नल एण्ड टेलिकाम) का कार्यालय, द.म.रेलवे, विजयवाडा पर स्थित नोटिस बोर्ड पर भी प्रदर्शित किया गया है।

रेल प्रशासन के पास, कोई भी कारण न देते हुए निविदा को रध्द या कैंसिल करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

विभागीय रेल प्रबंधक (एस एण्ड टी),
A1534 **विजयवाडा**

निविदा शर्ते नियम/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

एनसीसी कैडेटों ने 178 यूनिट रक्तदान किया

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-13 (आईयूसी-आरडीसी) के अंतर्गत, सिकंदराबाद समूह की 1 तेलंगाना ईएमई एनसीसी इकाई ने राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के उपलक्ष्य में लायंस क्लब हैदराबाद - एलीट कॉस्मॉस के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शहर के मसाब टैंक स्थित सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में आयोजित इस शिविर में कैडेटों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 178 यूनिट रक्तदान किया। कैडेटों ने इस नेक कार्य में योगदान देने पर गर्व और संतुष्टि व्यक्त की, यह मानते हुए कि दान किए गए प्रत्येक यूनिट रक्त में तीन लोगों की जान बचाने की क्षमता है। इस पहल ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला, कैडेटों में जागरूकता बढ़ाई और स्थानीय ब्लड बैंक में महत्वपूर्ण योगदान दिया। यह कार्यक्रम कैडेटों को स्वैच्छिक रक्तदान के जीवन रक्षक प्रभावों के बारे में शिक्षित करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य किया। एनसीसी इकाई का उद्देश्य स्वास्थ्य जागरूकता और पर्यावरण संबंधी पहलों सहित ऐसी सामुदायिक सेवा गतिविधियों को जारी रखना है, जिससे कैडेटों में स्वयंसेवा की भावना को बढ़ावा मिले। रक्तदान शिविर एक शानदार सफलता थी और इसने समुदाय और राष्ट्र की सेवा के प्रति एनसीसी कैडेटों के समर्पण को दर्शाया।

चेन्नई की धन्यधरा पर 2 अक्टूबर 2025 को श्री राधाकृष्णजी मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम हेतु चेन्नई से पधारे श्री कुमावत समाज ट्रस्ट साहूकारपेट के रमेश अलोदिया, चम्पलाल धमाणिया और इस आयोजन हेतु निमंत्रण आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत, कुमावत समाज तेलंगाना के अध्यक्ष सोनाराम तिलायचा, कुमावत समाज ज्ञानबाग कॉलोनी के अध्यक्ष रूपाराम भोपा, कुमावत समाज कुकटपल्ली के अध्यक्ष हीरालाल हिंदड़ कुमावत समाज ट्रस्ट मैलारदेवपल्ली काटेदान के संरक्षक प्रकाश अलोदिया, जोगाराम बाकरेचा, सुखराज घोड़ावड़, हनुमानलाल बाकरेचा (काटेदान), कानाराम हांगर, बाबूलाल अडाणिया, सोहनलाल मानणिया (चाचा), बुद्धराम होतवाल, ओमप्रकाश मावर, कालुराम ईटाड़ा, राकेश मावर को निमंत्रित किया गया।

नारसिंगी स्थित श्री कृष्णा गौशाला में नवरात्रि के पावन अवसर पर राजपूत समाज द्वारा मंगलवार 30 सितम्बर को आयोजित श्री करणीमाताजी के ग्यारहवें जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए विश्नाराम, गोविन्दराम सुथार । अवसर पर अतिथियों का सम्मानकर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए राजपूत समाज हैदराबाद के समस्त सदस्य व भक्तगण ।

डुंडीगल में घर से सोने-नकद की चोरी

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार रात डुंडीगल के बौरामपेट स्थित कीर्ति होम्स के एक घर में अज्ञात चोरों ने सेंध लगाई। उन्होंने 14 तोले सोने के आभूषण और 20,000 रुपये नकद चुराकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, मकान मालिक कृष्णा अपने परिवार के साथ घर से बाहर थे, जबकि उनकी बुजुर्ग माँ घर में सो रही थीं। घटना सीसीटीवी में कैद हुई, जिसमें दो नकाबपोश चोर अपराध करते दिखे। डुंडीगल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर / Santoshnagar, सैदाबाद पोस्ट / Saidabad P.O. हैदराबाद / Hyderabad - 500 059.
फोन / Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, 245302243, फैक्स / Fax : 040-24531802

विज्ञापन सं. 20/2025/एनआईसीआरए

साक्षात्कार के माध्यम से **दि.15-10-2025 के 10.00** बजे यंग प्रोफेशनल-II (पद-1) पद को अस्थायी तौर पर भरा जायेगा। विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता./-
प्रशासकीय अधिकारी

मंदबुद्धि लडका यपराल से लापता

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेपाल का रहने वाला एक मंदबुद्धि लडका यपराल के शैली गार्डन एरिया से लापता है। वह लगभग पांच फिट आठ इंच लंबा व गोरा है। थोडी बहुत हिंदी बोल लेता है। उसके गायब होने की रिपोर्ट लिखा दी गई है। जिस किसी को भी यह बच्चा दिखाई दे वे बीजेयूपी राजपूत सेवा संघ हैदराबाद के अध्यक्ष ललन सिंह उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार सिंह एवं बीर सिंह को सूचित कर सकते हैं।

एक शाम माँ भगवती का जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उप्पल काँचवानी सिंगारम स्थित कुमावत समाज उप्पल हैदराबाद के तत्वावधान मे मंगलवार 30 सितम्बर सायं 7.15 बजे से भोजन-प्रसादी एवं रात्रि 9.15 बजे से पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलितकर

एक शाम माँ भगवती के नाम विशाल जागरण का आयोजन किया गया। जिसमे महावीर मारवाड़ी ने राजस्थानी अंदाज़ मे माताजी के चरणो मे भजनों के पुष्प अर्पित किये ।

पधारे सम्मानित अतिथियों का पदाधिकारियों द्वारा शॉल व साफे से स्वागत किया गया । भोजन-प्रसादी की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रखी गयी।

अध्यक्ष भियाराम मंगलोड़ा ने समाज बन्धुओं को नवरात्रि की शुभकामनाँए देते हुए बताया कि समाज के विकासशील कार्यो को समाज बन्धुओं के सहयोग से शीघ्र पूर्ण करेंगे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संरक्षक अमरचंद अडाणिया, परामर्शदाता श्रवणकुमार मालीवाड़, अध्यक्ष भियाराम मंगलोड़ा, उपाध्यक्ष लिकमाराम मनावत, सचिव रमेशकुमार अडाणिया, संगठन मंत्री सोहनलाल मावर, मोतीलाल बाकरेचा, कोषाध्यक्ष नोरतमल ऐकलिया, सहसचिव हनुमानराम बाकरेचा, खेलमंत्री तेजाराम अडाणिया, मदनलाल बोड़ावड़, प्रचार मंत्री हरिराम बाकरेचा, सलाहकार बंशीलाल बावलेचा, सहप्रचार मंत्री भुराराम पिपाड़ा, पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। संरक्षक अमरचन्द अडाणिया के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन्न हुआ ।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फालो करें। द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

वाय/सी.79/सीएटीजी/ई-नीलामी/2024, दि.29-09-2025

PUB/1229

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा आईआरईपीएस **वेबसाइटः**https://www.ireps.gov.in की ई-नीलामी लीजिंग माड्यूल के माध्यम से ई-बोलियां आमंत्रित हैं। कैटलाग्स का विवरण निम्न प्रकार हैः

क्रम संख्या	श्रेणी	कैटलाग संख्या	कार्य विवरण	नीलामी तिथि	नीलामी शुरू समय	नीलामी बंद समय
1	कैटरिंग जीएमयु एण्ड एसएमयु	एचवायबी-सीएटीजी-016	शादनगर (002), कर्नूल सिटी(008), महबूबनगर (007), मनोहराबाद (001), निजामाबाद (010) पर टी स्टाल कान्ट्राक्ट्स (ठेका) प्रदान करना।	10.10.2025	10:00	11:00

A1551 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, हैदराबाद

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती में भक्तों ने भाग लिया। मुख्य यजमान प्रमोद कुमार सरायवाला, राजेंद्र कुमार अग्रवाल बताया कि दशहरा के उपलख्य में विशेष पूजा होगी। आज की पूजा में गोपाल बलदेवा संध्या रानी अग्रवाल संतोष अग्रवाल माया अग्रवाल दिया अग्रवाल, राधेश अग्रवाल अशोक लाखोटिया सुभाष अग्रवाल, विठ्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले, पीसी जैन प्रमोद सरायवाला अशोक अग्रवाल सरायवाला दीपक सरायवाला प्रवीण अग्रवाल सुधाकर पम्पति किलाश अग्रवाल भोज रेड्डी, डॉ राधा कृष्ण अशोक रूंगटा, दण्डु ने भाग लिया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaartha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वैभव सूर्यवंशी ने 78 बॉल पर सेंचुरी जमाई

ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ 8 चौके और 9 छक्के लगाए, वेदांत के 140 रन

ब्रस्बेन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का जलवा जारी है। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ पहले यूथ टेस्ट मैच के दूसरे दिन वैभव ने सिर्फ 78 बॉल पर सेंचुरी जमा दी। उन्होंने 86 गेंदों पर `113 रन की पारी खेली। वेभव ने 9 चौके और 8 छक्के जमाए। यानी उनके 84 रन चौके और छक्के से आए।

भारत अंडर-19 की ओर से वेदांत त्रिवेदी ने भी सेंचुरी जमाई। उन्होंने 191 गेंदों पर 19 चौके की मदद से 140 रन बनाए। भारत ए की पहली पारी 423 रन बनाकर ऑलआउट हई। ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की पहली पारी 243 रन पर सिमटी थी। इस तरह भारतीय टीम ने 185 रन की बढ़त हासिल की।

वेदांत के साथ सेंचुरी पार्टनरशिप

ऑस्ट्रेलिया की टीम मैच के पहले दिन बुधवार को ऑलआउट हो गई थी। आज भारत की पारी के साथ खेल की शुरुआत हुई.। वैभव और आयुष महात्रे ने पहले विकेट के लिए 47 रन क पार्टनरशिप की। आयुष को हेडन शिलर ने आउट किया। नंबर 3 पर आए विशान 6 रन ही बना सके। उन्हें टॉम पैडिंगटन ने पवेलियन भेजा इसके बाद वैभव और वेदांत ने सेंचुरी पार्टनरशिप की।तीसरे विकेट की पार्टनरशिप में वैभव-वेदांत ने 134 गेंदों पर 152 रन जोड़े। वैभव का विकेट भी शिलर को मिला।

खिलन पटेल हाफ सेंचुरी से चूके

वैभव और वेदांत के अलावा और कोई बल्लेबाज हाफ सेंचुरी भी नहीं जमा सका। खिलन पटेल ने 49 रन बनाए। अभिज्ञान कुंडू ने 26 और राहुल कुमार ने 23 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से हेडन शिलार और विल मालाजुक ने 3-3 विकेट लिए। आर्यन शर्मा ने दो और टॉम पैंडिंगटन ने एक विकेट लिया।

पहले दिन दीपेश ने लिए 5 विकेट

मैच के पहले दिन दिन तेज गेंदबाज दीपेश देवेंद्रन के 5 विकेट की बदौलत भारत अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया U19 को 243 रन पर ऑलआउट कर दिया। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान विल मालाजुक ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला किया। ब्रिसबेन के इयान हीली ओवल में खेले जा रहे मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 की टीम 91.2 ओवर में ऑलआउट हो गई। तमिलनाडु के 17 साल के क्रिकेटर दीपेश ने 16.2 ओवर में 45 रन देकर 5 विकेट लिए। वहीं, किशन कुमार ने 16 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट हासिल कर बेहतरीन सपोर्ट दिया।

यशस्वी जायसवाल का टाइम मैगजीन ने माना लोहा

100 लोगों की इस लिस्ट में दी जगह, बने इकलौते क्रिकेटर

वाशिंगटन, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। यशस्वी जायसवाल को वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम इंडिया में चुना गया है. लेकिन, ये सीरीज शुरू हो उससे पहले ही उन्होंने अपने नाम का डंका बजवा लिया है. भारत के बाएं हाथ के इस ओपनर का लोहा टाइम मैगजीन ने माना है. अमेरिका की इस प्रतिष्ठित पत्रिका ने दुनिया के 100 सबसे उभरते हुए प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में यशस्वी को जगह दी है. बड़ी की बात ये है कि टाइम मैगजीन की इस लिस्ट में जगह बनाने वाले यशस्वी जायसवाल भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के इकलौते क्रिकेटर हैं.

टाइम ने जारी की 100 ऐसे लोगों की लिस्ट

टाइम मैगजीन ने दुनिया भर से लोगों को इस लिस्ट के लिए चुना है, फिर चाहे वो एंटरटेनमेंट फील्ड से हों, स्पोर्ट्स, पॉलटिक्स, फैशन या कोई और. अपने-अपने क्षेत्रों में जिन लोगों ने भी अपना प्रभाव छोड़ा है, उन्हें टाइम की 100 नेक्स्ट की लिस्ट में जगह मिली है. सबसे बड़ी बात ये कि इस लिस्ट में जगह बनाने के लिए टाइम की ओर से उम्र की कोई सीमा भी नहीं थी.

टाइम 100 नेक्सट 2025 में दुनिया के 5 खिलाड़ी

बात अगर स्पोर्ट्स वर्ल्ड की करें तो इस फील्ड से कुल 5 एथलीटों को टाइम मैगजीन की साल 2025 की 100 नेक्स्ट लिस्ट में जगह दी गई है. ये पांचों खिलाड़ी अलग-अलग खेल के हैं, जिनके नाम इस प्रकार हैं- लैमिन यामल, पैगे ब्यूकर्स, टेलर फ्रिट्ज़, जीनो थितिकुल और यशस्वी जायसवाल हैं.

इनमें लैमिन यामल फुटबॉलर हैं. पैगे ब्यूकर्स बास्केटबॉल खिलाड़ी हैं. टेलर फ्रिट्ज़ टेनिस प्लेयर हैं. जीनो थितिकुल गोल्फर हैं तो वहीं यशस्वी जायसवाल क्रिकेटर.

लिस्ट में यशस्वी इकलौते क्रिकेटर, बाकी है ये खास बात

टाइम की इस 100 नेक्स्ट लिस्ट की सबसे खास बात ये है कि इसमें जगह बनाने वाले यशस्वी दुनिया के एकमात्र क्रिकेटर हैं. वहीं इस लिस्ट में 50 से ज्यादा महिलाओं ने अपनी जगह बनाई है. वहीं इस लिस्ट में जगह बनाने वाली पर्सन 16 साल की एलिस्टन बेरी हैं.

आईसीसी टी20आई रैंकिंग : अभिषेक शर्मा ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

कोहली-सूर्या को भी छोड़ा पीछे, बने टी20 के नए बादशाह

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। अभिषेक शर्मा टी20 क्रिकेट में इस समय धमाल मचा रहे हैं और उन्होंने एशिया कप 2025 में कमाल की बल्लेबाजी की. अब आईसीसी की नई टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग सामने आई है और अभिषेक शर्मा ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है. उन्होंने इंग्लैंड के डेविड मलान को पीछे छोड़ दिया और टी20 क्रिकेट में अब तक सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं. अभिषेक ने 931 अंक दर्ज किए, जो अभी तक सबसे ज्यादा है. भारत के लिए सबसे ज्यादा आईसीसी टी20 रैंकिंग हासिल करने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में वो विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव से आगे निकल चुके हैं.

आईसीसी टी20आई रैंकिंग में सबसे ज्यादा रेटिंग

रैंक	खिलाड़ी	देश	रेटिंग
1	अभिषेक शर्मा	भारत	931
2	डेविड मलान	इंग्लैंड	919
3	सूर्यकुमार यादव	भारत	912
4	विराट कोहली	भारत	909

अभिषेक शर्मा ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

टीम इंडिया के लिए डेब्यू करने के बाद से अभिषेक शर्मा लगातार तबाही मचा रहे हैं. वो टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में नंबर 1 बल्लेबाज थे. अब उन्होंने करियर की सबसे ज्यादा रेटिंग हासिल कर ली है. उन्होंने एशिया कप के बीच 931 अंक हासिल किए और डेविड मलान के 919 रेटिंग के रिकॉर्ड को तोड़ दिया. श्रीलंका के खिलाफ सुपर 4 में शानदार पारी खेलने के बाद वो 931 अंक तक पहुंचने में सफल हुए. एशिया कप फाइनल के बाद वो 926 रेटिंग में आ गए लेकिन अभी भी वो मलान से काफी आगे हैं.

अभिषेक शर्मा ने एशिया कप 2025 में मचाई थी तबाही

अभिषेक शर्मा के लिए एशिया कप 2025 काफी शानदार रहा. उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 7 मैच खेले और 314 रन बनाए. उन्होंने 44.86 के एवरेज से बल्लेबाजी की और इसी बीच उनका स्ट्राइक रेट 200 का रहा. उन्होंने टूर्नामेंट में कुल 32 चौके और 19 छक्के लगाए. शर्मा ने टूर्नामेंट में लगातार टीम इंडिया को अच्छी शुरुआत दिलाई. फाइनल में भले ही अभिषेक का बल्ला नहीं चला लेकिन टीम इंडिया ने पाकिस्तान को हराकर एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम किया.

फ्रिट्ज को हराकर कार्लोस अल्कारेज बने जापान ओपन के विजेता

साल का अपना आठवां एकल खिताब जीता

टोक्यो, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्पेन के शीर्ष रैंकिंग के कार्लोस अल्कारेज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन का खिताब अपने नाम किया। अल्कारेज ने फाइनल में दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर साल का अपना आठवां एकल खिताब जीता। अल्कारेज ने फ्रिट्ज को 6-4, 6-4 से हराकर करियर का 24वां एकल खिताब जीता। उन्हें पिछले हफ्ते लीवर कप टीम प्रतियोगिता में फ्रिट्ज के खिलाफ सीधे सेट में हार का सामना करना पड़ा था।

स्पेन के अल्कारेज ने मौजूदा सत्र में जीत-हार के अपने सत्र के रिकॉर्ड को बेहतर करते हुए टूर का सर्वश्रेष्ठ 67-7 हासिल किया और उन्हें सत्र के अंत में नंबर एक रैंकिंग की ओर कदम बढ़ाए। तोक्यो में यह फाइनल अल्कारेज के लिए मार्च के बाद से लगातार नौवां फाइनल था। फाइनल में उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 7-2 है।

विश्व चैंपियन सुमित अंतिल का लक्ष्य- भविष्य में 80 मीटर भाला फेंकना

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार पैरा भाला फेंक एथलीट सुमित अंतिल ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। 27 वर्षीय खिलाड़ी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही वे इस चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे सफल भारतीय पैरा एथलीट बन गए हैं।

सुमित ने पुरुषों की एफ64 श्रेणी में 71.37 मीटर का थ्रो किया, जो न सिर्फ चैंपियनशिप रिकॉर्ड रहा बल्कि इस जीत ने भारत की झोली में एक और स्वर्ण पदक भी डाल दिया। खास बात यह रही कि उनके इस ऐतिहासिक पल का गवाह ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा भी बने, जो स्टैंड से उन्हें चीयर कर रहे थे।

80 मीटर तक पहुंचने का सपना

सुमित ने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, 'देखिए हम यह देखने की कोशिश कर रहे हैं कि एक पैरा एथलीट के तौर पर हम

कितनी दूरी तक जा सकते हैं क्योंकि मैंने अक्सर सुना है कि एक पैरा एथलीट इतना अच्छा नहीं फेंक सकता। इसलिए हम इस सवाल का जवाब ढूंढ रहे हैं।'

खिताब जीतने के बाद सुमित ने साफ कहा कि उनका अगला लक्ष्य 80 मीटर तक भाला फेंकना है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने खेलना शुरू किया था तो किसी ने नहीं सोचा था कि पैरा एथलीट 70 मीटर तक भाला फेंक सकते हैं। अब हमने वह कर दिखाया है। आगे हमारा लक्ष्य 75 से 80 मीटर तक पहुंचना है।'

सुमित का वर्तमान विश्व रिकॉर्ड 73.29 मीटर का है, जो उन्होंने 2023 एशियाई पैरा खेलों में बनाया था। हालांकि इस बार वह अपने ही रिकॉर्ड से थोड़ा पीछे रह गए। उन्होंने कहा कि कंधे और गर्दन में हल्की परेशानी के चलते वे पूरा दम नहीं लगा पाए, लेकिन चैंपियनशिप रिकॉर्ड बनाना उनके लिए खुशी की बात है।

भारत का शानदार प्रदर्शन, एक ही दिन चार पदक

सुमित के अलावा भारत ने इस दिन और भी उपलब्धियां हासिल कीं। संदीप सरगर ने पुरुषों की एफ44 श्रेणी में 62.82 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण जीता। इसी स्पर्धा में भारत के ही एक और खिलाड़ी ने रजत पदक हासिल किया।

योगेश कथुनिया ने पुरुषों की एफ56 चक्का फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीता। यह उनका लगातार तीसरा विश्व चैंपियनशिप रजत है। इन नतीजों के बाद भारत की कुल पदक संख्या चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पर पहुंच गई और तालिका में भारत चौथे स्थान पर रहा।

कथुनिया- संघर्ष और जज्बे की मिसाल

28 वर्षीय योगेश कथुनिया की कहानी भी प्रेरणा से भरी हुई है। बचपन में उन्हें गिलियन-बैरे सिंड्रोम नामक दुर्लभ रोग हो गया था, जिसके चलते डॉक्टरों ने कहा था कि वे कभी चल नहीं पाएंगे। लेकिन मां की मेहनत और फिजियोथेरेपी ने उन्हें दोबारा खड़ा किया। आज वे लगातार चार विश्व चैंपियनशिप में पदक जीत चुके हैं और दो पैरालंपिक में भी रजत पदक अपने नाम कर चुके हैं। हालांकि अब भी उनका इंतजार पहले स्वर्ण पदक का है।

सूर्यकुमार यादव के बाद हरमनप्रीत कौर की बारी

भारत से फिर हारेगा पाकिस्तान, इस संडे 12-0 तय है

कोलंबो, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान फिर भिड़ने को हैं तैयार. जी हां, लगातार चौथा संडे भी खाली नहीं जाने वाला. भारत-पाकिस्तान मुकाबले का रोमांच इस रविवार भी दिखेगा. फर्क बस सिर्फ इतना होगा कि इस बार पाकिस्तान को हार के मुंह में धकेलकर सबक सिखाने का काम भारत की बेटियां करती दिखेंगी. इस बार सूर्यकुमार यादव की टीम इंडिया नहीं बल्कि हरमनप्रीत कौर की भारतीय टीम पाकिस्तान को पीटती दिखेगी. भारत-पाकिस्तान के बीच ये टक्कर महिला वनडे वर्ल्ड कप में होगी.

5 अक्टूबर को भी भारत VS पाक

भारत और श्रीलंका की मेजबानी महिला वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत हो चुकी है. आईसीसी के इसी इवेंट में आने वाले रविवार को यानी कि 5 अक्टूबर को भारत-पाकिस्तान की महिला टीमों के बीच क्रिकेट की जंग देखने को मिलेगी. मेंस-वीमेंस भूलकर सिर्फ क्रिकेट की बात करें तो ये भारत-पाकिस्तान की वो भिड़ंत होगी, जो लगातार चौथे संडे को होती दिखेगी.

पिछले 3 संडे ऐसे हारा भारत से पाकिस्तान

इससे पहले 3 रविवार को हुए मुकाबले में भारत की मेंस क्रिकेट टीम ने सूर्यकुमार यादव की कमान में पाकिस्तान को बुरी तरह से हराया था. भारत-पाकिस्तान की मेंस टीम पहली बार एशिया कप 2025 के ग्रुप स्टेज पर 14 सितंबर को भिड़ी थी, फिर उसके बाद 21 सितंबर को सुपर-4 राउंड में उनके बीच मुकाबला हुआ. और उसके बाद 28 सितंबर को एशिया कप 2025 के फाइनल में भारत से पाकिस्तान हारा.

सूर्यकुमार के बाद अब हरमनप्रीत की बारी

अब 5 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान की महिला टीमें आमने-सामने होंगी. कोलंबो के मैदान पर होने वाले इस मुकाबले में भारतीय महिला टीम की कोशिश पाकिस्तान के खिलाफ अपने रिकॉर्ड को 12-0 करने पर होगी.

इस संडे 12-0 तय है

भारत और पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम वनडे में पिछले 20 साल में 11 बार आमने सामने हो चुकी है, जिसमें हर बार बाजी भारत के नाम रही है. मतलब, इस बार 12वीं बार वनडे में भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने होंगी. भारतीय महिला टीम का अब तक जो रिकॉर्ड रहा है, उसे देखते हुए उनका पाकिस्तान पर आने वाले संडे को 12-0 का रिकॉर्ड बनना भी तय लग रहा है.

तेलुगू टाइटंस की लगातार तीसरी जीत

पुणेरी पलटन ने बंगाल वॉरियर्स को फिर हराया

विशाखापत्तनम, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 55वें मुकाबले में तेलुगू टाइटंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पटना पायरेट्स को 37-28 से करारी शिकस्त दी. एसडीएटी मल्टी परपज इनडोर स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मैच में कप्तान विजय मलिक और ऑलराउंडर भरत ने अहम भूमिका निभाई. इस जीत के साथ तेलुगू टाइटंस ने लगातार तीसरी जीत दर्ज की और 11 मैचों में 12 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई. दूसरी ओर, पटना पायरेट्स को नौ मैचों में सातवीं हार का सामना करना पड़ा.

तेलुगू टाइटंस की जीत में कप्तान विजय मलिक ने 13 अंक हासिल कर स्टार रेडर की भूमिका निभाई, जबकि भरत ने आठ और अंकित ने चार अंकों का योगदान दिया. पटना के लिए अकेले अयान ने 13 अंकों के साथ जोरदार प्रदर्शन किया, लेकिन उनकी टीम का डिफेंस और अन्य रेडर्स का कमजोर प्रदर्शन हार का कारण बना. मैच की शुरुआत में तेलुगू टाइटंस ने आक्रामक रणनीति अपनाई. विजय मलिक ने पहले दस मिनटों में चार अंक जुटाकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई. लेकिन अयान के नौ अंकों की बदौलत पायरेट्स पहले हाफ में 16-15 से आगे रही.

दूसरे हाफ में तेलुगू टाइटंस ने रणनीति बदली और अयान को सुपर टैकल कर बढ़त हासिल की. 25वें मिनट तक दोनों टीमें 20-20 की बराबरी पर थीं, लेकिन इसके बाद तेलुगू ने भरत और अपने डिफेंस के दम पर 30वें मिनट में 24-20 की लीड बना ली. 32वें मिनट में तेलुगू ने पटना को ऑलआउट कर स्कोर 29-21 तक पहुंचाया. पटना का डिफेंस पूरी तरह बिखर गया, और 35वें मिनट तक तेलुगू 10 अंकों की मजबूत बढ़त ले चुकी थी.

वेस्टइंडीज ने तीसरे टी-20 में नेपाल को 10-विकेट से हराया

खेल डेस्क, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। शारजाह में खेले गए आखिरी टी-20 मैच में वेस्टइंडीज ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। इस जीत के साथ कैरिबियाई टीम ने नेपाल को क्लीन स्वीप करने से रोक दिया। नेपाल शुरुआती दो मुकाबले जीतकर सीरीज पहले ही अपने नाम कर चुका था।

यह पहला मौका है जब वेस्टइंडीज ने किसी टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 10 विकेट से जीत दर्ज की। इससे पहले वह चार बार 9 विकेट से जीत चुका है। वहीं, नेपाल को पहली बार टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल की टीम 19.5 ओवर में 122 रन पर सिमट गई। वेस्टइंडीज ने बिना विकेट खोए 12.2 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

नेपाल की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले में नेपाल ने 1 विकेट खोकर 37 रन बनाए। कुशल भुर्टेल ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सके।

वेस्टइंडीज की ओर से रेमन सिमंड्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 15 रन देकर 4 विकेट चटकाए। 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 47 रन बनाए। पहले विकेट के लिए अमीर जंगू और एकीम ऑगस्टे के बीच 74 गेंदों पर नाबाद 123 रन की साझेदारी हुई। अमीर जंगू ने 45 गेंदों पर 74 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे। वहीं, एकीम ऑगस्टे ने 29 गेंदों पर नाबाद 41 रन जोड़े।

मोहसिन नकवी ने एसीसी की बैठक में बीसीसीआई से मांगी माफी

दुबई, 1 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 खत्म हुए 2 दिन हो चुके हैं और अभी तक इसको लेकर छिड़ा विवाद खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है. दरअसल एशिया कप 2025 के फाइनल में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को हराकर खिताब पर कब्जा किया था, लेकिन बावजूद इसके टीम इंडिया को ट्रॉफी नहीं मिल पाई थी, क्योंकि टीम इंडिया ने एसीसी और पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथ से ट्रॉफी नहीं लेना का फैसला किया था, जिसके बाद मोहसिन नकवी एशिया कप की ट्रॉफी और टीम इंडिया के मेडल लेकर अपने होटल भाग गए थे. जिसको लेकर मोहसिन नकवी पर बीसीसीआई ने काफी सवाल उठाए. वहीं अब एसीसी की बैठक में मोहसिन नकवी ने बीसीसीआई से माफी

मांगी है. दरअसल दुबई में एसीसी की मीटिंग हुई, जिसमें बीसीसीआई की तरफ से मोहसिन नकवी पर कई सवाल दागे गए. जिसको लेकर मोहसिन नकवी ने बीसीसीआई से माफी मांगी है. मोहसिन नकवी का कहना है कि "जो हुआ गलत हुआ, ऐसा नहीं होना चाहिए था."

वहीं एशिया कप 2025 की ट्रॉफी देने को लेकर नकवी का कहना है कि सूर्यकुमार यादव दुबई एसीसी के ऑफिस आए और ट्रॉफी-मेडल ले जाए.

टीम इंडिया ने एशिया कप 2025 के फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से करारी शिकस्त दी थी. हालांकि फाइनल से पहले ही साफ हो गया था कि टीम इंडिया खिताब जीतने के बाद मोहसिन नकवी के हाथ से ट्रॉफी नहीं लेगी. इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर पोडियम पर आए थे, लेकिन टीम इंडिया ने उनके हाथ से ट्रॉफी नहीं ली, काफी देर इंतजार करने के बाद नकवी ट्रॉफी और मेडल लेकर अपने होटल चले गए थे.

जिसपर नकवी को जमकर लताड़ भी लगाई गई. ट्रॉफी न मिलने के बाद टीम इंडिया ने पोडियम पर चढ़कर बिना ट्रॉफी के जीत का जश्न मनाया था. हालांकि अभी भी टीम इंडिया को ट्रॉफी मिलने का रास्ता साफ नहीं हुआ है, क्योंकि नकवी भी अपनी जिद पर अड़े हैं.

झूठी जानकारी फैलाने और मानहानि करने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई : शिवधर रेड्डी

तेलंगाना के नए डीजीपी ने पदभार संभाला

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बी. शिवधर रेड्डी ने बुधवार को तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। इस तरह वे राज्य के छठे डीजीपी बन गए। उन्होंने जितेंद्र का स्थान लिया है, जो 15 महीने तक इस पद पर रहे। शिवधर रेड्डी ने हैदराबाद के लकड़ी-का-पुल स्थित डीजीपी कार्यालय में विशेष समारोह के बाद सुबह 9:44 बजे आधिकारिक रूप से अपना कार्यभार संभाला।

मीडिया को दिए अपने बाद के भाषण में, रेड्डी ने माओवादियों के मुद्दे पर बात की और उन सदस्यों का समर्थन करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की जो समाज में फिर से शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि माओवादी पार्टी के एक पोलित ब्यूरो सदस्य के पत्र में सशस्त्र संघर्ष छोड़ने की उनकी इच्छा का संकेत दिया गया है। उन्होंने कहा, "रूस और चीन की स्थितियाँ भारत से अलग नहीं हैं। माओवादी लंबे समय से एक खास विचारधारा पर अड़े हुए हैं, लेकिन अब वे जमीनी हकीकत को समझने लगे हैं, जिसके कारण उनका संघर्ष समाप्त हो गया है।"

कार्यक्रम के दौरान, डीजीपी ने सोशल मीडिया गतिविधियों से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर ज़ोर दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अनुचित सामग्री पोस्ट करने वालों को सावधानी बरतने की चेतावनी दी और कहा कि झूठी जानकारी फैलाने और मानहानि करने वालों के ख़िलाफ़ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शिवधर रेड्डी ने कहा कि कुछ लोग भले ही रेड बुक या पिंक बुक का हवाला दें, लेकिन उनका मुख्य ध्यान खाकी बुक (पुलिस मैनुअल) पर है। डीजीपी ने कहा, "अगर हर कोई ज़िम्मेदारी से काम करे और अपनी राय व्यक्त करते समय क़ानूनी सीमाओं के भीतर रहे, तो कोई समस्या नहीं होगी।" इसके बाद, वह राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मिलने राजभवन गए। डीजीपी शिवधर रेड्डी के साथ हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सज्जनार और ख़ुफ़िया महानिदेशक विजय कुमार भी थे। बताया जा रहा है कि राज्यपाल ने बाद की बैठक में क़ानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली।

विजयवाड़ा में 1,300 किलोग्राम गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), हैदराबाद इकाई ने विजयवाड़ा में 1,300 किलोग्राम गांजा जब्त किया और तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

डीआरआई को विशेष खुफिया जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर आंध्र प्रदेश के रामवरप्पाडु रिंग रोड पर छत्तीसगढ़ के सुकमा से तमिलनाडु के सलेम जा रहे एक मालवाहक ट्रक को रोका गया। तलाशी में 561 पैकेटों में कुल 1,300.27 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। इसकी कीमत लगभग 2.6 करोड़ रुपये आंकी गई है। ट्रक में सवार दो लोगों को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। डीआरआई ने आगे की जांच में गांजा तस्करी के मास्टरमाइंड को तमिलनाडु के सलेम से गिरफ्तार किया।

महापौर ने की दुर्गा अष्टमी की पूजा शहरवासियों के कुशलता की कामना की

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी महापौर ने बुधवार को विजयदशमी मनाई। महापौर गद्वाल विजयालक्ष्मी ने कार्यालय में अपने कक्ष में दुर्गा अष्टमी पूजा की। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त रघु प्रसाद, के वेणुगोपाल, सतर्कता डीएसपी नरसिम्हा रेड्डी, सचिव सत्यनारायण, ओएसडी विजय कृष्ण, अखिल, चिकित्सा कर्मचारी आदि उपस्थित रहे। महापौर ने अधिकारियों और कर्मचारियों को दशहरा की शुभकामनाएं दीं। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने प्रार्थना की कि देवी का आशीर्वाद शहर के सभी लोगों पर बना रहे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि ग्रेटर हैदराबाद शहर विकास की राह पर आगे बढ़ता रहेगा।

राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने दशहरा पर लोगों को शुभकामनाएँ दीं

हैदराबाद,1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विजयादशमी (दशहरा पर्व) के पावन अवसर पर, राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने तेलंगाना के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

बुधवार को यहाँ एक बयान में, राज्यपाल ने कहा कि नवरात्रि का पर्व हमें आनंद और उल्लास की भावना से भर देता है। उन्होंने कहा कि इस पर्व का मुख्य विषय बुराई पर अच्छाई की विजय है, जिसकी प्रासंगिकता चिरस्थायी है।

"सत्य की ही विजय होती है" हमारा राष्ट्रीय आदर्श वाक्य है और इसलिए इस पर्व को मनाते हुए, हमें सामूहिक रूप से बीमारियों, पर्यावरणीय खतरों, बाहरी खतरों सहित सभी बुराइयों से लड़ने और एक हरित एवं स्वस्थ राष्ट्र बनाने का प्रयास करना चाहिए, जिष्णु देव वर्मा। राज्यपाल ने प्रार्थना की कि देवी माँ दशहरा के इस शुभ और उत्सवी उत्सव पर अपना आशीर्वाद प्रदान करें। इसी क्रम में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने दशहरा पर्व (विजया दशमी) के अवसर पर राज्यवासियों को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के सांस्कृतिक जीवन में दशहरा का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव देश भर में बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में विजयादशमी के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना विविध समुदायों की एकता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि शमी पूजा करना, जम्मी के पत्ते को सोना मानकर अलाई बलाई लेना, बड़ों का आशीर्वाद लेना, पलापिट्टा के दर्शन करना, जिसे एक शुभ संकेत माना जाता है, तेलंगाना के लिए विशेष है। मुख्यमंत्री ने देवी दुर्गा से प्रार्थना की कि तेलंगाना निर्विरोध विजय के साथ विकास करे और सभी लोग इस त्योहार को खुशी और उल्लास के साथ मनाएँ।

तेलंगाना में किसानों की आत्महत्या में भारी कमी

केसीआर शासन के दौरान 95 प्रतिशत से ज्यादा गिरावट दर्ज

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार तेलगाना में किसानों की आत्महत्याओं में बीते दस साल में बड़ी कमी आई है। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के शासनकाल (2014-2023) में आत्महत्या के मामले 95.84 प्रतिशत घटे। 2014 में राज्य गठन के समय 1,347 किसानों ने आत्महत्या की थी। 2015 में यह संख्या बढ़कर 1,400 हुई, लेकिन 2023 में घटकर सिर्फ 56 रह गई। देश में किसानों की आत्महत्या में तेलंगाना की हिस्सेदारी 2015 में 11.1 प्रतिशत थी, जो 2023 में घटकर 0.51 प्रतिशत रह गई।\

कभी इस मामले में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरे स्थान पर रहने वाला तेलंगाना अब 14वें स्थान पर पहुंच गया है। राज्य बनने के पहले पाँच वर्षों में आत्महत्या का औसत 1,030 प्रतिवर्ष था, जबकि अगले पाँच वर्षों में यह औसत घटकर 312 रह गया, यानी लगभग 70 प्रतिशत की कमी। अधिकारियों और किसान संगठनों का कहना है कि इस सुधार का श्रेय रयथु बंधु निवेश सहायता, सरकारी फसल खरीद और कालेश्वरम परियोजना जैसी योजनाओं को जाता है, जिनसे किसानों पर कर्ज का बोझ कम हुआ। कृषि विशेषज्ञों ने कहा कि इतनी बड़ी और निरंतर गिरावट किसी अन्य राज्य में दर्ज नहीं हुई है। उन्होंने इसे 'तेलंगाना मॉडल' का सफल उदाहरण बताया।

कांग्रेस सरकार पर केटीआर का हमला

विधायकों की नाराज़गी को बताया अराजकता का सबूत

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने शासन को सर्कस बना दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ पार्टी के ही विधायक सरकार की नाकामी उजागर कर रहे हैं। रामाराव ने बताया कि पलामुरु के कांग्रेस विधायक ने खुद स्वीकार किया कि राज्य सरकार स्थानीय समस्याओं के लिए धनराशि जारी नहीं कर रही है। वहीं, येल्लारेड्डी के विधायक ने अपने क्षेत्र में बारिश से हुए नुकसान की भरपाई के लिए सरकार से जवाब न मिलने पर विश्व बैंक को पत्र लिख दिया। उन्होंने कहा कि जादचेरला के विधायक प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की लापरवाही से इतने नाराज़ हुए कि उन्होंने एक उद्योग को आग लगाने की धमकी तक दे दी। केटीआर ने कहा कि तेलंगाना में आज अराजकता और अज्ञानता का माहौल है। यह सरकार नहीं, बल्कि एक सर्कस है।

चारु सिन्हा बनीं एसीबी की नई महानिदेशक

भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई और पारदर्शिता पर दिया जोर

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी चारु सिन्हा ने बुधवार को तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के महानिदेशक का पदभार संभाल लिया। 1996 बैच की अधिकारी सिन्हा पहले भी एसीबी में संयुक्त निदेशक, निदेशक और प्रभारी महानिदेशक के पदों पर रह चुकी हैं। उनके योगदान से एसीबी की कार्यप्रणाली को मजबूत बनाने में अहम भूमिका रही है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि एसीबी भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई जारी रखेगा और शासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ब्यूरो जवाबदेही और जनता के विश्वास को बढ़ाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

मानव तस्करी रोधी प्रयासों में तेलंगाना देश में दूसरे स्थान पर

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में तेलंगाना पुलिस ने मानव तस्करी के 336 मामले दर्ज किए और देश में दूसरे स्थान पर रही। महाराष्ट्र 388 मामलों के साथ पहले स्थान पर रहा। देशभर में पुलिस ने कुल 6,288 लोगों को बचाया, जिनमें 3,787 महिलाएँ थीं। तेलंगाना में 626 लोग बचाए गए, जिनमें 604 महिलाएँ शामिल थीं। इनमें से 597 महिलाएँ वेश्यावृत्ति के लिए तस्करी की गई थीं। राज्य ने चार बांग्लादेशी महिलाओं और अन्य राज्यों की पाँच महिलाओं को भी सुरक्षित किया। तेलंगाना पुलिस की महिला शाखा की अधिकारी ने बताया कि राज्य में मानव तस्करी रोधी इकाइयों (एएचटीयू) का प्रदर्शन सुधर रहा है। टीम नियमित रूप से तस्करी गिरोहों के खिलाफ छापेमारी कर रही है और महिलाओं व बच्चों को बचा रही है।

छह युवा डॉक्टरों की आत्महत्या से चिकित्सा शिक्षा प्रणाली पर सवाल

तनाव, उत्पीड़न और असंतोष बने मुख्य कारण

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सितंबर महीने में छह युवा डॉक्टरों ने आत्महत्या कर ली, जिनमें चार तेलुगु राज्यों से जुड़े थे और दो छत्तीसगढ़ व महाराष्ट्र से थे। आत्महत्या करने वाले इन डॉक्टरों ने अपने नोट्स में गंभीर तनाव, पढ़ाई में असफलता, वरिष्ठों द्वारा उत्पीड़न और काम से जुड़ी थकान का ज़िक्र किया। तेलंगाना के निम्स समेत किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में जूनियर या प्रशिक्षु डॉक्टरों के लिए उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने का सुरक्षित संस्थागत तंत्र नहीं है। तय काम के घंटे न होने से डॉक्टर लगातार शारीरिक और मानसिक दबाव में रहते हैं।

भारतीय मनोचिकित्सा सोसायटी के सदस्य प्रो. डॉ. विशाल अकुला का कहना है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए चिकित्सा शिक्षा में सुधार और मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रणालियों की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जब मेडिकल छात्र मदद मांगने से डरते हैं कि करियर पर असर पड़ेगा, तो स्थिति और गंभीर हो जाती है। तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) ने भी बार-बार कार्यस्थल पर तनाव कम करने की मांग की है। टीजेयूडीए महासचिव डॉ. डी. अजय कुमार गौड़ ने बताया कि वे राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर इस मुद्दे को उठा रहे हैं और कॉलेजों में समितियाँ बना रहे हैं जो छात्रों को मनोवैज्ञानिक मदद और मार्गदर्शन देंगी।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, 15 से 29 वर्ष के युवाओं में आत्महत्या प्रमुख मृत्यु कारणों में से एक है। वहीं जेएएमए (2016) के अध्ययन में पाया गया कि हर तीन में से एक मेडिकल छात्र अवसाद का शिकार होता है और हर दस में से एक आत्महत्या के विचार करता है। डॉ. अकुला ने कहा कि भारत के मेडिकल कॉलेज भी इसी वैश्विक प्रवृत्ति को दर्शाते हैं, लेकिन कलंक और चुप्पी की वजह से छात्र अपनी समस्याओं को खुलकर नहीं बता पाते।

दशहरा की धूम, शहर में उत्सव का माहौल

मंदिरों, पंडालों और बाजारों में उमड़ी भीड़

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद दशहरा के रंग में रंग गया है और सभी वर्गों के लोग गुरुवार को विजयादशमी मनाने की तैयारियों में जुटे हैं। बुधवार को आयुध पूजा और बतुकम्मा के मौके पर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिरों का समय बढ़ा दिया गया और वाहनों को आशीर्वाद दिलाने वालों की कतारें लगीं। शहर में चलने वाली आरटीसी बसों को भी केले के पत्तों और फूलों से सजाया गया।

जामबाग और गुडीमलकापुर के फल और फूलों के थोक बाजार खचाखच भरे रहे। बेगम बाजार, सुल्तान बाजार, अमीरपेट, बेगमपेट और मोंडा मार्केट जैसे पारंपरिक बाजारों के साथ-साथ मॉल और बड़े प्रतिष्ठान भी रंग-बिरंगी सजावट से चमक उठे। पूजा सामग्री खरीदने वालों से बाजारों में रौनक बढ़ गई। बड़ी संख्या में दुर्गा पूजा पंडालों और मंदिर समितियों ने नवरात्रि विशेष पूजा का आयोजन किया। वहीं बंगाली समुदाय ने बुधवार को अन्नदानम और प्रसाद वितरण किया। शहरभर में माहौल उत्साह और श्रद्धा से भरा हुआ है और लोग दशमी के पर्व का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दशहरा पर बस और रेलवे स्टेशनों पर उमड़ी भीड़

टीजीएसआरटीसी और रेलवे ने चलाईं विशेष सेवाएँ

हैदराबाद, 1 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दशहरा उत्सव से पहले बुधवार को हैदराबाद से अपने गृहनगर जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ बस और रेलवे स्टेशनों पर देखी गई। महात्मा गांधी बस स्टेशन (एमजीबीएस) और जुबली बस स्टेशन (जेबीएस) पर मंगलवार से शुरू हुई भीड़ आज और बढ़ गई। रेलवे स्टेशनों पर भी परिवारों और बच्चों की बड़ी संख्या देखी गई। सिकंदराबाद, नामपल्ली, चरलापल्ली, काचेगुडा और लिंगमपल्ली स्टेशन यात्रियों से खचाखच भरे नजर आए। भीड़ के बीच असुविधा जरूर हुई, लेकिन यात्रियों में त्योहार का उत्साह साफ झलक रहा था।

यात्रियों की सुविधा के लिए टीजीएसआरटीसी ने 20 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 7,754 विशेष बसें चलाई हैं। इनमें से 377 बसों में अग्रिम आरक्षण की सुविधा उपलब्ध है। 5 और 6 अक्टूबर को वापसी के लिए भी अतिरिक्त सेवाएँ चलेंगी। एमजीबीएस, जेबीएस, एलबी नगर, उप्पल, आरामघर, संतोष नगर और केपीएचबी से खास पिक-अप प्वाइंट बनाए गए हैं। इसी तरह, दक्षिण मध्य रेलवे ने भी बथुकम्मा और दशहरा त्योहारों को देखते हुए विशेष ट्रेनें चलाई हैं। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा जांच बढ़ा दी गई है और स्टेशन अधिकारी भीड़ प्रबंधन में जुटे हुए हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.